



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 64]

नई दिल्ली, मंगलवार, फरवरी 13, 2018/माघ 24, 1939

No. 64]

NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 13, 2018/MAGHA 24, 1939

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

अंतिम जॉच परिणाम

(मामला सं. ओ./08/2017)

नई दिल्ली, 13 फरवरी, 2018

**विषय :** चीन जन. गण., मलेशिया, इंडोनेशिया और यूरोपीय संघ के मूल की या वहां से निर्यातित विनियर्ड इंजीनियर्ड वुडेन फ्लोरिंग के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जॉच

**फा. सं. 14/34/2016-डीजीएडी** - समय-समय पर यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतद्पश्चात अधिनियम कहा गया है) और उसकी समय-समय पर यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षतिनिर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतद्पश्चात नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

- यतः, मै. ग्रीनलैम इंडस्ट्रीज लिमिटेड (जिसे आगे याचिकाकर्ता या आवेदक कहा गया है) ने समय-समय पर यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतद्पश्चात अधिनियम कहा गया है) और उसकी समय-समय पर यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षतिनिर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतद्पश्चात नियमावली कहा गया है) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें आगे प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष चीन जन. गण., मलेशिया, इंडोनेशिया और यूरोपीय संघ (जिन्हें आगे संबद्ध देश कहा गया है) के मूल की या वहां से निर्यातित विनियर्ड इंजीनियर्ड वुडेन फ्लोरिंग (जिसे आगे संबद्ध वस्तु या विचाराधीन उत्पाद कहा गया है) के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए एक याचिका दायर की है।

3. यतः, प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर, भारत के राजपत्र में प्रकाशित दिनांक 17 फरवरी, 2017 को एक अधिसूचना सं. 14/34/2016-डीजीएडी जारी की जिसमें उक्त नियमावली के नियम 5 के अनुसार संबद्ध जाँच की शुरुआत की ताकि संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के कथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और पाटनरोधी शुल्क की उस राशि की सिफारिश की जा सके जिसे यदि लगाया जाए तो वह घरेलू उद्योग को हुई कथित 'क्षति' को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी।

#### क. प्रक्रिया

4. इस जांच के संबंध में नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है:

- उक्त नियमावली के अधीन, निर्दिष्ट प्राधिकारी को घरेलू उद्योग की ओर से याचिकाकर्ता से एक लिखित याचिका प्राप्त हुई जिसमें संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित विनियर्ड इंजीनियर्ड बुडेन फ्लोरिंग के पाटन का आरोप लगाया गया है।
- आवेदन की प्रारंभिक जाँच में कुछ कमियों का पता चला, जिन्हें बाद में याचिकाकर्ता द्वारा सुधार दिया गया। याचिकाकर्ता ने याचिका को अद्यतन किया, जिस पर जाँच की शुरुआत के लिए प्राधिकारी द्वारा विचार किया गया। इसलिए आवेदन, विधिवत दस्तावेज के रूप में माना गया था।
- जांच की शुरुआत का औचित्य सिद्ध करने के लिए याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्यों के आधार पर प्राधिकारी ने संबद्ध देशों की संबद्ध वस्तुओं के आयात के विरुद्ध जांच शुरू करने का निर्णय लिया।
- प्राधिकारी पाटनरोधी नियमावली के उप-नियम 5 (5) के अनुसार जांच शुरू करने से पहले आवेदन की प्राप्ति के बारे में भारत में स्थित संबद्ध देशों के दूतावासों को सूचित किया।
- प्राधिकारी संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों के संबंध में भारत के राज्यपत्र असाधारण में पाटनरोधी जाँच की शुरुआत करते हुए 17 फरवरी, 2017 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की।
- प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6 (2) के अनुसार सभी ज्ञात निर्यातकों (जिनके विवरण याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए थे) और उद्योग संघ को सार्वजनिक सूचना की एक प्रति अग्रेषित की और उन्हें अपने विचारों से लिखित में अवगत कराने का अवसर प्रदान किया।
- प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध वस्तु के सभी ज्ञात आयातकों को सार्वजनिक सूचना की एक प्रति अग्रेषित की और पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर लिखित रूप में अपने विचारों से अवगत कराने की सलाह दी।
- प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(3) के अनुरूप आवेदक की ओर से प्रस्तुत किए गए आवेदन के अगोपनीय अंश की ज्ञात निर्यातकों और संबद्ध देशों से दूतावासों उपलब्ध कराई थी। आवेदन की एक प्रति अनुरोध करने पर अन्य हितबद्ध पक्षों को भी उपलब्ध कराई गई थी।
- पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार प्राधिकारी ने संबद्ध देशों के निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को संगत सूचना मंगाने के लिए प्रश्नावलियों भेजीं:

क्र.सं	कंपनी का नाम और पता	क्र.सं.	कंपनी का नाम और पता
<b>चीन जन. गण.</b>			
1.	टॉमरिक इंटरनेशनल ट्रेडिंग लिमिटेड, शंघाई, चीन जन. गण.	2.	नांजिंग ईटीएआई ट्रेडिंग कं. लि. नांजिंग, चीन जन. गण.
3.	लिनयी बैदेली इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि., शंडोंग, चीन जन. गण.	4.	लिनयी हांगफू टिंबर कं. लि., शंडोंग, चीन जन. गण.
5.	वेनझाउ टिम्बर ग्रुप कं. लि. झेजियांग, चीन जन. गण.	6.	शाउगुआंगगुइहे इकानामिक एंड ट्रेड कं. लि., शंडोंग, चीन जन. गण.
7.	कंगटोन इंडस्ट्री, इंक शंघाई, चीन	8.	गुआंगडोंग वाइहुआ होल्डिंग कं. लि., गुआंगडू

9.	लिन्यी बैटेली इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि., शंडोंग, चीन जन. गण.	10.	शाउगुआंग वांडा वुड इंडस्ट्री कं. लि., शंडोंग, चीन जन. गण.
11.	योरकिंग हार्डवुड, फोशान, पी. आर. चीन	12.	शुयांग न्यू कांसेप्ट वुड कं. लि., जिआंगसू, चीन जन. गण.
<b>मलेशिया</b>			
13.	<b>इकोवुड मलेशिया एसडीएन बीएचडी, कुआलालम्पुर, मलेशिया</b>	14.	बी.के.बी. हेवी प्रोडक्ट्स एसडीएन बीएचडी, पेराक, मलेशिया
15.	एमई इंडस्ट्रीज एसडीएन बीएचडी, पेराक, (140418-पी), सेलागोर, मलेशिया	16.	मै. इको फ्लोर इंडस्ट्रीज एसडीएन बीएचडी, शाह आलम, सेलनगोर दारुल एहसान, मलेशिया
<b>इंडोनेशिया</b>			
17.	पीटी कार्यासिप्ता उनग्गुल नुसनतारा, जकार्ता, इंडोनेशिया	18.	पीटी. जेनिथ प्रटमा इंडाह, टेंगरेंग, इंडोनेशिया
19.	पीटीकेरामिंडो मेगाह परतिवि, टेंगरेंग, इंडोनेशिया	20.	पीटी रेडट्रोइंडो नुसंतारा, तिमूर इंडोनेशिया
21.	पीटी. गेमाग्राहासराना टीबीके., इंडोनेशिया	22.	पीटी. तुंगल नुसंतारा, इंडोनेशिया
23.	पीटी. तिरता महाकम रिसोर्सेस, टीबीके, जकार्ता, जकार्ता राया, इंडोनेशिया	24.	एरिटा, जकार्ता राया, इंडोनेशिया
<b>यूरोपीय संघ</b>			
25.	एडमोंटरआइन, मार्के कमत, आस्ट्रिया	26.	बारलिनेक, कील्से, पोलैंड
27.	बोएन, हार्टलबरी ट्रेडिंग इस्टेट, हार्टलबरी डीवाई10 4जेबी, युनाइटेड किंगडम	28.	हेववुड्स लि., कार्नफोर्थ, लंकाशायर, एलए5 9एफडी
29.	काहर्स, माइमो, स्वीडन	30.	लिस्टोन गारडेनो, इटैलिया
31.	पैराडोर जीएमबीएच एंड कंपनी केजी, जर्मनी	32.	पार्की डिकोस्पेन एनवी, बेल्जियम
33.	पागो, पेरगो (यूरोप) एबी, ट्रुलेबोर्ग स्वीडन	34.	टिलो, मैगेशेल, लॉसबर्ग, आस्ट्रिया

5. प्रत्युत्तर में, निम्नलिखित देशों के निर्यातकों/उत्पादकों ने निर्धारित प्रारूप में निर्यातक की प्रश्नावली का उत्तर दिया है:

- (i) यूनिलिन (मलेशिया) एसडीएन बीएचडी, मलेशिया
- (ii) यूनिलिंग बीबीबीए, बेल्जियम, यूरोपीय संघ
- (iii) फुज़ियान वूशीन वर्नर ग्रीन इंडस्ट्री कंपनी लिमिटेड, चीन जन. गण.
- (iv) डुराफ्लोर वर्नर जीएमबीएच, जर्मनी, यूरोपीय संघ
- (v) जियांगसू सेनमो वांस वुड इंडस्ट्री कं, लिमिटेड, चीन जन. गण.
- (vi) यूएबी बीओएन, लिथुआनिया, यूरोपीय संघ
- (vii) तारकेट पोलस्का सपा जेड.ओ.ओ., पोलैंड, यूरोपीय संघ
- (viii) तारकेट, हांगकांग

6. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6 (4) के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को प्रश्नावलियां

भेजी गई थीं :

क्र.सं.	कंपनी का नाम और पता	क्र.सं.	कंपनी का नाम और पता
1.	प्लाई पाइंट, कोझिकोड, केरल	2.	लेबल सेल्स कार्पो., कोचीन, केरल
3.	श्रीवरी ट्रेडर्स, मेतूपलायम तमिलनाडु	4.	कृष्णा प्लाइवुड, करूर, तमिलनाडु
5.	थमारापल्ली ब्रदर्स, एर्नाकुलम, केरल	6.	जैकसंस विनियर्स एंड पैनल्स प्रा. लि., केरल
7.	कलिंग इंपोर्टर्स एंड एक्सपोर्टर्स प्रा. लि. कोचीन, केरल	8.	विक्टरी प्लाइवुड डिस्ट्रिब्यूटर्स कन्नूर केरल
9.	मैथ्युसंस एक्पासटर्स एंड इम्पोर्टर्सपी. लि., केरल	10.	फेरोके बोर्डस लि. मालाप्पुरम, केरल
11.	आर.जे. मेटल्स, कोचीन, केरल	12.	सीआई गुप्ता एक्सपोर्टर्स लि., मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश, भारत
13.	वेनुगोपाल स्लेट इंडस्ट्रीज, आंध्र प्रदेश	14.	स्पेसवुड फनिशर्स प्रा. लि., हिंगना रोड, नागपुर 44—16
15.	कुट्टी फलशडोर्स एंड फर्नीचर कं. प्रा.लि., चेन्नई – 600107	16.	एसोसिएशन आफ फर्नीचर मेन्युफैक्चरर्स आफ इंडिया (एफमी) गोदरेज एंड बोयसे मेन्यु. कं. लि., मुंबई 400079
17.	इंडियन मोल्टेड पैनेल शटर्स मैन्यु.एसोसिएशन, नई दिल्ली	18.	बालाजी इम्पेक्स, मस्जिद बंडर मुंबई – 400009, महाराष्ट्र
19.	कोटेश्वरी स्लेट वर्क्स, आंध्र प्रदेश	20.	साईकृपा स्लेट वर्क्स, आंध्र प्रदेश
21.	विश्वामित्र स्लेट वर्क्स मट्टम, कमबम रोड, मर्कापुर	22.	पेगो इंडिया प्रा. लि., ग्रेटर कैलाश-॥
23.	नोशन इंडिया, नोशन गैलरी नोएडा, नोएडा	24.	स्पैन फ्लोर्स प्रा. लि., ग्रेटर कैलाश॥, नई दिल्ली, दिल्ली
25.	एफसीएमएल, नई दिल्ली, दिल्ली	26.	लोटस कालीन प्रा. लि. लाजपत नगर ॥, नई दिल्ली, दिल्ली
27.	आप्संस अनलिमिटेड, नई दिल्ली, दिल्ली 110003	28.	कंसोलिडेटेड कार्पेट्स इंडिया लि., जसोला जिला केन्द्र, जसोला, नई दिल्ली, दिल्ली 110017
29.	टाइम्स फर्नीशिंग, कोलकाला, पश्चिमी बंगाल 700071	30.	लेवाना इंडिया प्रा.लि., अलीपोर रोड, कलकत्ता
31.	बीबीजी फ्लोर्स, सैनिक फार्म, नई दिल्ली, दिल्ली 110044	32.	प्रिजम वुडवर्क्स प्रा. लि., महालक्ष्मी, मुंबई
33.	इगो फ्लोर्स प्रा. लि., बंगलुरु, कर्नाटक	34.	कोस्मो फ्लोर्स, कोट्टूरपुरम, चेन्नई- 600 085

7. जॉच शुरुआत संबंधी अधिसूचना के उत्तर में, निम्नलिखित आयातकों/प्रयोक्ताओं ने आयातक प्रश्नावली का उत्तर दिया और प्रस्तुत किया:

- i. एकजोटिक डेकोर प्राइवेट लिमिटेड (एकजोटिक)
- ii. स्पैन फ्लोर्स प्राइवेट लिमिटेड,

- iii. लोटस कालीन प्राइवेट लिमिटेड,
- iii. कंसोलीडेटेड कार्पेट इंडस्ट्रीज लिमिटेड,
- v. विकल्प अन्तलिमिटेड,
- vi. पेर्गो इंडिया प्रा. लिमिटेड,
- vii. क्लासिक फ्लोरिंग एंड इंटरियर्स प्राइवेट लिमिटेड
- viii. इगो फ्लोरिंग प्राइवेट लिमिटेड
- ix. इनोवर फ्लोर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड,
- x. एक्सलओएस आर्टेरियर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
- xi. प्रिज्म बुडवर्क्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड
- xii. सिम्फनी इंटरनेशनल
- xiii. एफसीएमएल
- xiv. अनीका ग्लोबल

8. उपरोक्त नामित आयातकों के अलावा, निम्नलिखित आयातकों ने सुनवाई के बाद लिखित अनुरोध प्रस्तुत किए हैं :

- (क) युनिक फ्लोरिंग;
- (ख) ओपुलो इंडिया
- (ग) वेनिमाधव ट्रेडर्स
- (घ) इंडियाना इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन फ्लोरिंग प्राइवेट लिमिटेड और
- (ङ) सेठ एंटरप्राइजेज

9. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रमाणों के अगोपनीय अंश को हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षण के लिए सार्वजनिक फाईल के रूप में उपलब्ध कराया। सभी हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोधों पर वर्तमान जाँच में विचार किया गया है।

10. गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दी गई सूचना की जांच उनके गोपनीयता के दावे के पर्याप्त होने के संबंध में की गई। संतुष्ट होने पर इस प्राधिकारी ने जहां भी आवश्यक हुआ गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और इस प्रकार की सूचना को गोपनीय माना गया है और उसे अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं बताया गया है। जहां भी संभव हुआ गोपनीय आधार पर सूचना देने वाले पक्षकारों को निर्देश दिया गया है कि वे गोपनीय आधार पर दी गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय भाग उपलब्ध कराएं।

11. याचिकाकर्ता और अन्य हितबद्ध पक्षों से आवश्यक समझी गई सीमा तक आगे सूचना मांगी गई थी।

12. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने दिनांक 28 जुलाई, 2017 की अधिसूचना द्वारा उचित तुलना करने के लिए पीसीएन आधार पर उनकी लागत संबंधी सूचना के अनुरोध के संबंध में घरेलू उद्योग सहित हितबद्ध पक्षों से सूचना भी मांगी है। सूचना प्रस्तुत करने के लिए 18 अगस्त, 2017 तक समय भी बढ़ाया गया था।

13. वर्तमान जाँच के प्रयोजनार्थ आवश्यक समझी गई सीमा तक घरेलू उद्योग का सत्यापन किया गया था।

14. सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन की लागत और उसे बनाने और बेचने की लागत के आधार पर क्षति रहित कीमत (जिसे आगे एनआईपी कहा गया है) ज्ञात की गई है ताकि इस बात का पता लगाया जा सके कि पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा।

15. संबद्ध देशों में निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों के परिसर में मौके पर सत्यापन किया गया:

- (क) यूनिलिन (मलेशिया) एसडीएन बीएचडी, मलेशिया
- (ख) यूनिलिंग बीबीबीए, बेल्जियम, यूरोपीय संघ
- (ग) फुज़ियान वूशीन वर्नर ग्रीन इंडस्ट्री कंपनी लिमिटेड, चीन जन. गण.
- (घ) डुराफ्लोर वर्नर जीएमबीएच, जर्मनी, यूरोपीय संघ
- (ङ) जियांगसू सेनमो बांस लकड़ी उद्योग कं, चीन जन. गण.
- (च) यूएबी बीओएन, लिथुआनिया, यूरोपीय संघ
- (छ) तारकेट पोल्स्का एसपी. जेड.ओ.ओ, पोलैंड, यूरोपीय संघ
- (ज) तारकेट, हांगकांग

16. अक्टूबर, 2015 से शुरू होकर सितंबर, 2016 (12 माह) तक की अवधि के लिए जांच की गई थी (जिसे आगे 'जांच की अवधि' या 'पीओआई' कहा गया है)। क्षति विश्लेषण के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जाँच में 2013-14, 2014-15, 2015-16 और पीओआई की अवधि

शामिल है।

17. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6 (6) के अनुसार, प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षों को 28 नवंबर, 2017 को सुनवाई में मौखिक रूप से अपने विचार पेश करने का अवसर प्रदान किया। बाद में मौखिक सुनवाई में भाग लेने वाले सभी पक्षों से मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों की लिखित प्रस्तुतियाँ देने का निदेश दिया गया। पक्षों को प्रतिवादी पक्षों द्वारा व्यक्त विचारों की प्रतियाँ एकत्र करने के लिए और उनके खंडन पेश करने की सलाह दी गई।

18. वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआई एंड एस) से जाँच अवधि समेत विगत तीन वर्षों के लिए संबद्ध वस्तु के आयातों के व्योरे की व्यवस्था करने का अनुरोध किया गया था, जो प्राधिकारी को प्राप्त हुए। प्राधिकारी ने क्षति विश्लेषण के लिए आयातों की मात्रा और मूल्य की गणना के लिए डीसीआईएंडएस के आंकड़ों पर भरोसा किया है।

19. जांच के दौरान, यह पाया गया कि मलेशिया से आयात कम हो गया है, इसलिए, प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से कुल आयात में इसके हिस्से की गणना के समय मलेशिया से आयात की मात्रा को अलग रखा है। मलेशिया से अपाटित आयात को देखते हुए, प्राधिकारी ने मलेशिया के खिलाफ जांच को समाप्त कर दिया है। इसे देखते हुए, मलेशिया से आयात की मात्रा को पाटन और क्षति विश्लेषण के उद्देश्य से नहीं लिया गया है इसलिए, इस जांच में चीन जन. गण., इंडोनेशिया और यूरोपीय संघ अब संबद्ध देशों में शामिल हैं।

20. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रकटन विवरण संबंधी टिप्पणियों की जांच के आधार पर विचाराधीन उत्पाद को "वीनीर्ड इंजीनियर्ड वूडन फ्लोरिंग" बनाया गया है जिसकी विशेष रूप से लकड़ी की तीन परतें हैं अर्थात् "टॉप लेयर", "मिडिल लेयर" और "बॉटम लेयर" हैं। टॉप लेयर वास्तविक लकड़ी है जो आकर्षक लगती है (अपने कास्ट ढांचे के कारण) और उसमें समग्र निर्माण के लिए अतिरिक्त ताकत है। इसे लकड़ी की एक पट्टी, लकड़ी की दो पट्टियों और लकड़ी की तीन पट्टियों का बनाया जा सकता है। मिडिल लेयर, जो कि समग्र निर्माण का मुख्य भाग बनाता है और इसे "फाइबर बोर्ड (एमडीएफ/एचडीएफ)" का बनाया जा सकता है। बॉटम लेयर वास्तविक लकड़ी होती है जो समग्र निर्माण को सहायता प्रदान करती है। विचाराधीन उत्पाद दो या तीन परतों का भी हो सकता है। तदनुसार, संबद्ध देशों से आयात की मात्रा को इन जांच परिणामों में पाटन एवं क्षति विश्लेषण दोनों के निर्धारण के लिए माना गया है।

21. हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोधों पर प्राधिकारी द्वारा उन्हें संगत समझी गई सीमा तक इस अंतिम जाँच परिणाम में विचार किया गया है।

22. ऐसे निर्यातक, विदेशी उत्पादक और अन्य हितबद्ध पक्ष जिन्होंने न तो प्राधिकारी को उत्तर दिया है और न ही इस जाँच से संगत सूचना प्रस्तुत की है, उन्हें असहयोगी हितबद्ध पक्ष माना गया है।

23. इस अंतिम जाँच परिणाम में \*\*\* किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना तथा नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा इस प्रकार से विचार किये जाने का द्योतक है।

24. पीओआई के लिए अमरीकी डालर को रुपये में परिवर्तित करने के लिए सीमाशुल्क आंकड़ों के अनुसार 67.50 रुपये मानी गई है।

#### **ख. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु**

##### **घरेलू उद्योग के अनुरोध**

25. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :

- i. वर्तमान याचिका में विचाराधीन उत्पाद विनियर्ड इंजीनियर्ड वुडेन फ्लोरिंग है, जिसमें लकड़ी से नहीं बनीं लेमिनेटेड फ्लोरिंग, फ्लोरिंग, विनियर्ड शीर्ष लेयर और ठोस वुड फ्लोरिंग से अलग फ्लोरिंग शामिल नहीं है।
- ii. लकड़ी के फर्श में आम तौर पर तीन परतें होती हैं, अर्थात् "टॉप लेयर", "मिडिल लेयर" और "बॉटम लेयर" - (क) शीर्ष परत असली लकड़ी की होती है जो (इसकी लकड़ी की बनावट के कारण) आकर्षक रूप और समग्र निर्माण के लिए अतिरिक्त ताकत देता है। इसे लकड़ी का 1 स्ट्रिप्स, 2 स्ट्रिप्स आफ वुड या 3 स्ट्रिप्स ऑफ वुड से बनाया जा सकता है; (ख) मध्यवर्ती परत वास्तविक लकड़ी होती है, जो समग्र निर्माण का मूल होती है। यह या तो "ठोस लकड़ी" या "फाइबर बोर्ड" से निर्मित हो सकती है और (ग) नीचे की परत असली लकड़ी की होती है जो समग्र निर्माण को आधार प्रदान करती है।
- iii. शीर्ष परत हमेशा 1/2/3 स्ट्रिप्स का विनियर होता है। मध्यम और नीचे की परत प्राकृतिक/वास्तविक लकड़ी या इंजीनियर लकड़ी, जैसे ठोस लकड़ी, फाइबर बोर्ड (एमडीएफ या एचडीएफ सहित), पाइन, प्लाईवुड, रबड़ की लकड़ी या बांस के रूप में हो सकती है।
- iv. हालांकि, पीयूसी का दो परत उत्पाद के रूप में भी उत्पादन और बेचा जा सकता है और पीयूसी पर इनले काम हो सकता है। हालांकि, "इनले वर्क्स" विवरण वाले उत्पादों के कोई आयात नहीं हुए थे। इसके अलावा, 2 और 3 लेयर आयात का 98% हिस्सा है।
- v. विनियर्ड इंजीनियर्ड लकड़ी का फर्श एक लकड़ी का वास्तविक उत्पाद है। लकड़ी की ऊपरी परत में विनियर 0.6 मिमी से 6 मिमी की मोटाई का होता है। हालांकि, सबसे लोकप्रिय मोटाई 0.6 मिमी से 3 मिमी तक की होती है जो कुल आयात का 93% हिस्सा है।
- vi. कुल मिलाकर बोर्ड की मोटाई 8 मिमी से 25 मिमी तक होती है जबकि सबसे लोकप्रिय मोटाई 10 मिमी से 15 मिमी होती है, जो आयातों का लगभग 85% हिस्सा है। इसकी गुणक संरचना के कारण इंजीनियर्ड लकड़ी का फर्श ठोस लकड़ी से अधिक उपयुक्त है और तापमान और आर्द्रता में बदलाव के साथ सिकुड़ने और विस्तार करने के लिए कम संवेदनशील होता है।
- vii. संबंधित उत्पाद में लकड़ी की दो या अधिक परतें शामिल हैं, जो एक प्लैंक बनाने के लिए एक साथ जोड़ी जाती हैं। इसमें आम तौर

- पर सस्ती लकड़ी, एचडीएफ या प्लाईवुड से बने कोर से निर्मित अधिक महंगी हार्डवुड की पतली परत (लामेला) का उपयोग होता है।
- viii. पीयूसी की चौड़ाई और लंबाई के लिए सबसे अधिक बार इस्तेमाल किया जाने वाला आयाम क्रमशः 200 मिमी से 210 मिमी और 1000 मिमी से 2420 मिमी है। हालांकि, सामान्य में लंबाई 490 मिमी से 2500 के बीच हो सकती है।
- ix. 2420 तक की लंबाई लगभग कुल आयत से वस्तुतः बराबर है और 100-210 की चौड़ाई आयतों का 92% हिस्सा है।
- x. लेमिनेटेड फ्लोरिंग जिसे पीयूसी के दायरे से बाहर रखा गया है, एक बहु-परत सिंथेटिक फर्श उत्पाद है जो एक लैमिनेशन प्रक्रिया के साथ जुड़ा हुआ है।
- xi. हार्डवुड फ्लोरिंग (ठोस लकड़ी का फर्श), जिसे भी पीयूसी के दायरे से बाहर रखा गया है, भी लकड़ी के एक टुकड़े से मिल्ड प्लैंक्स से निर्मित होता है। इस फर्श में एक मोटी बियर सतह होती है।
- xii. फ्लोरिंग जो लकड़ी से निर्मित नहीं हैं उन्हें पीयूसी के दायरे से बाहर रखा गया है। आमतौर पर, पत्थरों (प्राकृतिक/इंजीनियर्ड), ठोस, टाइलें, लचीला फर्श जैसे वीनाइल, लिनोलियम रबड़, पॉलिमर, लचीला फर्श - कालीन, कालीन, उच्च दबाव लेमिनेट, कॉम्पैक्ट लेमिनेट और कांच को लकड़ी की फ्लोरिंग नहीं माना जाता है।
- xiii. फ्लोरिंग जिनमें ऊपरी परत के रूप में विनियर नहीं हैं वे वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ पीयूसी के दायरे से बाहर हैं।
- xiv. (क) इंजीनियर्ड वुडेन फ्लोरिंग जिसमें प्लाईवुड आधार के रूप में होता है और (ख) विनियर्ड इंजीनियर्ड वुडेन फ्लोरिंग जिसमें फाइबर बोर्ड के बजाय असली लकड़ी मूल (या मध्य स्तर) में होती है को जाँच से बाहर रखने के संबंध में हितबद्ध पक्षों में से एक के तर्क के संबंध में, घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि वह प्लाईवुड के आधार वाली संबद्ध वस्तु का उत्पादन करता है। संबंधित उत्पाद की मध्य परत भी ठोस लकड़ी, फाइबर बोर्ड (एमडीएफ और एचडीएफ सहित), पाइन, प्लाईवुड, रबड़ वुड, बांस, आदि की हो सकती है।
- xv. चूंकि वह संबद्ध वस्तु का एक नया उत्पादक है, इसलिए उसने उत्पाद के सभी प्रकारों का उत्पादन नहीं किया है। याचिकाकर्ता ने पीयूसी के उन प्रकारों पर अपने उत्पादन का ध्यान केंद्रित किया है, जिनकी बाजार की मांग में अधिकता है, इस पर विचार करते हुए कि याचिकाकर्ता भी इन प्रकारों के बारे में भी पूरी तरह से स्थापित नहीं हो पाए हैं। पीयूसी किस्मों की मांग याचिकाकर्ता द्वारा बेची नहीं है केवल याचिकाकर्ता के उत्पाद के लिए बाजार की मांग और इन प्रकारों के लिए कम बाजार की वजह से है।
- xvi. घरेलू उद्योग ने संबंधित उत्पाद के नमूनों का उत्पादन किया है जिसमें इनले कार्य हुआ है।
- xvii. घरेलू उद्योग ने जांच के दौरान 180 मिमी से अधिक की चौड़ाई, 2100 मिमी से अधिक की लंबाई और 14 मिमी से अधिक की मोटाई वाले उत्पाद का उत्पादन किया है। संबंधित साक्ष्यों को रिकॉर्ड में रखा गया था।
- xviii. याचिकाकर्ता पहले से ही निम्नलिखित उत्पाद प्रकारों का उत्पादन कर चुका है जिसके लिए याचिकाकर्ता को कोई बाजार की मांग नहीं मिली है और इसलिए मांग के अभाव में बाजार में इन प्रकारों को बेचने में सक्षम नहीं रहा है। याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादन के संगत दस्तावेजी साक्ष्य प्रदान किए गए हैं:
- क) 4 मिमी शीर्ष परत, पाइन वुड - मिडिल परत 15 x 135 x 2100 मिमी
- ख) 5 मिमी शीर्ष परत, पाइन वुड - मिडिल परत 16 x 135 x 2100 मिमी
- ग) 3 मिमी शीर्ष परत, प्लाई वुड - मध्यम परत 14 x 135 x 2100 मिमी
- घ) 3 मिमी शीर्ष परत, पाइन वुड - मध्य स्तर 15 x 300 x 2400 मिमी
- ङ) 6 मिमी शीर्ष परत, पाइन वुड - मध्यम परत 18 x 135 x 2400 मिमी
- च) 6 मिमी शीर्ष परत, प्लाई वुड - मध्यम परत 18 x 135 x 2400 मिमी
- छ) 6 मिमी शीर्ष परत, पाइन वुड - मध्यम परत 24 x 135 x 2400 मिमी
- ज) 6 मिमी शीर्ष परत, प्लाई वुड - मध्यम परत 24 x 135 x 2400 मिमी
- झ) डिजाइन / इनले पारकेट 13 x 380 x 380 मिमी
- xix. घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि हालांकि संबद्ध वस्तुएं कुछ मानक आकारों में उत्पादित की और बेची जाती हैं लेकिन ग्राहक की आवश्यकता के मुताबिक उत्पादन किया जा सकता है और यह कि याचिकाकर्ता अब तक उत्पाद का वह प्रकार तैयार कर सकता है, जो कि मांग के लगभग 70-80% है। देश में उत्पाद की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए, यह स्पष्ट है कि कुछ मानक "रनिंग" आकार हैं और कभी-कभी उपभोक्ताओं को विशिष्ट प्रकार की आवश्यकता होती है मांग के आधार पर विशिष्ट प्रकार का उत्पादन किया जाता है।
- xx. इसमें शामिल उत्पाद प्रकारों की बड़ी संख्या को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी से उत्पाद प्रकार के नमूने लेने का अनुरोध किया जाता है। उत्पाद की विभिन्न मोटाई, विनियर मोटाई, लंबाई, चौड़ाई, विनियर किस्म, पीयूसी के अनेक प्रकार हैं। हालांकि, पीयूसी के लिए कुछ चुनिंदा किस्में पीयूसी के लिए अधिकांश मांग रखते हैं।

	लोकप्रिय/अधिक प्रयोग किया जाने वाला आयाम	
	न्यूनतम	अधिकतम
फ्लोरिंग की मोटाई	10	15
टाप लेयर की मोटाई	0.6	3
चौड़ाई	100	210
लम्बाई	1000	2420
परतों की संख्या	2	3

- xxi. ग्रीनलैम किसी भी किस्म की लकड़ी से बाजार में आवश्यक किसी भी मोटाई की टाप लेयर का उत्पादन कर सकता है।
- xxii. यह आवश्यक नहीं है कि याचिकाकर्ता अपने कैटलॉग या वेबसाइटों में सभी उत्पाद प्रकारों का संपूर्ण ब्यौरा प्रदान करे। कैटलॉग या वेबसाइटें केवल लोकप्रिय उत्पाद श्रृंखला को प्रदर्शित करता है।
- xxiii. विनियर और पारकेट के बंडल के बारे में एक हितबद्ध पक्ष की दलील के संबंध में, घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि यह सिद्ध करने के लिए कोई भी सत्यापन योग्य जानकारी नहीं दी गई है कि कथित अंतर उत्पादन की लागत का उस सीमा तक अंतर है जिसकी वजह से इसे एक श्रेणी में नहीं रखा जा सकता है। यह न्यायोचित ढंग से किया गया है और इसलिए, पीसीएन आधार पर अलग किया गया है।
- xxiv. संबद्ध वस्तु का मुख्य कार्य किसी मंजिल को या किसी अन्य सामग्री की सतह पर कवर करना है जो लकड़ी के जैसा दिखता है या दिखाई देता है। संबंधित वस्तुओं के विशिष्ट अनुप्रयोग घरों, कार्यालय, सम्मेलन हॉल, मॉल, शोरूम, इनडोर स्टेडियम, अस्पताल, डिपार्टमेंट स्टोर, सार्वजनिक भवन, होटल, बुटीक और रेस्तरां में होता है।
- xxv. हितबद्ध पक्षों में से एक की इस दलील के संबंध में कि आवेदक द्वारा नियोजित उत्पादन प्रक्रिया पारकेट उद्योग की तुलना में अलग है, घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया कि इस तर्क में कोई सच्चाई नहीं है और वह बिल्कुल समान है। फिर भी, याचिकाकर्ता के पास संयंत्र चलाने और पीयूसी का विनिर्माण करने के लिए अपेक्षित विभिन्न प्रमाणन अर्थात् एफएससी प्रमाणपत्र, आईएसओ 14001, पीईएफसी, आईएसओ 9001 और ओएचएसएस 18001: 2007 हैं। याचिकाकर्ता का उत्पाद आंतरिक परीक्षण के आधार पर यूरोपीय संघ मानकों को पूरा करता है।
- xxvi. एक हितबद्ध पक्ष की इस दलील के संबंध में कि याचिकाकर्ता केवल संघटकों को एकत्रित करता है और अंतिम उत्पाद तैयार करता है, घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि संबंधित उत्पाद 100-110 डिग्री सेल्सियस के तापमान पर कोर के शीर्ष पर एक लेमिनेट की परत लगभग 10-20 किग्रा/एम 2 के एक विशिष्ट दबाव में दबाकर बनाया जाता है। स्तरित फलक तब आवश्यक लंबाई और चौड़ाई के अनुसार आकार में काटा जाता है। इस प्रकार उत्पादित प्लैंक्स को तब केलिब्रेटिंग सेंडिंग से गुजारा जाता है और टीएंडजी या क्लिक और लॉक प्रोफाइल में प्रोफाइल किया जाता है और फिर घर्षण प्रतिरोध, खरोंच प्रतिरोध और प्रभाव प्रतिरोध जैसे दीर्घकालीन तैयारी और सतह प्रतिरोध विशेषताएं बनाने के लिए यूवी लाख के साथ लेपित होता है। लेपित प्लैंक्स को उसके बाद नालीदार बक्से में पैक किए जाते हैं और फिर थ्रिंक रेण्ड होते हैं और आवश्यकता के अनुसार ग्राहक को भेज दिया जाता है।
- xxvii. घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित संबद्ध वस्तु और भारत में आयात किए जाने वाली वस्तु में कोई अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित और भारत में आयातित विनियर्ड इंजीनियर्ड वुडेन फ्लोरिंग भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्यों और उपयोगों, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत निर्धारण, वितरण और विपणन और वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं की दृष्टि से तुलनीय हैं। दोनों तकनीकी और व्यावसायिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्ता इन दोनों का एक-दूसरे एक स्थान पर प्रयोग कर रहे हैं।
- xxviii. संबद्ध वस्तु को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 44 के अधीन उप-शीर्ष 44091010 और 44092990 के तहत वर्गीकृत किया जाता है। हालांकि, संबद्धवस्तु को निम्नलिखित सीमाशुल्क वर्गीकरण कोड: 44091090, 44092100, 44092910, 44129990, 44111300, 44111400, 44119219, 44119229, 44121000, 44123210, 44123290, 44129910, 44092990, 44182090, 44187100, 44187200, 44187900, 44189000, 44219070, 44219090 के अधीन भी आयात किया जा रहा है। सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और प्रस्तावित जांच के दायरे पर किसी भी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है। उत्पाद विवरण सभी परिस्थितियों में लागू होगा।



**अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोध**

26. अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा कोई अनुरोध नहीं किया गया है :

- (i) संबंधित उत्पाद की कीमत विनिर्माण प्रक्रिया, लकड़ी की गुणवत्ता, प्रसंस्करण, डिजाइनिंग, मोटाई और परिष्करण आदि के आधार पर भिन्न होती है।
- (ii) विनियर्स (2.5 मिमी शीर्ष लेयर से कम) और पारकेट (2.5 मिमी शीर्ष लेयर से अधिक) व्यावसायिक रूप से अलग होती है और इसे बंडल नहीं किया जा सकता है जैसा कि याचिकाकर्ता द्वारा किया गया है।
- (iii) याचिकाकर्ता सब कुछ विनियर इंजीनियर्ड प्लैंक्स के रूप में सामान्यीकृत कर रहा है और इसमें केवल तीन संग्रह का आबंटन है: एबरोर, प्रिस्टिन और एटॉमस जबकि उद्योग उत्पाद लाइन में प्लैंक्स, पैटर्न, हेरिंगबोन, आउटडोर वुड, शेवरोन, इनलेज़ आदि शामिल हैं।
- (iv) मुख्य आयातित उत्पाद बर्च वुड या 7-9 मिमी प्लाई को एक साथ चिपकाया जाता है और याचिकाकर्ता मध्यम घनत्व फाइबर बोर्ड या पाइन है।
- (v) आयातित उत्पादों के नीचे की परत बर्च या फर है और याचिकाकर्ता का सामान्य प्लाई या एमडीएफ है।
- (vi) याचिकाकर्ता की उत्पादन प्रक्रिया पारकेट उद्योग से पूरी तरह से अलग है।
- (vii) अन्य लोगों की तुलना में याचिकाकर्ता के सीमित प्रमाणपत्र हैं, जो गुणवत्ता पर और कीमतों पर भी प्रभाव डालता है। इसलिए, विनियर और पारकेट की बंडलिंग अनुचित है।
- (viii) याचिकाकर्ता द्वारा उपयोग किए गए आयात आकड़ों को संकलित करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली पद्धति के अनुसार, उसने स्वयं निम्न के लिए उत्पाद बहिष्करण की मांग की है (क) इंजीनियर्ड वुडेन फ्लोरिंग जिसका आधार प्लाईवुड हो और (ख) विनियर्ड इंजीनियर्ड वुडेन फ्लोरिंग जिसमें वास्तविक लकड़ी कोर (या मध्य स्तर) में होती है और न कि फाइबर बोर्ड, इसे उचित रूप से अंतिम जॉच परिणामों में परिलक्षित होना चाहिए।
- (ix) डिज़ाइन किए गए उत्पादों जिनमें विशिष्ट मशीनरी (इनले उत्पादों) की आवश्यकता होती है, जिनकी चौड़ाई 180 मिमी से अधिक है, 2100 मिमी से अधिक की लंबाई और 14 मिमी से अधिक की मोटाई है, को भी मौजूदा जांच के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए क्योंकि ऐसे उत्पाद घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित नहीं होते हैं या पीओआई के दौरान उनके द्वारा निर्मित नहीं थे।
- (x) याचिकाकर्ता द्वारा वास्तव में उत्पादित उत्पाद और विनिर्मित होने का दावा किए गए उत्पाद पूरी तरह से अलग हैं। यह केवल इसकी कैटेलाॅग के अनुसार एक विशिष्ट आकार, शैली और आयाम के अनुसार उत्पाद बनाता है।
- (xi) वस्तुएं की प्रकृति विषम हैं और अंतिम उपयोगकर्ताओं को विभिन्न आकारों, आयामों, बनावट और घटक सामग्री के इस्तेमाल के लिए उपलब्ध हैं।
- (xii) टाप लेयर को किसी भी प्रकार और किसी भी मोटाई की लकड़ी से बनाया जा सकता है परंतु यह याचिकाकर्ता द्वारा प्रदान नहीं किया जा सकता है।
- (xiii) याचिकाकर्ता द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तु में टाप लेयर/विनियर लेयर की मोटाई या तो 3 मिमी और/या 0.6 मिमी है, जबकि आयातित उत्पाद किसी भी मोटाई का हो सकता है।
- (xiv) आयात की गई संबद्ध वस्तु अद्वितीय विनिर्देशनों के हैं जैसे टाप लेयर की मोटाई 2 मिमी से 6 मिमी आदि तक हो सकती है, या संबद्ध वस्तु की पूरी मोटाई कहीं भी 10 से 24 मिमी के बीच हो सकती है, विभिन्न लंबाई में चौड़ाई 75 मिमी के साथ 300 मिमी तक हो सकती है और इस तरह के विनिर्देशनों को याचिकाकर्ता द्वारा प्रदान नहीं किया जा सकता है।
- (xv) याचिकाकर्ता केवल पाइन कोर और एचडीएफ को अपनी मध्यम परत के रूप में उपयोग करता है और बहुपरत प्लाई का उपयोग नहीं करता है। आयातित सामान लकड़ी की अन्य विभिन्न किस्मों के हैं।
- (xvi) आयातित और याचिकाकर्ता द्वारा निर्मित संबद्ध वस्तु अलग-अलग हैं और ये समान उत्पादों के दायरे में नहीं आते हैं।

- (xvii) याचिकाकर्ता द्वारा अपनाई जाने वाली प्रक्रिया एक है जिसके तहत यह केवल घटकों को एसेम्बल करता है और अंतिम उत्पाद तैयार करता है।
- (xviii) घरेलू उद्योग विचाराधीन उत्पाद का दायरा बढ़ाने के लिए दुर्भाविनापूर्ण तरीके से कोशिश कर रहा है। यह अनुरोध किया जाता है कि विचाराधीन उत्पाद का दायरा प्राधिकारी द्वारा घरेलू उद्योग द्वारा दायर लिखित आवेदन पत्र के आधार पर निर्धारित किया जाता है।

### **प्राधिकारी द्वारा जाँच**

27. विचाराधीन उत्पाद निम्नलिखित प्रकार के फ्लोरिंग को छोड़कर "विनियर्ड इंजीनियर्ड वुडेन फ्लोरिंग" है :

क. लेमिनेटेड फ्लोरिंग

ख. लकड़ी से नहीं बना फ्लोरिंग,

ग. फ्लोरिंग जिसमें विनियर्ड टाप लेयर न हो,

घ. ठोस लकड़ी के फर्श

28. विनियर्ड इंजीनियर्ड वुडेन फ्लोरिंग में आमतौर पर लकड़ी की तीन परतें होती हैं "शीर्ष परत", "मध्य परत" और "नीचे की परत"। शीर्ष परत असली लकड़ी की होती है जो (इसकी लकड़ी की बनावट के कारण) आकर्षक रूप और समग्र निर्माण के लिए अतिरिक्त ताकत देता है। इसे लकड़ी का 1 स्ट्रिप, 2 स्ट्रिप्स आफ वुड या 3 स्ट्रिप्स ऑफ वुड से बनाया जा सकता है। मध्यवर्ती परत वास्तविक लकड़ी होती है, जो समग्र निर्माण का मूल होती है। यह या तो "ठोस लकड़ी" या "फाइबर बोर्ड" (एमडीएफ/एचडीएफ) से निर्मित हो सकती है। नीचे की परत असली लकड़ी की होती है जो समग्र निर्माण को आधार प्रदान करती है। पीयूसी हालांकि दो या तीन परतों का भी हो सकता है।

29. विनियर्ड इंजीनियर्ड वुडेन फ्लोरिंग लकड़ी का उत्पाद है। लकड़ी के ऊपर की परत 0.5 मिमी से 6 मिमी मोटाई तक को विनियर रेंज कहा जाता है। कुल मिलाकर बोर्ड की मोटाई 8 मिमी से 25 मिमी तक होती है। इसकी गुणक संरचना के कारण इंजीनियर्ड वुड फ्लोरिंग ठोस लकड़ी से अधिक उपयुक्त होते हैं और तापमान और आर्द्रता में बदलाव के साथ सिकुड़ने और विस्तार करने के प्रति कम संवेदनशील होते हैं।

30. पीयूसी सामान्य रूप से कुछ मानक आकारों और विशिष्टताओं में उत्पादित किया और बेचा जाता है। हालांकि, ग्राहक की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए यह विभिन्न आकारों में उत्पादित किया जा सकता है। विभिन्न उत्पाद प्रकारों को अलग-अलग आकारों (विनियर मोटाई, बोर्ड मोटाई, लंबाई, चौड़ाई) और लकड़ी (पाइन, ओक, सागौन, अखरोट आदि) के विनिर्देशों के आधार पर वर्गीकृत किया जा सकता है।

31. इनले कार्य वाले उत्पादों को जाँच से बाहर करने के बारे में हितबद्ध पक्षों के तर्क के संबंध में, प्राधिकारी का विचार है कि आयात आकड़े विशेष रूप से इस प्रकार के उत्पाद का आयात नहीं दिखाते हैं। याचिकाकर्ता देश में पीयूसी का एक नया उत्पादक है और स्वयं को बाजार में स्थापित कर रहा है। घरेलू उद्योग, एक नया उद्योग होने के कारण उत्पादित विनियर्ड इंजीनियर्ड वुडेन फ्लोरिंग के भीतर आने वाले प्रत्येक प्रकार के उत्पाद का उत्पादन नहीं करता है बल्कि मांग के अनुसार उत्पाद का उत्पादन करता है।

32. हितबद्ध पक्षों के के इस तर्क कि 180 मिमी से अधिक की चौड़ाई, 2100 मिमी से अधिक की लंबाई और 14 मिमी से अधिक की मोटाई वाले उत्पादों को जाँच से बाहर रखा जाए के संबंध में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने जाँच की अवधि में इन उत्पादों का उत्पादन किया है और उसके पास मांग और उपभोक्ता की आवश्यकता के अनुसार सभी अपेक्षित आकारों के उत्पादन की प्रौद्योगिकी है। चूंकि यह अनुकूलित उत्पाद है, इसलिए उत्पादक उत्पाद की उभरती मांग के आधार पर मोटाई और चौड़ाई के साथ सभी तरह के आकारों की मांग को पूरा करने की स्थिति में है। हितबद्ध पक्षों द्वारा उठाए गए मुद्दों की जाँच के आधार पर, यह पाया जाता है कि याचिकाकर्ता के नए उत्पादक होने और घरेलू उद्योग द्वारा उपयोग की जा रही तकनीक विदेशी उत्पादकों के समान होने जिससे वह किसी भी प्रकार के लकड़ी के फर्श का उत्पादन करने की स्थिति में है, इस तरह के अकेले आकारों के आधार पर जाँच से बाहर किया जाना उचित और उपयुक्त नहीं हो सकता है। आगे यह नोट किया गया है कि हितबद्ध पक्षों में से किसी ने भी प्राधिकारी द्वारा जाँच शुरूआत के समय किए गए अन्यथा अपवर्जन के अलावा जाँच से बाहर करने की मांग को तथ्य से सिद्ध नहीं किया है।

33. प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस मानने का कोई कारण और सबूत नहीं है कि यदि अलग-अलग आयामों के साथ उत्पाद का उत्पादन करने की आवश्यकता हो तो विभिन्न आयामों वाले संबद्ध उत्पाद घरेलू उद्योगों द्वारा अपनी मौजूदा सुविधाओं के साथ नहीं बनाये जा सकते हैं। विभिन्न प्रकार लकड़ियों और आयाम के साथ उत्पादों का उत्पादन करने के लिए मौजूदा सुविधाओं के अतिरिक्त कोई अतिरिक्त विनिर्माण सुविधाएं जोड़ने की आवश्यकता नहीं है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की मौजूदा विनिर्माण स्थिति यह प्रदर्शित नहीं करती है कि घरेलू उद्योग विभिन्न वस्तुओं या लकड़ी के विभिन्न प्रकारों के साथ वाणिज्यिक रूप से संबद्ध वस्तु का उत्पादन करने में सक्षम नहीं है। बाजार की आवश्यकता के अनुसार उत्पाद अनुकूल बनाए जा सकते हैं और घरेलू उद्योग भविष्य में संबद्ध उत्पादों

की आपूर्ति करने में सक्षम है, जब उनका आर्डर दिया जाए और उचित प्रतिस्पर्धा सिद्ध हो। याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित उत्पाद संबद्ध देशों से भारत में आयातित की जा रही संबद्ध वस्तु से समान वस्तु है।

34. यह ध्यान देने योग्य है कि कानून के तहत, घरेलू उद्योग के लिए आयातित उत्पाद को के समान वस्तु का उत्पादन करना और बिक्री अपेक्षित है। नियमावली के नियम 2 (घ) के अनुसार, एक उत्पाद जिसकी विशेषताएं जाँच के अधीन वस्तु से मिलती-जुलती हों, समान उत्पाद होता है। घरेलू उद्योग से एक समान उत्पाद की अनुपस्थिति का मतलब यह नहीं है कि उक्त किस्म को पीयूसी के दायरे से बाहर रखा जाए।

35. उत्पाद की विविधता को देखते हुए प्राधिकारी नोट करते हैं कि पीयूसी एक "विनियर्ड इंजीनियर्ड वुडेन फ्लोरिंग " है और एक ऐसा फर्श है जिसकी ऊपर की परत एक विनियर या लकड़ी है और मध्य परत प्राकृतिक लकड़ी या इंजीनियर्ड लकड़ी की हो सकती है (एचडीएफ/एमडीएफ)। इसके अलावा, उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं के आधार पर, इसे विभिन्न विनियर में, मोटाई (बोर्ड या विनियर), लंबाई, चौड़ाई, आदि में उत्पादित किया जा सकता है। तथापि, पीयूसी के विभिन्न प्रकारों में ये अंतर, पीयूसी को एक विषम उत्पाद के रूप में प्रस्तुत नहीं करते हैं और यह कि वह असमान उत्पादन नहीं है। तथापि, विभिन्न लागतों और परिणामी मूल्यों वाले विभिन्न प्रकारों पर विचार करते हुए, प्राधिकारी ने एक पीसीएन प्रणाली तैयार की, जिसे 28 जुलाई 2017 के पत्र द्वारा सभी हितवद्ध पक्षों को सूचित किया गया। जांच के दौरान प्राधिकारी ने विभिन्न प्रकारों को निम्नलिखित पीसीएन प्रणाली के आधार पर अलग-अलग किया ताकि पाटन और क्षति विश्लेषण के निर्धारण प्रयोजनार्थ उचित तुलना सुनिश्चित की जा सके।

मापदंड		पीसीएन अंक	स्पष्टीकरण		
<b>1) मोटाई बोर्ड</b>		XXX	प्रत्येक मोटाई, वास्तविक मोटाईके लिए प्रयुक्त बोर्ड की मोटाई को पीसीएन में प्रयोग किया जा सकता है		
क्र.सं.	मोटाई	कोड	क्र.सं.	मोटाई	कोड
1	8.00	080	17	14.20	142
2	9.00	090	18	14.50	145
3	9.50	095	19	15.00	150
4	9.80	098	20	16.00	160
5	10.00	100	21	17.00	170
6	10.20	102	22	17.50	175
7	10.50	105	23	18.00	180
8	10.60	106	24	19.00	190
9	11.00	110	25	19.50	195
10	11.50	115	26	20.00	200
11	12.00	120	27	20.50	205
12	12.50	125	28	21.00	210
13	12.70	127	29	22.00	220
14	13.00	130	30	22.50	225
15	13.50	135	31	24.00	240
16	14.00	140	32	25.00	250

2. लकड़ी (किस्म)		XX	लकड़ी के प्रत्येक प्रकार के लिए प्रयुक्त वुड/किस्म का प्रकार, परिभाषित करने के लिए दो अद्वितीय शब्द प्रयुक्त किए जाएंगे		
क्र.सं.	लकड़ी की किस्म	कोड	क्र.सं.	लकड़ी की किस्म	कोड
1	ओक	ओके	25	एलिग्रो	एएल
2	वालनट	डब्लूए	26	चेरी	सीएच
3	बांस	बीओ	27	ब्लेक	बीएल
4	कायु कुकु	केके	28	एबोनी	ईबी
5	टीक	टीके	29	एल्म	ईएल
6	मैपल	एमए	30	हेमबर्गर	एचए
7	मरबू	एमई	31	हिकोरी	एचआई
8	जटोबा	जेए	32	जर्ह	जेएच
9	बीच	बीई	33	ज्यूपिटर	जेयू
10	सेपेले	एसए	34	कोस्सो	केओ
11	कंपोजिट	सीओ	35	लापाचो	एलओ
12	एकासिआ	एसी	36	लार्च	एलए
13	सुकुपिरा	एसयू	37	मोनपर	एमओ
14	बीच सिलवाकेट	बीएस	38	मस्टरफेशर	एमयू
15	हेवी	एचई	39	पारकेट	पीए
16	एश	एएस	40	पाइन	पीआई
17	डौजी	डीओ	41	रेड बीच	आरबी
18	महोगेनी	एमजी	42	रोजवुड	आरडब्लू
19	इरोको	आईआर	43	संटोस	एसएन
20	हेरिंगबोन	एचबी	44	साँ वाइट	एसडब्लू
21	बर्च	बीआई	45	टेरा	टीई
22	एंटीक केरापैथिअंस	एएन	46	टाइगर वुड	टीडब्लू
23	वेंगे	डब्लूई	47	यूनिका	यूएन
24	स्मोक्ड	एसएम	48	अन्य (कृ. विवरण दें)	ओटी

36. यद्यपि प्राधिकारी पीयूसी पर विचार-विमर्श करते हुए यह नोट करते हैं कि इस जांच में विचाराधीन उत्पाद उत्पादित विनियर्ड इंजीनियर्ड वुडेन फ्लोरिंग हैं और निम्नलिखित पीयूसी के दायरे से बाहर हैं,

- (i) लेमिनेटेड या लेमिनेट फ्लोरिंग जिसकी टाप लेयर न तो विनियर है और न ही लकड़ी है।
- (ii) फ्लोरिंग जिसमें किसी भी रूप में लकड़ी शामिल नहीं होती है और जिसमें लकड़ी के अलावा अन्य सामग्री होती है।
- (iii) फ्लोरिंग जिसमें ऊपरी परत के रूप में विनियर्ड या बांस या सजावटी इनलेज़ न हो, वे भी पीयूसी के दायरे से बाहर हैं। सजावटी इनलेज़ विनियर पर किए जाते हैं और इसलिए विनियर पर सजावटी इनलेज़ वाले फ्लोरिंग पीयूसी के दायरे के भीतर हैं। तथापि, विनियर से इतर किसी अन्य उत्पाद पर सजावटी इनलेज़ वाले फर्श पीयूसी के दायरे से बाहर हैं।
- (iv) एकल ब्लॉक / परत ठोस लकड़ी के फर्श में शीर्ष पर विनियर नहीं होता है, इस प्रकार, ऐसे फर्श पीयूसी के दायरे से बाहर हैं।

37. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रकटन विवरण संबंधी टिप्पणियों की जांच के आधार पर विचाराधीन उत्पाद को "वीनीर्ड इंजीनियर्ड वूडन फ्लोरिंग" बनाया गया है जिसकी विशेष रूप से लकड़ी की तीन परतें हैं अर्थात् "टॉप लेयर", "मिडिल लेयर" और "बॉटम लेयर" हैं। टॉप लेयर वास्तविक लकड़ी है जो आकर्षक लगती है (अपने कास्ट ढांचे के कारण) और उसमें समग्र निर्माण के लिए अतिरिक्त ताकत है। इसे लकड़ी की एक पट्टी, लकड़ी की दो पट्टियों और लकड़ी की तीन पट्टियों का बनाया जा सकता है। मिडिल लेयर, जो कि समग्र निर्माण का मुख्य भाग बनाता है और इसे "फाइबर बोर्ड (एमडीएफ/एचडीएफ)" का बनाया जा सकता है। बॉटम लेयर वास्तविक लकड़ी होती है जो समग्र निर्माण को सहायता प्रदान करती है। विचाराधीन उत्पाद दो या तीन परतों का भी हो सकता है। तदनुसार, संबद्ध देशों से आयात की मात्रा को इन जांच परिणामों में पाटन एवं क्षति विश्लेषण दोनों के निर्धारण के लिए माना गया है।

#### **ग. घरेलू उद्योग का दायरा और योग्यता**

38. पाटन रोधी नियमावली का नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है:-

"(ख) 'घरेलू उद्योग' का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से हैं जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में 'घरेलू उद्योग' पद का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।

39. यह आवेदन ग्रीनलैम इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा दायर किया गया है जो देश में संबद्ध वस्तु के एकमात्र उत्पादक हैं।

#### **घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध**

40. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध निम्नानुसार हैं :

- i. याचिकाकर्ता भारत में संबद्ध वस्तुओं का एकमात्र उत्पादक है, इसलिए, याचिकाकर्ता अकेले नियमों के अनुसार संबद्ध वस्तु के भारतीय उत्पादन के प्रमुख हिस्से का उत्पादन करता है।
- ii. याचिकाकर्ता ने स्वीडन से संबंधित उत्पाद का मामूली मात्रा आयात किया है जो भारत में दर्ज किए जाने वाले कुल आयात के 0.33%, भारत में मांग की 0.27%, याचिकाकर्ता (एक पाली) की क्षमता का 0.37% और उत्पादन का 1.76% है।
- iii. याचिकाकर्ता संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के किसी भी निर्यातक या उत्पादक से संबंधित नहीं है।
- iv. याचिकाकर्ता के पास नियमों के अर्थ के भीतर पर्याप्त योग्यता है और वह घरेलू उद्योग है।

#### **अन्य हितबद्ध पक्षों के अनुरोध**

41. विरोधी हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोध निम्नानुसार हैं :

- i. याचिकाकर्ता को स्वीडन से आयातक होने के कारण घरेलू उद्योग नहीं माना जा सकता है।

#### **प्राधिकारी द्वारा जाँच**

42. वर्तमान आवेदन मैसर्स ग्रीनलैम इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा दायर किया गया था, जो विचाराधीन उत्पाद का एकमात्र घरेलू उत्पादक है और उसने पाटनरोधी जांच में विस्तृत जानकारी प्रदान की थी। प्राधिकारी ने जाँच शुरूआत के स्तर पर निर्धारित किया है कि याचिकाकर्ता, संबद्ध वस्तु का एकमात्र उत्पादक है, नियमों के तहत योग्यता की आवश्यकता को पूरा करता है और याचिकाकर्ता नियमों के अर्थ के अंतर्गत घरेलू उद्योग का गठन करता है।

43. घरेलू उद्योग द्वारा आयात किए जाने के संबंध में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षों का तर्क किसी भी योग्यता से रहित है क्योंकि आवेदक द्वारा किए गए आयात 1229 वर्गमीटर की सीमा तक के बाजार आकार की तुलना में काफी कम है 461,45 9 एसक्यूएम.

44. अकेले याचिकाकर्ता का उत्पादन 100% भारतीय उत्पादन का गठन करता है। तदनुसार, कानूनी प्रावधानों और मामले के तथ्यों की सावधानीपूर्वक जांच के बाद, प्राधिकरण का मानना है कि आवेदक पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (ख) के अर्थ के भीतर पात्र घरेलू उद्योग का गठन करता है और संबंधित नियमावली के नियम 5 (3) के अनुसार आवेदन योग्यता संबंधी मानदंडों को पूरा करता है।

#### **घ. गोपनीयता से संबंधित मुद्दे**

##### **घरेलू उद्योगों द्वारा किए गए अनुरोध**

45. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध निम्नानुसार हैं :

- i. याचिकाकर्ता केवल ऐसी सूचना के गोपनीय होने का दावा किया है जिसकी गोपनीयता की नियमों के अधीन और प्राधिकारी की संगत प्रक्रिया के अधीन अनुमति है।
- ii. याचिकाकर्ता ने आवेदन का अगोपनीय अंश पर्याप्त ब्योरे के साथ उपलब्ध कराया है। किसी भी हितबद्ध पक्ष ने ऐसी किसी सूचना को नहीं बताया है जिसके गोपनीय होने का दावा किया गया हो और नियमों के अधीन गोपनीयता न्यायोचित न हो।
- iii. परियोजना रिपोर्ट जैसी सूचना व्यवसायिक रूप से काफी संवेदनशील दस्तावेज होता है और उसे अन्य पक्षों को प्रकट नहीं किया जा सकता है।
- iv. किसी भी निर्यातक ने ऐसा अगोपनीय अंश प्रस्तुत नहीं किया है जो उनके गोपनीय अंश की बिल्कुल सही प्रतिलिपि हो। उन्होंने मात्रा संबंधी समस्त सूचना गोपनीय रखी है। उन्होंने गोपनीयता के दावे का कोई विवरण भी प्रदान नहीं किया है। इसके अलावा, उनके उत्तर निर्यातक प्रश्नावली के उनके उत्तर के अगोपनीय अंश प्रस्तुत करने की प्रक्रिया संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए विशिष्ट दिशानिर्देशों के उल्लंघन में हैं। अतः संबद्ध देशों से सभी निर्यातकों और उत्पादकों के अनुरोधों पर ध्यान नहीं दिया जाना चाहिए और उन्हें अलग व्यवहार नहीं प्रदान करना चाहिए।

##### **अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोध**

46. गोपनीयता के संबंध में वर्तमान जांच के दौरान उत्पादकों / निर्यातकों / आयातकों / अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक माने गए विभिन्न अनुरोध निम्नानुसार हैं :

- i. व्यावहारिकता अध्ययन को गोपनीय रखा गया है जो घरेलू उद्योग की स्थापना के लिए आधार के रूप में कार्य करता है क्योंकि सामग्री में कटौती का दावा किया गया है।
- ii. याचिकाकर्ता ने अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है और अपूर्ण याचिका दाखिल की है। आवेदन के खंड - 6 (लागत सूचना) के जवाब में याचिकाकर्ता ने कोई जानकारी नहीं दी है।

##### **प्राधिकारी द्वारा जाँच**

47. नियम 6 (7) के अनुसार प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अगोपनीय संस्करण वाली सार्वजनिक फाइल के माध्यम से सभी हितबद्ध पक्षों के लिए विभिन्न हितबद्ध पक्षों द्वारा प्रदान की गई जानकारी के अगोपनीय संस्करण को निरीक्षण के लिए उपलब्ध कराया गया।

48. गोपनीयता के संबंध में वर्तमान जांच के दौरान हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए और प्राधिकरण द्वारा प्रासंगिक समझे गए विभिन्न अनुरोधों की जांच की गई थी। गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षों द्वारा प्रदान की गई जानकारी को गोपनीयता दावे के पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई थी। संतुष्ट होने पर प्राधिकरण ने गोपनीयता दावों को स्वीकार कर लिया है, जहां कहीं भी वांछित है और इस तरह की जानकारी को गोपनीय माना गया है और अन्य इच्छुक पार्टियों को नहीं बताया गया है। जहां तक संभव हो, गोपनीय आधार पर जानकारी प्रदान करने वाले पक्षों को गोपनीय आधार पर दर्ज की गई जानकारी के पर्याप्त गैर गोपनीय संस्करण प्रदान करने के निर्देश दिए गए थे। प्राधिकारी ने सार्वजनिक फाइल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पक्षों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों का अगोपनीय संस्करण उपलब्ध कराया।

49. हितबद्ध पक्षों ने जानकारी की गोपनीयता के संबंध में दलील दी है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षों के गोपनीयता के दावे प्राधिकारी द्वारा सामान्यतः पालन की जाने वाली प्रक्रिया के अनुरूप हैं। जहां कहीं भी संभव हो, हितबद्ध पक्षों ने सूचना का अगोपनीय संस्करण प्रस्तुत किया है।

#### **इ. विविध मुद्दे**

##### **घरेलू उद्योग के अनुरोध**

50. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध निम्नानुसार हैं :

- i. यूरोपीय और इंडोनेशियाई दूतावास के दावों पर ध्यान नहीं दिया जाना चाहिए क्योंकि वे वर्तमान समय-सीमा में वर्तमान जांच में शामिल होने में विफल रहे हैं और जांच की शुरुआत के वर्तमान जांच में 285 दिनों बाद मौखिक सुनवाई में पहली बार उपस्थित हुए।
- ii. पाटनरोधी उपायों का परिणाम आयातक देश में एकमात्र उत्पादक को एकाधिकार देने में नहीं होता है बल्कि यह विदेशी अनुचित व्यापार व्यवहार को रोकने का प्रयास करता है। संबद्ध देशों सहित अन्य आपूर्तिकर्ताओं से आयातों को भारतीय बाजार में प्रतिस्पर्धा से नहीं रोका गया है। इससे बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा स्थापित हुई।
- iii. भारत में कोई मांग और आपूर्ति का अंतर नहीं है। याचिकाकर्ता की क्षमता 10 लाख वर्गमीटर है जबकि अभी तक सिद्ध भारतीय मांग 0.5 मिलियन वर्गमीटर के आस-पास है।
- iv. प्राधिकरण को चीनी और मलेशियाई निर्यातकों और उत्पादकों के उत्तरों को स्वीकार नहीं करना चाहिए क्योंकि वे सही और प्रमाणित जानकारी प्रदान करके अपनी दायित्व को पूरा नहीं कर पा रहे हैं। प्रतिवादियों ने उनकी अपनी-अपनी सरकारों द्वारा उन्हें प्रदत्त सब्सिडी के रूप में प्रोत्साहनों की जानकारी को आसानी से हटा दिया है, जो कम कीमत के आयात के लिए प्रमुख कारणों में से एक है।
- v. घरेलू उद्योग की संबद्ध वस्तुओं की गुणवत्ता भारत में आयात किए गए किसी भी माल के समकक्ष है किसी भी मामले में संबंधित पक्षों में से कोई भी साक्ष्य के साथ अपने दावे को सिद्ध नहीं करता है; इसलिए प्राधिकारी को इन आधारहीन दावों को स्वीकार नहीं करना चाहिए।
- vi. यह कहना गलत है कि उपभोक्ता आयात या घरेलू उद्योग से खरीद के निर्णय लेने से पहले समान वस्तु की कीमत के बारे में विचार नहीं करते हैं।
- vii. प्रतिवादियों में से एक अर्थात् जर्मनी से ड्यूराफ्लोर बार्नर जीएमबीएच स्वयं एक निर्यातक होने का दावा करता है। तथापि, इसकी वेबसाइट से, ऐसा लगता है कि यह पीयूसी के निर्माता भी है। इस प्रकार, उत्तर को अस्वीकार कर दिया जाना चाहिए।
- viii. दायर याचिका के प्रयोजन के लिए डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों को अपनाने के लिए कानून के तहत कोई अनिवार्य आवश्यकता नहीं है। प्राधिकारी पाटनरोधी जांच में डीजीसीआई एंड एस आंकड़ों को स्वीकार कर सकते हैं।
- ix. याचिकाकर्ता ने परियोजना रिपोर्ट सहित सभी प्रासंगिक जानकारी प्रदान की है, और प्राधिकारी ने उसे जांच शुरू करने के लिए उपयुक्त पाया है।
- x. अलग-अलग आंकड़ों के बारे में, याचिकाकर्ता पहले से ही याचिका के अगोपनीय संस्करण की एक सॉफ्ट कॉपी प्रस्तुत कर चुका है, जिसमें संबद्ध वस्तु के आयात के सौदा-वार आकड़े शामिल हैं।
- xi. वर्तमान मामले में, चूंकि याचिकाकर्ता नया उत्पादक है, यह धीरे-धीरे स्वयं को स्थापित करने की प्रक्रिया में विचाराधीन उत्पाद से संबंधित अधिकांश उत्पादों का उत्पादन करेगा।

#### **अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोध**

51. अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोध निम्नानुसार हैं :

- i. ईयू आयोग को अनुरोध को अस्वीकृत करने के संबंध में याचिकाकर्ता की दलील निराधार और किसी भी कानूनी या वास्तविक योग्यता से रहित है। समय सीमा किसी विनिर्माता/निर्यातक द्वारा प्रभावली का उत्तर देने के लिए है और दूतावासों द्वारा उस मामले के लिए अन्य अनुरोध करने के लिए नहीं है। नियमावली के नियम 6, पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 6.2, ईरान, कतर और चीन जन. गण. के मूल की अथवा वहां से निर्यातित लीनियर अल्काइल बेंजीन से संबंधित पाटनरोधी जांच पर भरोसा किया गया है।
- ii. घरेलू उद्योग की यह दलील कि जिन निर्यातकों ने जांच में भाग लिया था, वे केवल कुल निर्यात के 10% हिस्से का निर्यात करते हैं और इसलिए उनके आंकड़ों को अपर्याप्त माना जाना चाहिए, सभी तर्कों के विरुद्ध और बिना कानूनी समर्थन के है।
- iii. याचिकाकर्ता उन उत्पादों पर भी एकाधिकार का निर्माण करने की कोशिश कर रहा है, जिनका वह उत्पादन नहीं करता है और परिणामस्वरूप अच्छी प्रतिस्पर्धा में बढ़ोतरी से बचने का प्रयास कर रहा है।

- iv. घरेलू उद्योग ने मलेशियन/चीनी निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा लाभों के गैर प्रकटीकरण के बारे में अपने दावे को प्रमाणित नहीं किया है। अगर मान भी लेते हैं कि प्रतिवादी लाभ प्राप्त कर रहे हैं, तो भी घरेलू उद्योग को सब्सिडी के विरोधी आवेदन के लिए अलग आवेदन करना चाहिए।
- v. डीजीएडी अपनी सभी कार्यवाहियों में आईबीआईएस आकड़ों पर भरोसा नहीं कर रहा है और इसलिए घरेलू उद्योग को डीजीसीआईएंडएस के आयात आंकड़ों के अनुसार अपने आवेदन को संशोधित करने के लिए कहा जा सकता है।
- vi. याचिकाकर्ता ने कार्यवाही शुरू करने के लिए झूठे विवरण दिए हैं। पीयूसी का कोई पाटन नहीं हुआ है और इसलिए, वर्तमान कार्यवाही क्षेत्राधिकार के बिना है। नियम 5 में शामिल तथ्य के अनुसार, वर्तमान जाँच की शुरुआत ने दोनों आवश्यक शर्तों अर्थात् साक्ष्य की सटीकता और पर्याप्तता को पूरा नहीं किया है। इस प्रकार, वर्तमान कार्यवाही जारी रखने योग्य नहीं है।
- vii. प्राधिकारी कृपया स्रोत से प्राप्त आंकड़ों की सॉफ्ट प्रति और पृथक आकड़े प्रदान करने के लिए याचिकाकर्ता को निर्देश दे सकते हैं।
- viii. 21 अप्रैल 2017 के अपने अनुरोध में, आयोग ने मामले की जाँच शुरुआत में पहले से ही कई महत्वपूर्ण कमियों की पहचान की थी, जिनकी फिर से पुष्टि की जाती है। आयोग इसमें जांच करने वाले प्राधिकारियों से अनुरोध करता है कि इसमें मान्यताओं और पूर्वानुमानों का गहन विश्लेषण किया जाए। घरेलू उद्योग की स्थिति और भारतीय बाजार में "एकाधिकार" की वर्तमान स्थिति पर अन्य कारकों के प्रभाव का आकलन करने के लिए गहन विश्लेषण भी आवश्यक है।
- ix. संबद्ध वस्तु पर व्यापक पाटनरोधी शुल्क की मांग करना, याचिकाकर्ता द्वारा बाजार पर नियंत्रण हासिल करने और सभी प्रतिस्पर्धियों को बाहर करने की रणनीति प्रतीत होती है।
- x. यहां तक कि अगर घरेलू उद्योग में भारत की मांग में 100% बाजार हिस्सेदारी है हासिल कर लेता है, तो भी वह अपनी क्षमता उपयोग के 45% से अधिक प्राप्त करने में सक्षम नहीं होगा।

#### **प्राधिकारी द्वारा जाँच**

52. हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए अनुरोधों का निम्नानुसार समाधान किया गया है :

- i. एकाधिकार के मुद्दों के संबंध में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क उचित व्यापार सुनिश्चित करने और घरेलू उद्योग को समान अवसर वाली प्रतिस्पर्धा प्रदान करने के लिए होता है। यह न तो आयात को प्रतिबंधित करने और न ही उत्पादों की लागत में अनुचित वृद्धि का कारण है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य घरेलू उद्योग को सुरक्षा देने के बजाय समस्तरीय प्रतिस्पर्धा को उपलब्ध कराने और पाटन के कारण हानिकारक प्रभाव को समाप्त करना है।
- ii. मांग और आपूर्ति में अंतर के मुद्दों के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि ऐसा कोई अंतर नहीं है क्योंकि घरेलू उद्योग के पास पर्याप्त क्षमता उपलब्ध है। इसके अलावा, पाटनरोधी उपायों ने आयात को प्रतिबंधित नहीं किया बल्कि समस्तरीय प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित की है और बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा स्थापित की है।
- iii. घरेलू उद्योग के आरोपों के संबंध में कि चीनी और मलेशियाई प्राधिकारी संबद्ध वस्तु के उत्पादकों/निर्यातकों को सब्सिडी दे रहे हैं, यह नोट किया जाता है कि वर्तमान जांच में, घरेलू उद्योग द्वारा दायर की गई याचिका के आधार पर पाटन के प्रभाव जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है, की जाँच की गई है तथापि घरेलू उद्योग इन स्रोतों से क्षति, यदि कोई हो, पंहुचाने वाली सब्सिडी का समाधान करने के लिए अलग आवेदन प्रस्तुत कर सकता है।
- iv. गुणवत्ता से संबंधित मुद्दों के संबंध में, यह नोट किया जाता है कि गुणवत्ता पाटनरोधी जाँच में वस्तुतः कोई मुद्दा समस्या नहीं है। यह भी नोट किया गया है कि उनके पास भारत में एक मजबूत ग्राहक आधार है, जो सिद्ध करता है कि उनके सामान आयातित वस्तुओं के समान हैं। किसी भी मामले में, किसी भी हितबद्ध पक्ष ने अपने दावे को साबित करने के लिए कोई भी ठोस प्रमाण प्रदान नहीं किया है कि घरेलू उद्योग की गुणवत्ता अच्छी या स्वीकार्य नहीं है।
- v. डयूराफ्लोर द्वारा तथ्यों को दबाने के मुद्दे के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि सत्यापन के दौरान केवल जांच की गई जानकारी इस जांच में ली गई है।
- vi. यह नोट किया जाता है कि जांच के दौरान प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस से सौदावार आयात आकड़ों पर भरोसा किया है और इसी पर इस जांच में विचार किया गया है।



- vii. इस आरोप के संबंध में कि जाँच की शुरुआत गलत आधार पर की गई, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराई गई प्रथम दृष्टया साक्ष्य/तथ्यों के आधार पर जाँच शुरू की गई। इसके बाद, इस पाटनरोधी जाँच में आगे की कार्रवाई के लिए सत्यापित जानकारी पर विचार किया गया है।

### **च. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण**

53. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी, और उन्हें निर्धारित तरीके और ढंग से जानकारी प्रदान करने के लिए सलाह दी। संबद्ध देश से निम्नलिखित विनिर्माताओं और निर्यातकों ने निर्धारित प्रश्नावली में उत्तर दिया है।

- i. यूनिलिन (मलेशिया) एसडीएन बीएचडी, मलेशिया
- ii. फुज़ियान वूशीन वर्नर ग्रीन इंडस्ट्री कंपनी लिमिटेड, चीन जन. गण.
- iii. जिआंगसू सेनमाओ बैम्बू वुड इंडस्ट्री कं. लि., चीन जन. गण.
- iv. यूएबी बीईओएन, लिथुआनिया, यूरोपीय संघ
- v. तारकेट पोलस्का एसपी. जेड.ओ.ओ., पोलैंड, यूरोपीय संघ
- vi. यूनीलीन बीवीबीए, बेल्जियम, यूरोपीय संघ
- vii. डुराफ्लोर वेनर जीएमबीएच, जर्मनी, यूरोपीय संघ
- viii. तारकेट, हांगकांग

### **घरेलू उद्योग के विचार**

54. वर्तमान जाँच की प्रक्रिया के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए अनुरोध निम्नलिखित हैं :

i. बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक प्रतिवादी निर्यातक निम्नलिखित शर्तों में से प्रत्येक को पूरा न करें :

- क) बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा उस स्थिति में प्रदान नहीं किया जा सकता, जिसमें प्रमुख शेयरधारकों में से एक शेयरधारक राज्य की स्वामित्व वाली/नियंत्रित कंपनी है।
- ख) बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक कि चीन के प्रतिवादी निर्यातक यह सिद्ध नहीं करते हैं कि प्रमुख निविष्टियों की कीमतों में बाजार मूल्यों का पर्याप्त प्रदर्शन होता है।
- ग) ऐसी स्थितियों में बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार को खारिज किया जाना चाहिए जिनमें चीन के निर्यातक यह सिद्ध करने में असमर्थ रहे हैं कि उनकी बहियां अंतर्राष्ट्रीय लेखा मानकों (आई ए एस) के अनुरूप हैं। अंतर्राष्ट्रीय लेखा मानकों के अनुपालन पर जोर देने की जरूरत वार्षिक रिपोर्ट में उल्लिखित राजस्व एवं व्यय, परिसंपत्तियों और देयताओं की सत्यता और यथातथ्यता सुनिश्चित करने के लिए है।
- घ) बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक कि चीन के प्रतिवादी निर्यातक नियमावली के निर्धारित प्रत्येक मापदंड के संबंध में जांच पर खरे नहीं उतरते हैं। इस प्रकार जहां क्षति की मौजूदगी की पुष्टि करने के लिए एक मापदंड पर्याप्त है, वहीं बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे के दावे को रद्द करने के लिए एक ही मापदंड पर खरे उतरने में विफलता पर्याप्त है।
- ङ) यह सिद्ध करने का दायित्व प्राधिकारी पर नहीं है कि चीन की कंपनियां वास्तव में बाजार अर्थव्यवस्था के वातावरण में प्रचालन कर रही हैं और वह बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार की हकदार हैं। इसके विपरीत यह सिद्ध करना चीन के प्रतिवादी निर्यातकों का दायित्व है कि वे बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में प्रचालन कर रही हैं।
- च) बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक प्रतिवादी कंपनी और उसका समूह समग्र रूप में इसका दावा नहीं करते हैं। यदि उक्त समूह के भागस्वरूप एक या अधिक कंपनियों ने उत्तर दायर नहीं किया है तो बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे को अस्वीकृत किया जाना चाहिए।
- छ) ऐसी स्थिति जिसमें वर्तमान शेयरधारकों ने स्वयं उत्पादन सुविधाएं स्थापित नहीं की हैं, परंतु किसी अन्य पक्षकार ने इन्हें अर्जित किया है, बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक कि रूपांतरण की प्रक्रिया पूर्णतः पुष्टि दस्तावेजी साक्ष्य के लिए नहीं की जाती है।

- ii. यह अनुरोध किया गया है कि इस तरह के मामले में चीन के लिए सामान्य मूल्य पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के प्रावधानों के अनुसार केवल पूर्व-तथ्यों और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए के अनुसार निर्धारित किया जा सकता है।
- iii. घरेलू उद्योग, चीन में घरेलू कीमतों के संबंध में कोई दस्तावेजी साक्ष्य या विश्वसनीय सूचना प्राप्त नहीं कर सका था और न ही वह सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध थी। इसलिए, आवेदक ने केवल जाँच शुरूआत के उद्देश्य के लिए, रूढ़िवाद के सिद्धांतों और डीजीएडी की प्रक्रिया के अनुसार, चीन के लिए सामान्य मूल्य का परिकलन किया है।
- iv. इस प्रकार, चीन में सामान्य मूल्य निम्न के आधार पर निर्धारित किया जा सकता है (क) तीसरे देश से भारत में आयात कीमत (ख) भारत में बिक्री कीमत, और (ग) भारत में उत्पादन की लागत, विधिवत रूप से समायोजित, जिसमें बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक व्यय और लाभ शामिल हो। यह भी अनुरोध किया गया है कि चूंकि सामान्य मूल्य निर्धारण के लिए ये विकल्प उपलब्ध हैं, इसलिए निर्दिष्ट प्राधिकारी कृपया "किसी अन्य आधार" पर विचार नहीं करें क्योंकि यह केवल तब लागू होता है जब कानून के तहत सूचीबद्ध अन्य आधार लागू नहीं हो सकते हों।
- v. चीन जन. गण. के लिए सामान्य मूल्य का परिकलन किया गया है सामान्य मूल्य के परिकलन के लिए घरेलू उद्योग की लागत और उचित लाभ मार्जिन पर विचार किया गया है। यह देखते हुए कि याचिकाकर्ता बहुत ही कम स्तर पर अपने संयंत्र का संचालन कर रहा है, याचिकाकर्ता ने अनुमान के अनुसार कच्चे माल और सुविधाओं के लिए खपत मानदंडों पर विचार किया है और रूपांतरण लागतों और अन्य लागतों को निर्धारित करने के लिए क्षमता उपयोग के उचित स्तर पर विचार किया गया है।
- vi. यूरोपीय संघ, इंडोनेशिया और मलेशिया में सामान्य मूल्य का पता लगाने के प्रयास भी किए गए थे। तथापि, सूचना की कमी के कारण, घरेलू उद्योग की कच्ची सामग्री की कीमतों और उपभोग मानदंडों के आधार पर संबंधित संबद्ध देश में बिजली की कीमत, ईष्टतम परिवर्तन लागत, घरेलू उद्योग के बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक खर्च और उचित लाभ मार्जिन के अनुसार संबद्ध देशों के सभी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य का परिकलन किया गया है।
- vii. याचिकाकर्ता ने उपलब्ध सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के अनुसार सामान्य मूल्य पर अनुरोध और दावे किए हैं। सामान्य मूल्य निर्धारित करने के लिए प्राधिकारी उचित पद्धति अपना सकते हैं।
- viii. चीनी उत्पादकों को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के माहौल के अधीन संचालित कंपनियां माना जाना चाहिए और अनुबंध-1 के पैरा 7 के आधार पर तब तक सामान्य मूल्य ज्ञात किया जाना चाहिए जब तक कि जांच की अवधि दिसंबर, 2016 तक की अवधि में पाटनरोधी जाँच में शामिल महत्वपूर्ण मापदंडों और कारकों जैसे पाटन मार्जिन, क्षति मार्जिन, न्यूनतम मात्रा आदि जो जांच की अवधि से संबंधित हैं।
- ix. सभी हितबद्ध पक्षों को प्रासंगिक तथ्यों को प्रदान करने में प्राधिकरण की सहयोग करने का पर्याप्त अवसर दिया गया। किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने प्राधिकारी द्वारा जारी बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है।
- x. यूनिलिन बीबीबीए, बेल्जियम के संबंधित उत्पादकों में से एक, अर्थात् यूनिलीन एसआरओ सीज़े रिपब्लिक जो यूरोपीय संघ में संबद्ध वस्तु का एक उत्पादक भी है, ने वर्तमान जांच में हिस्सा नहीं लिया है। इस प्रकार, यूनिलिन, बेल्जियम और यूनिलिन, मलेशिया की प्रतिक्रिया अस्वीकार कर दी जानी चाहिए।
- xi. एक प्रतिवादी, अर्थात् जर्मनी से ड्यूराफ्लोर वर्नर जीएमबीएच एक निर्यातक होने का दावा करता है। तथापि, इसकी वेबसाइट से, ऐसा लगता है कि यह पीयूसी के विनिर्माता भी है। संगत साक्ष्य रिकॉर्ड में रखा गया है। निर्यातकों ने प्राधिकारी से जानबूझकर इस जांच को बाधित करने के लिए दुर्भावनापूर्ण इरादे से जानकारी अपने पास छुपा ली थी।
- xii. निर्यात कीमत का परिकलन उद्योग के पास सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर आवश्यक समायोजन करने के बाद आयात आकड़ों से उपलब्ध सूचना के आधार पर किया गया है और उसकी तुलना सामान्य मूल्य के साथ की है।

#### **अन्य हितबद्ध पक्षों के विचार**

55. प्रतिवादी हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोध निम्नानुसार हैं:

- i. व्यापार की पूछताछ करके सामान्य कीमत आसानी से उपलब्ध है। ऐसा एक नमूना एफसीएमएल द्वारा विदेशी आपूर्तिकर्ताओं के कुछ पत्रों के साथ रिकॉर्ड में रखा गया है।
- ii. आवेदक, खुद एक आयातक है और विभिन्न देशों में उसके कार्यालय है और उसे सामान्य कीमत के बारे में बहुत अच्छी जानकारी है लेकिन कृत्रिम रूप से सामान्य मूल्य ज्ञात करने का आश्रय लेने के लिए उसने उन्हें रिकॉर्ड में नहीं रखा है।

- iii. आवेदक को विदेशी निर्माताओं से कोटेशन को प्रस्तुत करने के निर्देश दिए जाने चाहिए।
- iv. चूंकि चीनी एक्सेसन प्रोटोकॉल का अनुच्छेद 15 (बी) 11 दिसंबर, 2016 को समाप्त हो चुका है इसलिए चीन जन. गण. को बाजार अर्थव्यवस्था देश के रूप में माना जाना चाहिए।
- v. चेक में स्थित यूनिलिन की इकाई ने संबद्ध वस्तु का भारत को निर्यात नहीं किया है और इसलिए, उन्होंने मौजूदा जांच में हिस्सा नहीं लिया है। चीन जन. गण. और थाईलैंड से 'आल फुली ड्रान या फुली ओरिएंटेड यार्न/स्पिन ड्रॉ यार्न/पॉलिएस्टर के फ्लैट यार्न (नॉन टेक्चर्ड और गैर-पीओवाई) और अन्य यार्न' के अंतिम जांच परिणाम का संदर्भ दिया गया है [सं. 15/03/2014-डीजीएडी दिनांक 22.9.2015] , प्राधिकारी ने उस निर्यातक पर कोई प्रतिकूल निष्कर्ष नहीं निकाला था, जिनकी संबंधित पार्टी ने इस आधार पर प्रतिक्रिया नहीं दायर की कि उन्होंने भारत को संबद्ध वस्तु निर्यात नहीं किया है।
- vi. प्राधिकारी पहले से ही दुराफ्लोर वर्नर का दौरा कर चुके थे और उन्होंने इसके द्वारा प्रस्तुत की गई जानकारी को सत्यापित किया था।

#### प्राधिकारी द्वारा जाँच

56. हितवद्ध पक्षकारों द्वारा प्रकटन विवरण संबंधी टिप्पणियों की जांच के आधार पर विचाराधीन उत्पाद को "वीनीर्ड इंजीनियर्ड वूडन फ्लोरिंग" बनाया गया है जिसकी विशेष रूप से लकड़ी की तीन परतें हैं अर्थात् "टॉप लेयर", "मिडिल लेयर" और "बॉटम लेयर" हैं। टॉप लेयर वास्तविक लकड़ी है जो आकर्षक लगती है (अपने कास्ट ढांचे के कारण) और उसमें समग्र निर्माण के लिए अतिरिक्त ताकत है। इसे लकड़ी की एक पट्टी, लकड़ी की दो पट्टियों और लकड़ी की तीन पट्टियों का बनाया जा सकता है। मिडिल लेयर, जो कि समग्र निर्माण का मुख्य भाग बनाता है और इसे "फाइबर बोर्ड (एमडीएफ/एचडीएफ)" का बनाया जा सकता है। बॉटम लेयर वास्तविक लकड़ी होती है जो समग्र निर्माण को सहायता प्रदान करती है। विचाराधीन उत्पाद दो या तीन परतों का भी हो सकता है। तदनुसार, संबद्ध देशों से आयात की मात्रा को इन जांच परिणामों में पाटन एवं क्षति विश्लेषण दोनों के निर्धारण के लिए माना गया है।

57. अवनिर्मित विचाराधीन उत्पाद के मद्देनजर चीन जन गण, यूरोपीय संघ तथा मलेशिया के सहयोगी निर्यातकों अर्थात् फ्यूजियन वुडशान वर्नर ग्रीन इंडस्ट्री कं. लि., चीन जन गण, जियांग्सू सेनमाओ बम्बू वुड इंडस्ट्री कं. लि., चीन जन गण, यूनिलिन बीबीबीए, बेल्जियम, दुराफ्लोर वर्नर जीएमबीएच, जर्मनी तथा यूनिलिन (मलेशिया) एसडीएन. बीएचडी., मलेशिया के संबंध में पाटन निर्धारण के प्रयोजन के लिए विचार नहीं किया जाएगा।

#### **क) सामान्य मूल**

##### **1. चीन जन. गण.**

- vii. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली में "बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार" के संबंध में अनुबंध 1 के अधीन निर्धारित संगत उपबंध निम्नानुसार हैं :

[8. (1) "गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश" वाक्यांश का अर्थ कि देश जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी लागत अथवा कीमत ढांचे के बाजार सिद्धांतों का लागू नहीं करने वाले के रूप में मानते हैं। जिसके कारण ऐसे देश में पण्य वस्तुओं कि विक्रियों उप पैराग्राफ (3) में निर्दिष्ट मानदंडों के अनुसार वस्तुओं के सही मूल्य नहीं दर्शाती है।"

(2) यह कहना पूर्वानुमान लगाना होगा कि कोई देश जिसे जांच के पूर्ववर्ती तीन वर्षों के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकारी अथवा डब्ल्यू.टी.ओ. के किसी सदस्य के समक्ष प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश निर्धारित अथवा माना गया है, एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है।

तथापि, गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश या ऐसे देश से संबंधित फर्म निर्दिष्ट प्राधिकारी को सूचना तथा साक्ष्य उपलब्ध कराकर इस परिकल्पना को समाप्त कर सकते हैं जो यह साबित करता हो कि ऐसा देश उप-पैरा (3) में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश नहीं है।

(3) निर्दिष्ट प्राधिकारी प्रत्येक मामले में निम्नलिखित मानदंड पर विचार करेंगे कि क्या:

(क) ऐसे देश में कच्ची सामग्रियों प्रौद्योगिकी लागत और श्रम, उत्पादन, विक्रियों तथा निवेश सहित कीमतों, लागतों तथा निवेशों के संबंध में संबंधित फर्म का निर्णय आपूर्ति तथा मांग को दर्शाने वाले बाजार संकेतों तथा इस संबंध में किसी विशिष्ट राज्य हस्तक्षेप के बिना होता है और यह कि क्या मुख्य निवेशों की लागतें वास्तविक रूप से बाजार मूल्यों को दर्शाती हैं;

(ख) ऐसी फर्मों की उत्पादन लागतों तथा वित्तीय स्थिति पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से उठाए गए विशिष्ट विरूपणों के अधीन होती है। खासकर ऋणों की प्रतिपूर्ति द्वारा परिसंपत्तियों के ह्रास अन्य बड़े खाते वस्तु विनियम व्यापार तथा ऋणों की क्षतिपूर्ति के जरिए तथा भुगतान के संबंध में;

- (ग) ऐसी फर्म दिवालिया तथा संपत्ति कानून के अधीन होती है जो कि फर्म के प्रचालन की कानूनी निश्चितता तथा स्थायित्व की गारंटी देता है:-
- (घ) विनियम दर के परिवर्तन बाजार दर पर किए जाते हैं:-

तथापि, जहां इस पैराग्राफ में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर लिखित रूप में पर्याप्त साक्ष्य दर्शाया जाता है कि पाटनरोधी जाँच के अधीन एक अथवा ऐसी अधिक फर्मों के लिए बाजार स्थितियां लागू होती हैं निर्दिष्ट प्राधिकारी पैरा 7 तथा इस पैरा में निर्दिष्ट सिद्धांतों के बजाय पैरा 1 से 6 में निर्दिष्ट सिद्धांतों को लागू कर सकते हैं।

[उप-पैराग्राफ में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, निर्दिष्ट प्राधिकारी ऐसे किसी देश को बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मान सकते हैं जो, संगत मापदंडों के अद्यतन विस्तृत मूल्यांकन के आधार पर जिसमें उप पैराग्राफ (3) में विनिर्दिष्ट मापदंड शामिल हैं, को एक सार्वजनिक दस्तावेज में के ऐसे प्रकाशन के द्वारा किसी देश जो विश्व व्यापार संगठन का सदस्य हो, द्वारा पाटनरोधी जाँच के प्रयोजनार्थ एक बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना या निर्धारित किया जाएगा।]

viii. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि चीन के एक्सेसन प्रोटोकाल के अनुच्छेद 15 में निम्नानुसार प्रावधान है :

'गैट 1994 का अनुच्छेद 4, टैरिफों और व्यापार हेतु सामान्य करार 1994 के अनुच्छेद 4 के कार्यान्वयन संबंधी करार (पाटनरोधी करार) और एससीएम करार चीन के डब्लूटीओ के सदस्य के रूप में आयात शामिल करने की प्रक्रिया के रूप में निम्नलिखित से संगत होने पर लागू होंगेक:

(क) गैट 1994 का अनुच्छेद 4 और पाटनरोधी करार के अधीन कीमत तुलनीयता निर्धारित करने के लिए आयातक डब्लूटीओ देश या तो चीन की कीमतों या जाँच के अधीन उद्योग की लागतों या ऐसी पद्धति का प्रयोग करेगा जो निम्नलिखित नियम के अधीन घरेलू कीमतों और चीन में लागतों की कड़ी तुलना पर आधारित हों :

- (i) यदि जाँच के अधीन उत्पादक स्पष्ट रूप से यह दर्शा सकते हों कि उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में समान उत्पादन उत्पादक उद्योग में बाजार अर्थव्यवस्था की दशाएं मौजूद हैं, तो आयातक डब्लूटीओ सदस्य कीमत तुलनीयता के निर्धारण के लिए जाँच के अधीन उद्योग हेतु चीन की कीमतों या लागतों का प्रयोग करेगा।
- (ii) आयातक डब्लूटीओ सदस्य ऐसी पद्धति का इस्तेमाल कर सकता है जो घरेलू कीमतों या चीन में लागत की कड़ी तुलना पर आधारित न हो परंतु यदि जाँच के अधीन उत्पादक स्पष्ट रूप से यह नहीं दर्शा सकता हो कि उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में समान उत्पादन उत्पादक उद्योग में बाजार अर्थव्यवस्था की दशाएं मौजूद हैं।

(ख) एससीएम करार के भाग II, III और V के अधीन कार्यवाही में, जब एससीएम करार के संगत उपबंधों के अनुच्छेद 14(क), 14(ख), 14(ग) और 14 (घ) में वर्णित सब्सिडी पर विचार करना लागू हो : तथापि यदि उस अनुप्रयोग में विशेष कठिनाई हो, तो आयातक डब्लूटीओ सदस्य सब्सिडी लाभ की पहचान और माप के लिए ऐसी पद्धति का प्रयोग कर सकता है जिसमें इस संभावना पर विचार हो कि चीन में प्रचलित निबंधन और शर्तें हमेशा समुचित बेंचमार्कों में उपलब्ध नहीं हो सकती हैं। ऐसी पद्धतियों के प्रयोग में, जहां व्यवहार्य हो, आयातक डब्लूटीओ सदस्य को चीन से बाहर प्रचलित नियमों और शर्तों के प्रयोग पर विचार करने से पहले ऐसे प्रचलित नियमों और शर्तोंको समायोजित करना चाहिए।

(ग) आयातक डब्लूटीओ सदस्य पाटनरोधी प्रथाओं संबंधी समिति के उप-पैराग्राफ (क) के अनुसार पद्धतियों को अधिसूचित करेगा और सब्सिडी और प्रतिसंतुलनकारी उपायों संबंधी समिति के उप पैराग्राफ (ख) के अनुसार पद्धतियों को अधिसूचित करेगा।

(घ) एक बार आयातक डब्लूटीओ सदस्य के राष्ट्रीय कानून के अधीन चीन के बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश सिद्ध होने पर, उप पैराग्राफ (क) के उपबंध समाप्त हो जाएंगे परंतु यह कि आयातक सदस्य के राष्ट्रीय कानून में शामिल होने की तारीख को बाजार अर्थव्यवस्था के मापदंड शामिल हों। किसी स्थिति में उपपैराग्राफ (क) (ii) के उपबंध शामिल होने की तारीख के बाद 15 वर्षों में समाप्त हो जाएंगे। इसके अलावा चीन को आयातक डब्लूटीओ सदस्य के राष्ट्रीय कानूनों के अनुसार यह सिद्ध करना होगा कि बाजार अर्थव्यवस्था की दशाएं उस उद्योग या क्षेत्र विशेष में प्रचलित हैं, उप पैराग्राफ (क) के गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के उपबंध उस उद्योग या क्षेत्र पर अब लागू नहीं होते हैं।

58. अनुच्छेद 15 का अर्थ है कि एक उप पैराग्राफ के उपबंध चीन के शामिल होने की तारीख से 15 वर्षों के बाद समाप्त हो जाएंगे। इस पैराग्राफ के उपबंध 11 दिसंबर, 2016 को समाप्त हो गए। चूंकि पाटन के घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने का तथ्य जाँच अवधि के आधार

पर सिद्ध हो गया है इसलिए जांच अवधि के दौरान प्रचलित स्थिति ही संगत समुचित है और वर्तमान जांच के लिए आवश्यक है। वर्तमान समीक्षा के लिए जांच की अवधि (पीओआई) अप्रैल 2015 से मार्च 2016 है। चूंकि अनुच्छेद 15 का उप पैराग्राफ जांच की अवधि के दौरान मौजूद था प्राधिकारी ऐसी पद्धति का प्रयोग कर सकते हैं जो घरेलू कीमतों या चीन में लागत की कड़ी तुलना पर आधारित न हो यदि जांच के अधीन उत्पादक स्पष्ट रूप से यह नहीं दर्शाते हैं कि उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में समान उत्पाद का उत्पादन करने में उद्योग में बाजार अर्थव्यवस्था की दशाएं प्रचलित हैं।

59. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन. गण. के दो उत्पादक/निर्यातकों ने उत्तर दिया है परंतु जांच की अवधि के दौरान भारत को विचाराधीन उत्पाद का निर्यात नहीं किया। चूंकि, चीन जन गण से वर्तमान जांच में किसी भी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 6 के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार का दावा नहीं किया है, अतः इस परिस्थिति में, प्राधिकारी स्थिति में नहीं है चीन के उत्पादकों/निर्यातकों पर नियमावली के अनुबंध 1 का पैरा 8 लागू करने की स्थिति में नहीं है और प्राधिकारी को संबंधित नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार कार्यवाही करनी होगी।

60. प्राधिकारी नोट करते हैं कि तीसरे देश की लागत और कीमतों के आधार पर सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए, घरेलू बिक्री या तीसरे देश के निर्यात की बिक्री संबंधी पूरे और संपूर्ण आकड़े तथा, साथ ही तीसरे देश में ऐसे उत्पादकों की उत्पादन लागत और सहयोग की आवश्यकता है। इन बाजारों में प्रचलित कीमतों और लागतों के संबंध में ऐसी कोई सूचना ना तो आवेदक द्वारा और न ही प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा उपलब्ध कराई गई है और न ही कोई सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सूचना प्राप्त हुई है न ही प्रतिवादी चीनी कंपनियों द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाले उचित तीसरे देश के संबंध में कोई दावा किया गया है। अतः प्राधिकारी किसी अन्य तर्कसंगत आधार पर सामान्य मूल्य का परिकलन करने की कार्यवाही करते हैं।

### **क) चीन जनवादी गणराज्य में अन्य उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य**

61. प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि चूंकि इन दो सहयोगी निर्यातकों, जिन्होंने विचाराधीन उत्पाद का निर्यात नहीं किया है, के अलावा चीन जन गण से किसी भी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जांच में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है। चीन में सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी ने भारित औसत सामान्य मूल्य, उपलब्ध तथ्यों के अनुसार, \*\*\* अमरीकी डालर/वर्गमीटर के रूप में निर्धारित किया है।

## **II. यूरोपीय यूनियन**

### **(क) टारकेट पोलस्का स्पे. जेड.ओ.ओ.**

62. प्राधिकारी नोट करते हैं कि टारकेट पोलस्का स्पे. जेड.ओ.ओ. ने निर्यातक की प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है, जिसमें उसने संबद्ध वस्तुओं का एक उत्पादक होने का दावा किया है और सूचित किया है कि उसने टारकेट हांग कांग नामक अपने संबंधित प्रयोज्यता के माध्यम से संबद्ध वस्तुओं के निर्यात किए हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि टारकेट पोलस्का स्पे. जेड.ओ.ओ. ने परिशिष्ट-1 में घरेलू बिक्रियों के ब्यौरे प्रस्तुत किए हैं। तथापि, बाजार में बेचा गया उत्पाद 5% के पर्याप्तता परीक्षण को पूरा नहीं करता है, इसलिए प्राधिकारी ने अपने पास उपलब्ध सूचना के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है, जो कि \*\*\*अमरीकी डालर/वर्गमीटर है।

### **(ख) यूएबी बीओईएन**

63. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यूएबी बीओईएन ("बीओईएन") ने निर्यातक की प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है, जिसमें उसने यूरोपीय यूनियन में संबद्ध वस्तुओं का एक उत्पादक होने का दावा किया है और सूचित किया है कि उसने भारत में संबद्ध वस्तुओं के सीधे निर्यात किए हैं। सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ "बीओईएन" द्वारा प्रस्तुत किए गए उत्तर की जांच की गई है। यह नोट किया जाता है कि यह कंपनी संबंधित उत्पाद की विभिन्न किस्मों का उत्पादन कर रही है। कंपनी ने समेकित लागत के ब्यौरे प्रस्तुत किए हैं, लेकिन ये उत्पाद-वार नहीं हैं। तदनुसार, प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है, जो कि \*\*\*अमरीकी डालर/वर्गमीटर है।

### **(ग) यूरोपीय यूनियन में अन्य उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य**

64. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यूरोपीय यूनियन से किसी भी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जांच में प्राधिकारी को उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। यूरोपीय यूनियन में सभी असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी द्वारा निर्धारित किया गया भारित औसत सामान्य मूल्य, उपलब्ध तथ्यों के आधार, \*\*\*अमरीकी डालर/वर्गमीटर है।

### III. इंडोनेशिया

#### इंडोनेशिया में उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य

65. प्राधिकारी नोट करते हैं कि इंडोनेशिया से किसी भी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जांच में प्राधिकारी को उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। इसलिए इंडोनेशिया से उत्पादकों/निर्यातकों से कोई सहयोग प्राप्त नहीं होने के कारण प्राधिकारी, उत्पादकों/निर्यातकों के लिए विशिष्ट पृथक पाटन मार्जिन निर्धारित करने में असमर्थ हैं और वे पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के संबंध में श्रेष्ठ उपलब्ध सूचना के सिद्धांतों के आधार पर आगे की कार्रवाई करने के लिए विवश हैं। निर्यातकों के असहयोग को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6 (8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित किया है, जो कि \*\*अमरीकी डालर/वर्गमीटर है।

#### (ख) निर्यात कीमत का निर्धारण

##### I. चीन जनवादी गणराज्य

#### चीन जनवादी गणराज्य में अन्य उत्पादकों और निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

66. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चूंकि चीन से किसी भी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जांच में प्राधिकारी को उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। चीन में सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी द्वारा निर्धारित की गई निबल निर्यात कीमत, उपलब्ध तथ्यों के आधार, \*\*\*अमरीकी डालर/वर्गमीटर है।

##### II. यूरोपीय यूनियन

#### (क) टार्केट हांग कांग

67. प्राधिकारी नोट करते हैं कि टार्केट हांग कांग (टीएचके) ने जांच अवधि के दौरान भारत को सीधे संबद्ध वस्तुओं के निर्यात किए हैं। टार्केट हांग कांग (टीएचके) ने अपने परिशिष्ट-2 में सूचित किया है कि उसने 5910.80 वर्गमीटर के कुल निर्यात किए हैं और अंतरदेशीय भाड़े, समुद्री भाड़े, बीमा, एसजीए और बैंक प्रभारों के लिए समायोजनों का दावा किया है और उचित सत्यापन करने के बाद उनकी अनुमति दी गई है। तदनुसार, भारत औसत निबल निर्यात कीमत निर्धारित की गई है, जो \*\*\*अमरीकी डालर/वर्गमीटर है।

#### (ख) यूएबी बीओईएन

68. प्राधिकारी नोट करते हैं कि बीओईएन ने जांच अवधि के दौरान भारत को सीधे संबद्ध वस्तुओं के निर्यात किए हैं। कंपनी ने अपने परिशिष्ट-2 में सूचित किया है कि उसने 23166.17 वर्गमीटर के कुल निर्यात किए हैं और अंतरदेशीय भाड़े, समुद्री भाड़े, बीमा, एसजीए और बैंक प्रभारों के लिए समायोजनों का दावा किया है और उचित सत्यापन करने के बाद उनकी अनुमति दी गई है। तदनुसार, भारत औसत निबल निर्यात कीमत निर्धारित की गई है, जो \*\*\*अमरीकी डालर/वर्गमीटर है।

#### (ग) यूरोपीय यूनियन में अन्य उत्पादकों और निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

69. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चूंकि यूरोपीय यूनियन से किसी भी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जांच में प्राधिकारी को उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। यूनियन में सभी असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी द्वारा निर्धारित की गई निबल निर्यात कीमत, उपलब्ध तथ्यों के आधार, \*\*\*अमरीकी डालर/वर्गमीटर है।

### III. इंडोनेशिया

70. इंडोनेशिया से किसी भी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जांच में प्राधिकारी को उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। इसलिए प्राधिकारी ने उन्हें असहयोगी माना है। इंडोनेशिया से उत्पादकों/निर्यातकों के असहयोग को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6 (8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निबल निर्यात कीमत निर्धारित की है, जो कि \*\*\*अमरीकी डालर/वर्गमीटर है।

#### (ग) पाटन मार्जिन का निर्धारण

71. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चूंकि मलेशिया से आयात की सम्पूर्ण मात्रा अपाटित पाई गई है और उन्होंने विचाराधीन उत्पाद का निर्यात निर्मित प्रकटन पश्चात के रूप में नहीं किया है, अतः पाटन निर्धारण मलेशिया के अन्य उत्पादकों/निर्यातकों के लिए नहीं किया गया है।

72. ऊपर निर्धारित सामान्य मूल्य अज्ञैर निर्यात कीमत के आधार पर संबद्ध देशों से उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी द्वारा निर्धारित किया गया पाटन मार्जिन निम्नानुसार है:-

क्रम सं.	देश	उत्पादक	निर्यात	सामान्य मूल्य - अमरीकी डॉलर/वर्गमीटर	निर्यात कीमत - अमरीकी डॉलर/वर्गमीटर	पाटन मार्जिन - अमरीकी डॉलर/वर्गमीटर	पाटन मार्जिन - %	पाटन मार्जिन सीमा- %
1	चीन जनवादी गणराज्य	सभी	सभी	***	***	***	***	10-20
2	यूरोपीय यूनियन	यूएबी वोओईएन	यूएबी वोओईएन	***	***	***	***	(10-20)
3	यूरोपीय यूनियन	टार्केट पोलसका स्पे. जेडओओ	टार्केट हांगकांग	***	***	***	***	20-30
4	यूरोपीय यूनियन	क्रमांक 2 और 3 पर उत्पादकों को छोड़कर कोई कोई अन्य	क्रमांक 2 और 3 पर निर्यातकों को छोड़कर कोई कोई अन्य	***	***	***	***	70-80
5	इंडोनेशिया	कोई भी	कोई भी	***	***	***	***	0-10

#### छ. क्षति का मूल्यांकन करने की कार्य-प्रणाली और क्षति की जांच तथा कारणात्मक संबंध

##### क्षति का निर्धारण

##### छ.1 क्षति की जांच

##### घरेलू उद्योग के विचार

73. वर्तमान जांच की कार्यवाही के दौरान क्षति के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक पाए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (1) याचिकादाता ने अगस्त, 2014 में वाणिज्यिक उत्पादन करना शुरू किया है और इस प्रकार निर्दिष्ट प्राधिकारी, (क) पाटन के प्रभाव को सिद्ध करने के लिए वास्तविक निष्पादन पर, (ख) क्षति के खतरे को सिद्ध करने के लिए संभावित स्थिति पर और (ग) क्या विचाराधीन उत्पाद का पाटन भारत में घरेलू उद्योग की अवस्थापना को आर्थिक रूप से मंद कर रहा है, इस पर विचार कर सकते हैं।
- (2) आर्थिक क्षति का मूल्यांकन करने, आर्थिक क्षति के खतरे अथवा आर्थिक मंदी का मूल्यांकन करने के लिए तीन वर्ष अथवा उससे अधिक अवधि के लिए घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन पर विचार करने की पूर्व शर्त नहीं है, जैसा कि प्राधिकारी ने चीन जनवादी गणराज्य, दक्षिण कोरिया, ताइवान और विएतनाम से इलेस्टोमरिक फिलेमेंट यार्न से संबंधित पाटन-रोधी जांच में किया है, जिसमें घरेलू उद्योग का कार्य-निष्पादन अधिकतर क्षति प्राचलों में बढ़ा है, लेकिन प्राधिकारी ने यह माना है कि घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।
- (3) याचिकादाता को अनुमानों की तुलना में कम उत्पादन होने के रूप में आर्थिक मंदी का नुकसान हो रहा है क्योंकि वह इस समय केवल एक शिफ्ट के आधार पर प्रचालन कर रहा है और न कि तीन शिफ्टों के आधार पर। उसकी माल सूचियां बढ़ कर इकट्ठी हो रही है। वह अपने उत्पादों को नहीं बेच पा रहा है और उत्पादन शुरू करने से ले कर अब तक उसकी लाभप्रदता के प्राचल नकारात्मक बने हुए हैं।

- (4) वर्तमान मामला संचयी मूल्यांकन करने के लिए यथोचित है क्योंकि संबद्ध देशों से पाटित संबद्ध वस्तुएं न केवल एक दूसरे के साथ सीधे प्रतिस्पर्धा करती हैं, बल्कि भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा पेश की जा रही समान वस्तुओं से भी प्रतिस्पर्धा करती हैं।
- (5) पाटित आयातों के विद्यमान होने के कारण घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति हो रही है।
- (6) प्राधिकारी ने आर्थिक क्षति और आर्थिक मंदी होने के संबंध में घरेलू उद्योग के तर्कों को नोट करने के बाद जांच शुरू करने संबंधी अधिसूचना में क्षति के प्रथम दृष्टया साक्ष्य पाए हैं। इस प्रकार यह नहीं कहा जा सकता है कि आर्थिक क्षति का मूल्यांकन करने के लिए जांच शुरू की गई है।
- (7) आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में विचाराधीन उत्पाद की मांग में अत्यधिक वृद्धि हुई है।
- (8) आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में संबद्ध आयातों में समग्र रूप से अत्यधिक वृद्धि हुई है।
- (9) आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में भारत में प्रवेश कर रहे कुल आयातों में संबद्ध आयातों के बाजार के हिस्से में वृद्धि हुई है और कुल आयातों में इनका हिस्सा 95% है।
- (10) संबद्ध देशों का मांग में लगभग 78% हिस्सा है, जबकि घरेलू उद्योग के पास 17% हिस्सा है। यहां तक कि इन आयातों में तब वृद्धि हुई है, जबकि याचिकादाता ने 454,825 वर्गमीटर की मांग होने पर 1 मिलियन वर्गमीटर की क्षमता के साथ वाणिज्यिक उत्पादन करना शुरू किया था और उसने (एक शिफ्ट के आधार पर) केवल 333,333 वर्गमीटर की क्षमता के साथ प्रचालन किया था।
- (11) जांच अवधि के दौरान कीमत में अत्यधिक कटौती हो रही है।
- (12) संबद्ध आयात घरेलू उद्योग की कीमत पर कीमत ह्रास के प्रभाव डाल रहे हैं।
- (13) घरेलू उद्योग एक शिफ्ट के आधार पर 20.98% की अल्प क्षमता उपयोग का प्रचालन कर रहा है और वह पाटन होने के कारण दो/तीन शिफ्ट के आधार पर प्रचालन नहीं कर पा रहा है।
- (14) हालांकि घरेलू उद्योग की बिक्रियों में वृद्धि हुई है, लेकिन घरेलू उद्योग के पास विद्यमान क्षमता की तुलना में वह बहुत कम है।
- (15) याचिकादाता संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटन के कारण उत्पाद को बेचने के आर्डर नहीं प्राप्त कर रहा है, जिसके कारण वह पर्याप्त मात्रा में न तो उत्पाद का उत्पादन कर पा रहा है और न ही उसे घरेलू बाजार में बेच पा रहा है। इसके परिणाम स्वरूप याचिकादाता को बार-बार अपना उत्पादन बंद करना पड़ा है, जिसके फलस्वरूप उसकी क्षमता का कम उपयोग हो रहा है।
- (16) जांच अवधि की विगत दो तिमाहियों में उसके उत्पादन में गिरावट आई है।
- (17) उसकी माल सूचियां इकट्ठी हो रही हैं।
- (18) याचिकादाता को समग्र क्षति अवधि के दौरान वित्तीय घाटे हुए हैं और जांच अवधि के दौरान उनमें अत्यधिक वृद्धि हुई है। आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद की बिक्री के घाटों में 142% तक की अत्यधिक वृद्धि हुई है और विगत वर्ष की तुलना में इसमें 46% तक की वृद्धि हुई है।
- (19) घरेलू उद्योग को ब्याज पूर्व लाभ और निवेश पर प्रतिलाभ नकारात्मक हो रहा है तथा उसे नकदी घाटे हो रहे हैं।
- (20) उत्पादन और बिक्रियों के बढ़ने के बावजूद घरेलू उद्योग के घाटे बड़े हैं, जबकि उनमें गिरावट आनी चाहिए और घरेलू उद्योग को लाभ अर्जित करना चाहिए।
- (21) हालांकि कि घरेलू उद्योग के बाजार के हिस्से में वृद्धि हुई है, लेकिन संबद्ध आयातों के बाजार के हिस्से की तुलना में यह बहुत कम है। हालांकि याचिकादाता द्वारा वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करने से पहले मांग की पूर्ति आयातों द्वारा की जाती थी, लेकिन अब जब कि याचिकादाता अस्तित्व में आया है, इस तथ्य के बावजूद कि घरेलू उद्योग के पास अत्यधिक क्षमता विद्यमान है, वह मांग में अनुमानित हिस्सा प्राप्त नहीं कर सका है।
- (22) रोजगार और वेतन, घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव को प्रतिबिंबित नहीं करते हैं क्योंकि ये ऐसे कारक हैं, जो कि कंपनी और अर्थव्यवस्था के समग्र प्रचालनों द्वारा नियंत्रित होते हैं।



- (23) क्षति अवधि के दौरान उत्पादन के प्रचलन से प्रति दिवस उत्पादकता में वृद्धि हुई है, लेकिन पाटित आयातों के कारण यह बहुत कम है।
- (24) अनुमानों की तुलना में प्रस्तावित जांच अवधि के दौरान लाभ, निवेश पर प्रतिलाभ और नकदी प्रवाह के संबंध में संवृद्धि प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुई है।
- (25) भारतीय उत्पादक की कीमतों के लिए मानक संबद्ध देशों से आयात कीमतें हैं। इस उत्पाद का कोई अर्थक्षमत प्रतिस्थापन नहीं है। उत्पाद की मांग बढ़ी है। इस प्रकार यह स्पष्ट पता चलता है कि घरेलू उद्योग की कीमतों के लिए उत्तरदायी कारक केवल संबद्ध देशों से उत्पाद की आयात कीमतें और घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत हैं।
- (26) दो प्रकार की क्षति अर्थात् आर्थिक क्षति और आर्थिक मन्दी एक साथ विद्यमान हो सकती हैं। नियमावली में स्पष्ट उल्लेख है कि यदि एक प्रकार की क्षति नहीं पाई जाती है, तो अन्य प्रकृति की क्षति की जानी चाहिए। यदि एक से अधिक प्रकार की क्षति विद्यमान होती है, तो “अथवा” को “और” के रूप में पढ़ा जाए।
- (27) प्राधिकारी ने बार-बार आर्थिक क्षति और आर्थिक मन्दी का एक साथ विद्यमान होना पाया है, जैसे कि रूस, यूक्रेन और कोरिया जनवादी गणराज्य से इंडक्शन हार्डनड फोर्जड स्टील रोल, चीन जनवादी जणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित पीवीसी फ्लेक्स फिल्मज, चीन जनवादी जणराज्य और जापान के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सभी प्रकार के 1,1,1,2,- टेट्राफ्लूरोथेने अथवा आर-134ए और चीन जनवादी जणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित ओ-एसिड से संबंधित पाटन-रोधी जांच में पाया गया है।
- (28) चीन जनवादी जणराज्य और सिंगापुर के मूल के अथवा वहां से निर्यातित डी (-)पैरा इहाईड्रोक्सी फिनाईल ग्लिसिन मेथिल पोटेथियम डाने साल्ट और चीन जनवादी गणराज्य और सिंगापुर के मूल के अथवा वहां से निर्यातित डी (-) पैरा इहाईड्रोक्सी फिनाईल ग्लिसिन बेस से संबंधित पाटन-रोधी जांच में प्राधिकारी ने तीन प्रकार की क्षति अर्थात् आर्थिक मन्दी, आर्थिक क्षति और क्षति के खतरे का एक साथ विद्यमान होना पाया है। इनईयू जापानी डायनेमिक रेंडम एक्सेस मेमोरी (डीआरएएमएस) के मामले में {विनियमन (ईईसी)} 165/90, ओ.जे.एल 20,25.1.90 के जांच परिणाम पर भी विश्वास किया गया है।
- (29) आर्थिक क्षति की जांच अनुबंध-2 को ध्यान में रख कर की जा सकती है और चूंकि याचिकादाता का उत्पादन और बिक्री का कुछ इतिहास रहा है, इसका निर्धारण करने के लिए कि क्या याचिकादाता को आर्थिक क्षति हुई है, उस पर विचार किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त अनुबंध-2 में निर्धारित प्राचलों की तुलना, परियोजना रिपोर्ट के अनुसार अनुमानित कार्य-निष्पादन के साथ की जा सकती है, जो कि आर्थिक मन्दी दर्शाती है।
- (30) आयातों के फलस्वरूप आर्थिक मन्दी हुई है। अद्यतन स्थिति के अनुसार याचिकादाता को अब तक 120 करोड़ रुपए के निवेश पर 65-70 करोड़ रुपए की क्षति हुई है। घरेलू उद्योग के अब तक के कार्य-निष्पादन से स्पष्ट पता चलता है कि अल्प अवधि के बावजूद घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन में गिरावट आई है। यदि नए उद्योग को क्षति हो रही है, तो यह स्पष्ट पता चलता है कि उसे आर्थिक मन्दी हो रही है।
- (31) घरेलू उद्योग ने अगस्त, 2014 में वाणिज्यिक उत्पादन करना शुरू किया है और वर्तमान जांच में जांच अवधि अक्टूबर, 2015 से सितंबर, 2016 तक की है। ऐसा कोई कारण नहीं है कि इसे व्यवसाय का उदीयमान चरण नहीं कहा जा सकता है। घरेलू उद्योग ने विधि और कानूनी औचित्य के आधार पर अपने दावे किए हैं।
- (32) घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में सभी संबद्ध ऐसे आर्थिक कारकों और सूचकों को शामिल किया जाना चाहिए, जिनका घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है। कानून यह नहीं कहता है कि आर्थिक प्राचल अनिवार्य रूप से गिरावट दर्शाएं। “मूल्यांकन” शब्द का अभिप्राय “प्रदर्शन” और “विद्यमान” होना नहीं है। संबंधित उद्योग की स्थिति के अनुसार प्रत्येक मामले में ऐसा मूल्यांकन निश्चित रूप से भिन्न होगा। इस संबंध में ईसी-बेड लिनन (अनुच्छेद 21.5-भारत) के मामले में दिए गए निर्णय पर विश्वास किया जाता है।
- (33) हितबद्ध पक्षकारों के तर्क के विपरीत विगत वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान उत्पादन, क्षमता उपयोग में गिरावट आई है और समग्र अवधि में घाटे निरंतर वृद्धि दर्शा रहे हैं। आधार वर्ष की तुलना में माल सूचियां वृद्धि दर्शाती हैं और संवृद्धि नकारात्मक उत्पादन, उपयोग, लाभ, नकदी प्रवाह और निवेश पर प्रतिलाभ दर्शाती है।
- (34) एक हितबद्ध पक्षकार के इस तर्क के संबंध में कि उत्पादन और विक्रयों में क्रमशः 160% और 350% की वृद्धि हुई है, घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कि हितबद्ध पक्षकारों ने वर्ष 2014-15 की तुलना में जांच अवधि में समग्र रूप से वृद्धि दर्शाई है, जो

कि ऐसा समय था जब घरेलू उद्योग ने वाणिज्यिक उत्पादन करना शुरू किया था। उत्पादन की तुलना भी घरेलू उद्योग के पास उपलब्ध क्षमता के साथ की जानी चाहिए, जो कि पाटन के कारण केवल एक शिफ्ट के आधार पर प्रचालन कर रहा है और उसके बाद घरेलू उद्योग द्वारा वास्तविक क्षमता स्थापित की गई है।

- (35) एक हितबद्ध पक्षकार के इस तर्क के संबंध में कि यूरोपीय यूनियन से आयात कीमत में कोई कटौती नहीं कर रहे हैं, यूरोपीय यूनियन के आयात, जांच अवधि में मांग का 20% भाग हैं, जबकि चीन से आयात, जांच अवधि में 2.5 गुना अधिक हैं और यूरोपीय यूनियन, मलेशिया और इंडोनेशिया से आयातों की मात्रा में गिरावट आई है, घरेलू उद्योग का यह निवेदन है कि यह मुद्दा तब प्रासंगिक होता है, जब संचयी मूल्यांकन करने के लिए वर्तमान जांच को न्याय संगत माना जाता है।
  - (36) यूरोपीय यूनियन ने यह सिद्ध नहीं किया है कि कैसे कीमत में अंतर होने के फलस्वरूप घरेलू और आयातित उत्पाद के बीच और आयातित उत्पादों में परस्पर प्रतिस्पर्धा होने की अत्यधिक भिन्न दशाएं हैं। संचयी मूल्यांकन करने के लिए अपेक्षित सभी दशाएं पूरी हैं।
  - (37) कीमतों में कटौती इस तथ्य के कारण थी कि पाटन के कारण घरेलू उद्योग अपने उत्पाद को नहीं बेच सका था।
  - (38) लागत में कमी इनपुट में गिरावट के कारण नहीं थी, बल्कि यह उत्पादन में वृद्धि तथा नियत लागत में वृद्धि होने के कारण थी। इस प्रकार लागतों में गिरावट परिवर्तन लागतों में गिरावट आने के कारण है।
  - (39) जैसा कि याचिकादाता की लेखा परीक्षा रिपोर्ट में उल्लिखित किया गया है, राजस्व में वृद्धि इस तथ्य को क्षीण नहीं कर सकती है कि याचिकादाता को क्षति अवधि के दौरान घाटे हो रहे थे।
  - (40) एक हितबद्ध पक्षकार के इस तर्क के संबंध में कि घरेलू उद्योग द्वारा नियोजित पूंजी में घरेलू उद्योगद्वारा प्रत्येक वर्ष क्षमता बढ़ाने के अनुचित निर्णय के कारण उतार चढ़ाव हो रहा है, घरेलू उद्योग का यह निवेदन है कि घरेलू उद्योग की क्षमता सदैव सुसंगत रही है। चूंकि उसने अगस्त, 2014 में वाणिज्यिक उत्पादन करना शुरू किया है, जब उसकी क्षमता 222,222 वर्गमीटर की थी, अन्य प्रकार से उसकी वार्षिक क्षमता 333,333 वर्गमीटर (एक शिफ्ट के आधार पर) है।
  - (41) विचाराधीन उत्पाद की मांग, घरेलू उद्योग द्वारा स्थापित की गई क्षमता को यथोचित ठहराती है।
  - (42) पाटन-रोधी पद्धतियों से संबंधित समिति (ग) की सिफारिशों के अनुसार क्षति की जांच करने के लिए आंकड़ों का संग्रहण करने की अवधि सामान्यतया कम से कम तीन वर्ष की होनी चाहिए, जब तक कि ऐसा पक्षकार, जिससे आंकड़े संग्रहीत किए जा रहे हैं, कमतर अवधि से विद्यमान नहीं होता है और उसमें पाटन की जांच के लिए आंकड़ों के संग्रहण की समग्र अवधि को शामिल किया जाना चाहिए। इस प्रकार वर्तमान जांच में वाणिज्यिक उत्पादन के शुरू होने की तारीख से आंकड़े उपलब्ध हैं और उन पर विचार किया गया है।
74. कारणात्मक संबंध के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-
- (1) संबद्ध देश से भिन्न देशों से आयात अत्यधिक नहीं हैं।
  - (2) जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद की मांग बहुत अधिक है और इसलिए इसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकती है।
  - (3) पाटन-रोधी करार अथवा नियमावली में सूचीबद्ध अन्य ज्ञात कारकों यथा निर्यात निष्पादन, प्रोद्योगिकी, कंपनी के अन्य उत्पादों का निष्पादन और व्यापारिक प्रतिबंधित पद्धतियों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है।
  - (4) पाटित आयातों के कारण हो रही कीमत में कटौती, घरेलू उद्योग को उचित कीमत प्रभारित करने से रोक रही है।
  - (5) संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कीमत ह्रास के प्रभाव के फलस्वरूप घरेलू उद्योग को अत्यधिक वित्तीय घाटे हुए हैं।
  - (6) अत्यधिक वित्तीय घाटों के फलस्वरूप नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ और नकदी लाभ में गिरावट आई है।
  - (7) घरेलू उद्योग की संवृद्धि अनेक कीमत प्राचलों के रूप में नकारात्मक है। विभिन्न मात्रात्मक प्राचलों के संबंध में संवृद्धि अनुमानित स्तरों से बहुत कम है।
  - (8) संबद्ध देशों से आयातों के बाजार का हिस्सा, अत्यधिक ऊंचे स्तर पर बना हुआ है।

- (9) पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग पाटित उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्रियों की मात्रा के प्रत्याशित स्तर को प्राप्त नहीं कर सका है।
- (10) जब कि उत्पादन बहुत कम है, फिर भी याचिकादाता के पास माल सूचियां इकट्ठी जमा हो रही हैं।
- (11) चूंकि घरेलू उद्योग ने अगस्त, 2014 से वाणिज्यिक उत्पादन करना शुरू किया है, घरेलू उद्योग द्वारा नियत की गई कीमतें, आयातित कीमतों की मानक थीं।
- (12) एक हितबद्ध पक्षकार के इस तर्क के संबंध में कि घरेलू उद्योग को यदि कोई क्षति हुई है, तो वह उत्पादन शुरू करने की लागत के कारण हुई है, घरेलू उद्योग को उत्पादन शुरू करने की लागतों के लिए समायोजन करने पर कोई आपत्ति नहीं है।
- (13) एक हितबद्ध पक्षकार के इस तर्क के संबंध में कि घरेलू उद्योग को यदि कोई क्षति, हुई है, तो वह बाजार का अवास्तविक विश्लेषण के कारण है, याचिकादाता का निवेदन है कि उसने पहले से परियोजना रिपोर्ट को रिकार्ड में उपलब्ध कराया है, जो यह दर्शाती है कि उसने एक अर्थक्षम परियोजना की संकल्पना की है। याचिकादाता द्वारा स्थापित की गई क्षमता, देश में उत्पाद की वर्तमान मांग के समनुरूप है, जिसमें भविष्य में वृद्धि होने की संभावना है।
- (14) एक हितबद्ध पक्षकार के इस तर्क के संबंध में कि घरेलू उद्योग को यदि कोई क्षति, हुई है, तो वह तकनीकी जानकारी और याचिकादाता की प्रतिष्ठा नहीं होने के कारण हुई है, याचिकादाता का निवेदन है कि देश में याचिकादाता का नाम सुविख्यात है, जिसका नेटवर्क 14,000 व्यापारियों/संवितरकों का है और इसलिए वह घरेलू उद्योग की क्षति का कारण नहीं हो सकता है, जब कि चीन के जिन उत्पादकों ने अत्यधिक मात्रा में उत्पाद को बेचा है, उनके नाम अज्ञात हैं।

#### **अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन**

75. वर्तमान जांच की कार्यवाई के दौरान क्षति के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक पाए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (1) घरेलू उद्योग ने आर्थिक मंदी होने का दावा किया है। तथापि, घरेलू उद्योग ने अगस्त, 2014 से अर्थात् जांच अवधि से एक वर्ष पहले प्रचालन करना शुरू किया है, जब कि वह अवस्थापना के प्रारंभिक चरण में था।
- (2) संबद्ध देशों से आयात की मात्रा में वृद्धि हुई है, लेकिन वह मांग बढ़ने और अन्य देशों से आयातों में कमी होने के कारण हुई है।
- (3) मलेशिया, इंडोनेशिया और यूरोपीय यूनियन से आयातों की मात्रा में गिरावट आई है।
- (4)
- (5) वर्ष 2013-14 से ले कर जांच अवधि तक संबद्ध देशों और घरेलू उद्योग की कीमतों में गिरावट आने की प्रवृत्ति दृष्टिगत हुई है। कीमतों में ऐसी कमी, कच्चे माल की कीमतों और लागतों में कमी होने के कारण हो सकती है।
- (6) जांच अवधि के दौरान क्षमता, उत्पादन और क्षमता उपयोग में वृद्धि हुई है तथा उत्पादन और बिक्रियों की मात्रा, क्रमशः 160% और 350% तक बढ़ गई है।
- (7) घरेलू बिक्रियां उत्पादन में वृद्धि होने के समनुरूप है।
- (8) हालांकि आयातों में वृद्धि हुई है, लेकिन साथ ही मांग और घरेलू उद्योग के बाजार के हिस्से में भी वृद्धि हुई है। आयातों के बाजार का हिस्सा कम हुआ है।
- (9) माल सूचियों में गिरावट आई है।
- (10) यूरोपीय यूनियन से आयातों से कोई कीमत कटौती नहीं हुई है। याचिकादाता के निजी दावे के अनुसार चूंकि याचिकादाता ने अपना उत्पादन शुरू कर दिया है, कीमत में कटौती होना विकट रूप से कम हुआ है।
- (11) कीमत में कटौती होना स्वतः क्षति होने का एक कारक नहीं है।
- (12) घरेलू उद्योग ने कम कीमत पर बिक्री करने के संबंध में कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की है।
- (13) आयातित वस्तुओं के अत्यधिक मंहगा होने के कारण उनका घरेलू कीमतों को ह्रास करने का कोई प्रभाव नहीं पड़ सकता है।

- (14) यूरोपीय यूनियन की निर्यात कीमत सदैव अन्य आयातों से अधिक रही है और इस प्रकार वे अन्य संबद्ध देशों से आयातित वस्तुओं की कीमतों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर रही हैं।
- (15) यूरोपीय यूनियन के आयातों को अन्य स्रोतों से आयातों के साथ संचित नहीं किया जाना चाहिए।
- (16) जांच अवधि के दौरान घाटों के संबंध में याचिकादाता की दशा में सुधार हुआ है और उसके सुधार की गति तेज हो रही है।
- (17) आधार वर्ष 2013-14 की तुलना में जांच अवधि में लागत में 40% तक की कमी हुई है। तथापि, बिक्री कीमत में केवल 20% तक की कमी हुई है। संगठन के भीतर व्यय के कुछ अन्य शीर्षों के अंतर्गत याचिकादाता का लाभ समाप्त हुआ है।
- (18) प्रत्येक वर्ष घरेलू उद्योग की क्षमता बढ़ाने के अनुपयुक्त निर्णय के कारण घरेलू उद्योग की नियोजित पूंजी घट-बढ़ नहीं है।
- (19) याचिकादाता बाजार में नया प्रवेशकर्ता है। उसने हाल ही में 120 करोड़ रुपए का पूंजीगत व्यय किया है और (वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार) उसकी नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ 17% दर्शा रहा है।
- (20) वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार याचिकादाता 292% की स्वस्थ दर से उन्नति कर रहा है। वर्ष 2015-2016 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार विनीर और संबद्ध उत्पादों के लिए उसके निबल राजस्व में 40% तक की वृद्धि हुई है।
- (21) (वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार) उसकी बिक्रियों, उत्पादन और राजस्व में क्रमशः 292%, 170%, और 234% तक की वृद्धि हुई है।
- (22) मेसर्स ग्रीनियम इंडस्ट्रीज लिमिटेड की लेखा-परीक्षा रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 215 की तुलना में वर्ष 2016 में विनीर और संबद्ध उत्पादों से राजस्व में वृद्धि हुई है।
- (23) याचिका में याचिकादाता ने घरेलू उद्योग में क्षति का परिकलन करते समय संबद्ध देशों से अपने आयातों को शामिल किया है। ऐसे मामले में क्षति का दावा गलत है।
- (24) घरेलू उद्योग ने असमान्य रूप से अत्यधिक क्षमताएं स्थापित की हुई हैं।
- (25) यदि कोई क्षति हुई है, तो वह उसकी अकुशलताओं और कुप्रबंधन के कारण है, जो कि इस तथ्य से पता चलता है कि उसने विपणन के सिद्धांत की अवहेलना करके देश में कुल मांग से अधिक बहुत बड़े पैमाने पर उत्पादन क्षमता स्थापित की है।
- (26) घरेलू उद्योग प्राधिकारी को यह निवेदन करके भ्रमित कर रहा है कि उसकी बिक्री कीमत की तुलना में आयात सस्ते हैं। घरेलू उद्योग अतुलनीय स्थिति की तुलना कर रहा है, जो कि विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से पता चलता है, जैसा कि याचिका में वर्णित किया गया है और आवेदन-पत्र में आंकड़ों को पृथक् करने की कार्य-प्रणाली उल्लिखित की गई है।
- (27) प्राधिकारी द्वारा जांच शुरू करने का निर्णय कम उत्पादन, बिक्रियों, क्षमता उपयोग और बाजार के हिस्से पर आधारित है। अनुबंध-2 के अनुसार जांच शुरू करने के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने जिन सभी प्राचलों पर विश्वास किया है, उनमें अनिवार्य रूप से "गिरावट" दृष्टिगत होनी चाहिए। यदि उक्त कारकों में "कमी" होने का दावा किया जाता है, तो यह पर्याप्त नहीं है।
- (28) दो प्रकार की क्षति अर्थात् घरेलू उद्योग की अवस्थापना में आर्थिक मंदी और आर्थिक क्षति एक साथ विद्यमान नहीं हो सकती है, जैसा कि नियम 11 और भाग 9-ख में "अथवा" शब्द के प्रयोग से पता चलता है, प्राधिकारी को "आर्थिक मंदी" अथवा "आर्थिक क्षति" का निदान करने की शक्ति प्राप्त है।
- (29) "क्षति" से ऐसा अनुमान लगता है कि उद्योग पहले से ही स्थापित है, जबकि "आर्थिक मंदी" ऐसी स्थिति का आभास होता है, जिसमें उद्योग स्वतः स्थापित होने की प्रक्रिया में है।
- (30) यह दावा पूर्णतया गलत है कि अनुबंध-2 में सभी प्रकार की क्षति का उल्लेख है। "क्षति" का संयुक्त उल्लेख केवल किसी भी प्रकार की क्षति के लिए अपनाई जाने वाली क्रिया-विधि के परिप्रेक्ष्य में है। नियम 11 और भाग 9-ख के प्रयोजनार्थ इन दोनों शब्दावलिओं का प्रयोग एक दूसरे के स्थान पर किया जा सकता है, जहां भिन्नता पूर्णतया स्पष्ट है।
- (31) घरेलू उद्योग, कानूनी अथवा तथ्यपरक अनुमान के आधार पर भी घरेलू उद्योग की अवस्थापना में "आर्थिक मंदी" होने की स्थिति का दावा करने में बुरी तरह से विफल रहा है।
- (32) घरेलू उद्योग का मामला ऐसी श्रेणी में भी नहीं आता है, जिसमें घरेलू उद्योग ने वाणिज्यिक उत्पादन करना शुरू नहीं किया है और वह व्यवसाय के उदीयमान चरण में है।

- (33) कोई भी उद्योग तर्क संगत रूप से “आर्थिक मन्दी” का दावा नहीं कर सकता है, जब कि यह प्रमाणित तथ्य है कि वह लगभग 2 वर्षों से वाणिज्यिक उत्पादन कर रहा है और उसने कुल घरेलू मांग के लगभग 17% अंश को पहले से ही अधिग्रहीत किया हुआ है।
- (34) “पाटन-रोधी और एससीएम करार के समेकित अध्यक्ष पाठ्य के प्रारूप” के अनुसार जिस पर याचिकादाता ने पहले से विश्वास किया है, “आर्थिक मन्दी” के प्रावधान को वहां लागू नहीं किया जा सकता है, जहां उद्योग ने स्वीकार किया है कि वह 2 वर्षों से वाणिज्यिक उत्पादन कर रहा है।
- (35) यतः “आर्थिक मन्दी” के लिए घरेलू उद्योग के दावे को उद्धृत करने के बाद जांच शुरू करने की अधिसूचना जारी करने के बाद घरेलू उद्योग की क्षति के लिए जांच शुरू की गई है। एक अर्ध-न्यायिक न्यास होने के नाते निर्दिष्ट प्राधिकारी, जांच शुरू करने से संबंधित प्रकाशित और जांच पक्षकारों को प्रेषित की गई अधिसूचना के कार्य-क्षेत्र से आगे नहीं जा सकते हैं।
- (36) ऐसे किसी भी कारक में कोई “गिरावट” नहीं आई है, जिस पर प्राधिकारी ने विश्वास किया है। इस प्रकार “उपयुक्तता और परिशुद्धता” के साथ-साथ “पर्याप्तता” की कानूनी आवश्यकता की पूर्णतया कमी है।
- (37) चूंकि आयातित वस्तुएं घरेलू उत्पादों से महंगी होती हैं, आरोपित क्षति और आयातों के बीच कोई सह-संबंध नहीं है।
- (38) घरेलू उद्योग की स्थिति के लिए अन्य कारक जिम्मेदार हैं, जैसे कि शुरू करने की लागतों के प्रभाव, बाजार का अवास्तविक विश्लेषण, बहुत कम समय में लाभ प्राप्त करने की अवास्तविक प्रत्याशा तथा तकनीकी जानकारी की कमी और प्रतिष्ठा का नहीं होना।
- (39) वर्ष 2013 से 2016 तक संबद्ध देशों से आयातों में वृद्धि होने का कारण पाटन नहीं है, बल्कि भारतीय बाजार में मांग में द्रुत वृद्धि होने के साथ-साथ निचले स्तर के उद्योग का तेजी से विकास होना है।

### **प्राधिकारी द्वारा जांच**

76. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदनों को नोट कर लिया है। प्राधिकारी ने पाटन-रोधी नियमावली के अनुसार तथा हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदनों पर विचार करके दोनों प्रकार की क्षति अर्थात् “आर्थिक क्षति” और “आर्थिक मन्दी” की जांच की है।

77. इस तर्क के संबंध में कि जांच शुरू करने से संबंधित अधिसूचना में “आर्थिक मन्दी” का उल्लेख नहीं किया गया है, प्राधिकारी जांच शुरू करने की अधिसूचना के पैरा 14 को नोट करते हैं, जिसका पाठ निम्नानुसार है:-

*“आवेदक ने दावा किया है कि घरेलू उद्योग को पाटित आयातों से पर्याप्त “आर्थिक क्षति” हुई है जैसा कि विभिन्न मापदंडों द्वारा दर्शाया गया है। जैसे कुल रूप में आयातों में उल्लेखनीय वृद्धि, मूल्य ह्रास, कम कीमत पर बिक्री और मूल्य तालिका, लाभदायिकता, नियोजित पूंजी पर आय और घरेलू उद्योग के नकदी प्रवाह पर परिणामी विपरीत प्रभाव पड़ना। आवेदक ने यह भी दावा किया है कि विचारधीन उत्पाद का पाटन घरेलू उद्योग की अवस्थापना में पर्याप्त रूप से “आर्थिक मन्दी” आई है। देश में उत्पादन की मांग पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग का उत्पादन, बिक्री, क्षमता उपयोग और बाजार में हिस्सा काफी निम्न है और यह विचार करते हुए कि घरेलू उद्योग ने कुछ समय पहले ही वाणिज्यिक उत्पादन आरंभ किया था। अतः पाटन-रोधी जांच की शुरुआत को न्यायोचित बनाने के लिए संबद्ध देशों से कथित पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग द्वारा झेली जा रही ‘क्षति’ के पर्याप्त प्रथम दृष्टया प्रमाण हैं।”*

78. यह नोट किया जाता है कि जांच शुरू करने की अधिसूचना में दोनों प्रकार की क्षति अर्थात् “आर्थिक क्षति” और “आर्थिक मन्दी” का उल्लेख है। इस तर्क के संबंध में कि याचिकादाता का व्यवसाय उदीयमान चरण में नहीं है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने मात्र अगस्त, 2014 में संबद्ध वस्तुओं का अपना वाणिज्यिक उत्पादन करना शुरू किया है और एक शिफ्ट के आधार पर सूचित क्षमता (जब कि ऐसी स्थापित क्षमताओं के लिए तीन शिफ्टों के आधार पर प्रचालन किया जाता है) का उपयोग किए जाने के बावजूद घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग बहुत कम है। घरेलू उद्योग तीन शिफ्टों के आधार पर अपने उत्पादन का प्रचालन करने और उत्पादन की उन क्षमताओं का उपयोग करने में सक्षम नहीं है, जो कि याचिकादाता ने अपने पूर्वानुमान के आधार पर संयंत्र स्थापित करते समय परिकल्पना की थी।

79. इस तर्क के संबंध में कि मांग में वृद्धि होने के कारण आयातों में वृद्धि हुई है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि आयातों में उस समय भी वृद्धि हुई है, जबकि घरेलू उद्योग ने ऐसा स्वीकार किया है कि उसके पास घरेलू मांग से अधिक क्षमताएं हैं और वह उन किस्मों के उत्पाद का

उत्पादन करने और बेचने में सक्षम है, जिनकी अधिक मांग है। वर्ष 2014 तक भारत में संबद्ध वस्तुओं का कोई घरेलू उत्पादक नहीं था, इसलिए समस्त मांग की पूर्ति आयातों से की जा रही थी। घरेलू उद्योग ने पर्याप्त क्षमताएं स्थापित की हैं, लेकिन वह क्षमता उपयोग के लक्षित स्तरों तक पहुंच नहीं पाया है, जिसके फलस्वरूप उसकी क्षमता उपयोग कम हुआ है, जो कि निराशाजनक है।

80. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के इस तर्क के संबंध में कि विगत अवधि की तुलना में जांच अवधि में घरेलू उद्योग की आर्थिक प्राचलों में सुधार हुआ है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन की जांच, उसके अस्तित्व में आने के समय से की गई है। तदनुसार, किसी भी उत्पादक को समय पर अपने उत्पादन और बिक्रियों के संबंध में अपने कार्य-निष्पादन में सुधार लाने के लिए कदम उठाने पड़ते हैं। ऐसे कदमों के परिणामस्वरूप क्षमता उपयोग में धीरे-धीरे सुधार होता है। तथापि, यदि घरेलू उद्योग की स्थापित क्षमताओं पर विचार किया जाता है, तो उसका क्षमता उपयोग निम्न स्तर पर बना हुआ है, जो कि निराशाजनक है। इस प्रकार घरेलू उद्योग द्वारा बाजार में स्वयं को स्थापित करने के लिए किए गए प्रयासों से क्षति अवधि के दौरान उसके उत्पादन और बिक्रियों में वृद्धि होने का पता चलता है, हालांकि उसे घाटे हुए हैं।

81. यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना सह दर्शाती है कि क्षति अवधि के दौरान उसके कार्य-निष्पादन में गिरावट आई है। जबकि घरेलू उद्योग की अवस्थापना की आर्थिक मन्दी का मूल्यांकन करने के लिए अपनाई जाने वाली कार्य-प्रणाली पर कोई विशिष्ट नियम नहीं हैं, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के अस्तित्व में आने के समय से उसके कार्य-निष्पादन की जांच की है और उसके वास्तविक कार्य-निष्पादन की तुलना, उसके संयंत्र स्थापित करने के समय प्रत्याशित कार्य-निष्पादन के साथ की है। इस मामले में आवेदक ने भारत में संबद्ध वस्तुओं के संबंध में स्वयं को स्थापित करने के प्रयास किए हैं, जैसा कि इस तथ्य से पता चलता है कि संयंत्र स्थापित किया गया है और उस पर पर्याप्त निवेश किया गया है। लेकिन अनुमानित/नियोजित स्तर पर अर्थक्षम वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करने से पहले पाटित आयातों ने उसे विद्यमान मांग को पूरा करने के लिए भी अपनी क्षमता का उपयोग करने नहीं दिया। इन परिस्थितियों में प्राधिकारी ने इसकी जांच की है कि क्या घरेलू उद्योग को क्षति हुई है और घरेलू उद्योग की अवस्थापना में मन्दी आई है।

82. इस तर्क के संबंध में कि आर्थिक क्षति और आर्थिक मन्दी एक साथ विद्यमान नहीं हो सकती है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि विधि के अंतर्गत एक से अधिक प्रकार की क्षति की जांच करने पर कोई प्रतिबंध नहीं है। प्राधिकारी उन मामलों में घरेलू उद्योग की अवस्थापना की आर्थिक क्षति और आर्थिक मन्दी की जांच कर रहे हैं, जिनमें घरेलू उद्योग का लंबे समय तक कार्य-निष्पादन नहीं हुआ है और घरेलू उद्योग ने हाल ही में उत्पादन क्षमताएं स्थापित की हैं। प्राधिकारी घरेलू उद्योग के अस्तित्व में आने की सीमा तक उसके कार्य-निष्पादन की जांच कर रहे हैं और घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन की तुलना उसके अनुमानित कार्य-निष्पादन के साथ कर रहे हैं।

83. इस तर्क के संबंध में कि जांच अवधि के दौरान यूरोपीय यूनियन के आयात लगभग 20% भाग बनते हैं, जबकि चीन से आयात 2.5 गुना थे और यूरोपीय यूनियन, मलेशिया और इंडोनेशिया से आयातों की मात्रा में कमी आई है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि यूरोपीय यूनियन, मलेशिया और इंडोनेशिया से आयातों की मात्रा में कमी होने का यह अभिप्राय नहीं है कि इनके कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है। प्राधिकारी ने पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-2 के अनुसार संबद्ध देशों से संचयी रूप से हुई घरेलू उद्योग की क्षति की जांच की है। जांच की कार्यवाही के दौरान यह पाया गया है कि मलेशिया से आयात गैर-पाटित थे, इसलिए प्राधिकारी ने मलेशिया के हिस्से का परिकलन करने समय उससे हुए आयातों की मात्रा को, संबद्ध देशों से हुए कुल आयातों से बाहर निकाल दिया है। मलेशिया से हुए गैर-पाटित आयातों को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने मलेशिया के विरुद्ध जांच को समाप्त कर दिया है। इसको ध्यान में रखते हुए पाटन और क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ मलेशिया से हुए आयातों की मात्रा पर विचार नहीं किया गया है। इसलिए इस जांच में अब चीन जनवादी गणराज्य, इंडोनेशिया और यूरोपीय यूनियन संबद्ध देश बनते हैं।

### **संचयी मूल्यांकन**

84. पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-2 के पैरा (3) में ऐसी व्यवस्था है कि यदि एक से अधिक देश से किसी उत्पाद के हुए आयात के साथ-साथ पाटन-रोधी जांच की जा रही है, तो निर्दिष्ट प्राधिकारी उस स्थिति में ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण करेंगे, जब वह यह निर्धारित करें कि:-

- (क) प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में पुष्टिकृत पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त दो प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से हुए आयात की मात्रा, समान वस्तु के आयात की मात्रा की 3 प्रतिशत (या अधिक) है अथवा जहां किसी विशेष देश के निर्यात 3 प्रतिशत से कम है, वहां संचयी रूप से आयात समान वस्तु के आयात के सात प्रतिशत से अधिक बनते हैं; तथा
- (ख) आयातित वस्तु और समान घरेलू वस्तुओं के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के आलोक में आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है।

85. प्राधिकारी नोट करते हैं कि -

- (क) संबद्ध देशों से भारत में संबद्ध वस्तुओं का पाटन किया जा रहा है। प्रत्येक संबद्ध देश से पाटन का मार्जिन, नियमावली में निर्धारित न्यूनतम सीमाओं से अधिक है।
- (ख) प्रत्येक संबद्ध देश से आयातों की मात्रा, आयातों की कुल मात्रा का पृथक् रूप से तीन प्रतिशत से अधिक है।
- (ग) आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन करना उपयुक्त है क्योंकि संबद्ध देशों से निर्यात न केवल सीधे परस्पर प्रतिस्पर्धा करते हैं, बल्कि भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा पेश की जा रही समान वस्तुओं के साथ भी प्रतिस्पर्धा करते हैं।

86. उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी का यह विचार है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के निर्यातों से हुई घरेलू उद्योग की क्षति का संचयी रूप से मूल्यांकन करना उचित होगा।

87. अनुबंध-2 के साथ पठित पाटन-रोधी नियमावली के नियम-11 में किसी क्षति के निर्धारण में यह उपबंध है कि किसी क्षति जांच में "..... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत कारकों को ध्यान में रखते हुए....." ऐसे कारकों की जांच शामिल होगी, जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का पता चल सकता हो। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात पर विचार करना आवश्यक है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से की कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।" पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-2 के अनुसार भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सूचकों, जैसे कि उत्पादन, क्षमता, क्षमता उपयोग, बिक्रियों की मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निबल बिक्री वसूली, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि पर विचार किया गया है।

88. क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक पाए गए निवेदनों की जांच की गई है और उनका निदान नीचे किया गया है।

## **छ. 2. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव**

### **(क) मांग/प्रत्यक्ष खपत का मूल्यांकन**

89. प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ भारत में उत्पादन की मांग अथवा प्रत्यक्ष खपत को भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्रियों और सभी स्रोतों से आयातों के योगफल के रूप में लिया है। इस प्रकार से मूल्यांकित मांग से पता चलता है कि क्षति अवधि के दौरान उसमें वृद्धि हुई है, जैसा कि नीचे तालिका में दर्शाया गया है। आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान मांग में वृद्धि हुई है।

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच अवधि
भारत में मांग					
घरेलू उद्योग की बिक्रियां	वर्गमीटर	-	17,321	64,753	78,584
संबद्ध देशों से आयात	वर्गमीटर	247,480	302,964	331,445	313,622
चीन जनवादी गणराज्य	वर्गमीटर	144,500	225,889	192,366	199,792
इंडोनेशिया	वर्गमीटर	11,592	7,829	19,631	17,657
यूरोपीय यूनियन	वर्गमीटर	91,388	69,246	119,448	96,173
अन्य देशों से आयात	वर्गमीटर	60,687	45,096	60,293	47,749
कुल मांग/खपत	वर्गमीटर	308,167	365,381	456,490	439,954

**(ख) संबद्ध देशों से आयात की मात्रा**

90. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में प्राधिकारी को इस पर विचार करने की आवश्यकता होती है कि क्या संबद्ध देशों से आयातों में समग्र रूप से अथवा भारत में उत्पादन या खपत के संबंध में अत्यधिक वृद्धि हुई है। संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों की मात्रा का विश्लेषण किया गया है, जो कि निम्नानुसार है:-

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच अवधि
आयात की मात्रा					
संबद्ध देश	वर्गमीटर	247,480	302,964	331,445	313,622
चीन जनवादी गणराज्य	वर्गमीटर	144,500	225,889	192,366	199,792
इंडोनेशिया	वर्गमीटर	11,592	7,829	19,631	17,657
यूरोपीय यूनियन	वर्गमीटर	91,388	69,246	119,448	96,173
अन्य देश	वर्गमीटर	60,687	45,096	60,293	47,749
कुल आयात	वर्गमीटर	308,167	348,060	391,737	361,371

91. यह देखा गया है कि क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों में समग्र रूप से वृद्धि हुई है। आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से आयातों ने वृद्धि दर्शाई है। वास्तव में समस्त क्षति अवधि के दौरान संबद्ध आयातों में वृद्धि हुई है, लेकिन जांच अवधि के दौरान उनमें मामूली गिरावट आई है।

**(ग) तुलनात्मक दृष्टि से संबद्ध देशों से आयात**

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच अवधि
विषय देशों के शेषों के संबंध में आयात					
भारत में कुल आयात	%	80.31%	87.04%	84.61%	86.79%
भारत में मांग	%	80.31%	82.92%	72.61%	71.29%
उत्पाद	%	-	1125.52%	455.15%	448.45%
घरेलू बिक्रियों	%	-	1749.14%	511.86%	399.09%

92. यह देखा गया है कि भारत में प्रवेश कर रहे कुल आयातों के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन शुरू करने के परिणामस्वरूप संबद्ध देशों से पाटित आयातों का हिस्सा बढ़ गया है। तथापि, क्षति अवधि में भारतीय मांग, उत्पादन और घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्रियों के संबंध में संबद्ध आयातों के हिस्से में गिरावट आई है।

**(घ) कुल आयातों में संबद्ध आयातों का हिस्सा**

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच अवधि
संबद्ध देश	%	80.31	87.04	84.61	86.79
चीन जनवादी गणराज्य	%	46.89	64.90	49.11	55.29
इंडोनेशिया	%	3.76	2.25	5.01	4.89
यूरोपीय यूनियन	%	29.66	19.89	30.49	26.61
अन्य देश	%	19.69	12.96	15.39	13.21

93. यह देखा गया है कि क्षति अवधि के दौरान भारत में विचाराधीन उत्पाद के आयातों में संबद्ध देशों से पाटित आयातों के हिस्से में वृद्धि हुई है। जांच अवधि के दौरान कुल आयातों में संबद्ध देशों से आयातों का हिस्सा लगभग 87% है, जो कि अत्यधिक है।



**(ड) मांग में बाजार का हिस्सा**

94. विभिन्न स्रोतों से आयातों और घरेलू उद्योग की बिक्रियों पर विचार करते हुए भारत में मांग में संबद्ध आयातों के बाजार के हिस्से की जांच की गई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान संबद्ध आयातों के बाजार के हिस्से में वृद्धि हुई है। तथापि, जब कि घरेलू उद्योग की क्षमताएं देश में मांग से बहुत अधिक हैं, फिर भी आयात, बाजार के अधिकतर हिस्से को हथियाए हुए हैं और यह जांच अवधि के दौरान अत्यधिक अर्थात् 72% था।

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच अवधि
घरेलू उद्योग की बिक्रियां	%	-	4.74	14.18	17.86
संबद्ध देशों से आयात	%	80.31	82.92	72.61	71.29
चीन जनवादी गणराज्य	%	46.89	61.82	42.14	45.41
इंडोनेशिया	%	3.76	2.14	4.30	4.01
यूरोपीय यूनियन	%	29.66	18.95	26.17	21.86
अन्य देशों से आयात	%	19.69	12.34	13.21	10.85

**ज. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के कीमत प्रभाव**

95. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में इसका विश्लेषण करने की आवश्यकता है कि क्या भारत में समान उत्पादों की कीमतों की तुलना में आरोपित पाटित आयातों द्वारा कीमत में अत्यधिक कटौती की जा रही है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव अन्यथा कीमतों में अत्यधिक ह्रास करते या कीमतों में वृद्धि को रोकते, जो कि सामान्य दशा में अन्यथा अत्यधिक मात्रा में हो गई होती। तदनुसार, संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर पड़ने वाले प्रभाव की जांच, कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री होने, कीमत ह्रास और कीमत न्यूनिकरण, यदि कोई हुआ है, के संदर्भ में की गई है। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत, निबल बिक्री वसूली (एनएसआर) और क्षति कीमत (एनआईपी) की तुलना, संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों की भारित औसत पहुंच लागत के साथ की गई है।

**(क) कीमत कटौती**

96. कीमत कटौती का विश्लेषण करने के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की निबल बिक्री कीमत की तुलना संबद्ध देशों से आयातों के पहुंच मूल्य के साथ की गई है। घरेलू उद्योग की निबल बिक्री कीमत का परिकलन करते समय पाटित आयातों के पहुंच मूल्य के साथ तुलना करने के लिए सभी करों, छूटों, डिस्काउंट्स और कमीशनों को घटाया गया है और कार्यगत स्तर पर बिक्री वसूली निर्धारित की गई है। तदनुसार, संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कीमत में कटौती करने के प्रभाव का आकलन किया गया है, जो कि निम्नानुसार है:-

विवरण	यूनिट	चीन जनवादी गणराज्य	यूरोपीय यूनियन	इंडोनेशिया	संबद्ध देश
पहुंच मूल्य	रुपए/वर्गमीटर	1,300	1,535	1,389	1,374
निबल बिक्री वसूली	रुपए/वर्गमीटर	***	***	***	***
कीमत कटौती	रुपए/वर्गमीटर	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***
कीमत कटौती	% सीमा	35-45	25-35	30-40	30-40

97. संबद्ध देशों से कीमत कटौती सकारात्मक और अत्यधिक है।

**सहयोगी निर्यातकों द्वारा कीमत कटौती**

क्रम संख्या	देश	उत्पादक	निर्यात	एनएसआर - अमरीकी डॉलर/वर्गमीटर	पहुंच मूल्य - अमरीकी डॉलर/वर्गमीटर	कीमत कटौती - अमरीकी डॉलर/वर्गमीटर	कीमत कटौती - %	कीमत कटौती सीमा- %
1	यूरोपीय यूनियन	यूएबी बोओईएन	यूएबी बोओईएन	***	***	***	***	नकारात्मक
2	यूरोपीय यूनियन	टार्केट पोल्सका स्पे. जेडओओ	टार्केट हांगकांग	***	***	***	***	नकारात्मक

98. यह नोट किया जाता है कि यूएबी बीओईएन, यूरोपीय संघ और टार्केट पोल्सका स्पे. जेडओओ, पोलैंड (उत्पादक) तथा टार्केट, हांगकांग (निर्यातक) से कीमत कटौती नकारात्मक है।

**(ग) कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण**

99. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या पाटित आयात, घरेलू कीमतों का ह्रास कर रहे हैं अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से अत्यधिक स्तर पर कीमत ह्रास हुआ है और कीमत में वृद्धि करने में रूकावट आई है, जो कि सामान्य स्थिति में अन्यथा अत्यधिक सीमा तक हो जाती, क्षति अवधि के दौरान लागत और कीमतों में हुए परिवर्तन की तुलना की गई है, जिसे नीचे तालिका में दर्शाया गया है:-

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच अवधि
घरेलू बिक्रियों की लागत	रुपए/वर्गमीटर	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-	100	62	61
घरेलू बिक्री कीमत	रुपए/वर्गमीटर	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-	100	84	80
संबद्ध देशों से पहुंच मूल्य	रुपए/वर्गमीटर	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	118	102	94

100. उपरोक्त से यह नोट किया जाता है कि समग्र क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत, घरेलू उद्योग की लागत से कम रही है। विगत वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से आयातों के पहुंच मूल्य में गिरावट आई है। समग्र क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देशों से निर्यातकों ने संबद्ध वस्तुओं को, घरेलू उद्योग की लागत और बिक्री कीमत से कम पर बेचा है। जबकि वर्ष 2014-15 के दौरान घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत, उत्पादन को शुरू करने के कारण बहुत अधिक थी और उत्पादन का स्तर भी बहुत कम था, उत्पादन में वृद्धि होने से उसमें गिरावट आई है। तथापि, उसकी बिक्री कीमत उत्पादन की लागत और आयातों की पहुंच कीमत से कम बनी रही है, जो कि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से बहुत कम बनी हुई थी। इस प्रकार यह देखा गया है कि आयात, बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों का ह्रास कर रहे थे।

**(घ) कम कीमत पर बिक्री**

101. घरेलू उद्योग का गैर-हानिकारक मूल्य (एनआईपी) निर्धारित किया गया है और कीमतों के आधार पर आने के लिए विषय वस्तु के उभरती मूल्य के साथ तुलना की गई है। विचाराधीन उत्पाद के एनआईपी को जांच की अवधि के लिए उत्पादन की लागत से संबंधित सत्यापित जानकारी / आंकड़ों को अपनाने के द्वारा निर्धारित किया गया है। चूंकि याचिकाकर्ता ने एक बदलाव काम के साथ ही 2014 में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किया है, क्षमता उपयोग का वास्तविक स्तर बहुत कम है, एक शिफ्ट ऑपरेशन पर विचार करते हुए 100%

क्षमता उपयोग को अपनाया गया है। परियोजना रिपोर्ट के अनुसार अधिकतम क्षमता 800000 वर्ग मीटर तक मूल्यांकन की जाती है। लेकिन कंपनी 2015-16 की अपनी वार्षिक रिपोर्ट में बताती है कि कंपनी 1000000 वर्ग मीटर का उत्पादन कर सकती है। विश्लेषण से पता चलता है कि जांच की अवधि के दौरान, विषय आयात के उतराए गए मूल्य घरेलू उद्योग के गैर-हानिकारक मूल्य से नीचे थे, जैसा कि नीचे दी गई तालिका से देखा जा सकता है, जो सकारात्मक मूल्य का प्रभाव दिखा रहा है।

कम कीमत पर बिक्री	यूनिट	चीन जनवादी गणराज्य	इंडोनेशिया	यूरोपीय यूनियन
क्षति रहित कीमत	अमरीकी डॉलर प्रति वर्गमीटर	***	***	***
पहुंच मूल्य	अमरीकी डॉलर प्रति वर्गमीटर	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री	अमरीकी डॉलर प्रति वर्गमीटर	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री	%	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री	रेंज %	1-10	1-10	45-55

#### (क) सहयोगी निर्यातकों द्वारा कम कीमत पर बिक्री

क्रम संख्या	देश	उत्पादक	निर्यात	एनएसआर - अमरीकी डॉलर/वर्गमीटर	पहुंच मूल्य - अमरीकी डॉलर/वर्गमीटर	कीमत कटौती - अमरीकी डॉलर/वर्गमीटर	कीमत कटौती - %	कीमत कटौती सीमा - %
1	यूरोपीय यूनियन	यूएवी बीओईएन	यूएवी बीओईएन	***	***	***	***	नकारात्मक
2	यूरोपीय यूनियन	टार्केट पोलसका स्पे. जेडओओ	टार्केट हांगकांग	***	***	***	***	नकारात्मक

102. यह नोट किया जाता है कि यूएवी बीओईएन, यूरोपीय संघ और टार्केट पोलसका स्पे. जेडओओ, पौलेंड (उत्पादक) तथा टार्केट, हांगकांग (निर्यातक) से कीमत कटौती नकारात्मक है।

#### झ. घरेलू उद्योग के आर्थिक प्राचल

103. पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-2 में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में समान उत्पाद के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में नियमों में आगे यह भी प्रावधान है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में समस्त संगत आर्थिक मापदंडों और बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में वास्तविक एवं संभावित गिरावट सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों; घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभावों का तथ्यपरक और निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होगा।

104. प्राधिकारी ने विभिन्न तथ्यों और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अपने निवेदनों में दिए गए तर्कों को ध्यान में रख कर क्षति प्राचलों की तथ्यपरक जांच की है।

**(क) उत्पादन, क्षमता और क्षमता उपयोग और बिक्रियों का प्रभाव**

105. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्रियों की मात्रा नीचे तालिका में दर्शाई गई है:-

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच अवधि
क्षमता	वर्गमीटर	-	2,22,222	3,33,333	3,33,333
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-	100	150	150
उत्पादन	वर्गमीटर	-	26,918	72,821	69,935
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-	100	271	260
क्षमता उपयोग	%	-	12.11%	21.85%	20.98%
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-	100	180	173
घरेलू बिक्रियां	वर्गमीटर	-	17,321	64,753	78,584
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-	100	374	454
निर्यात बिक्रियां	वर्गमीटर	-	-	1,395	19
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-	0	100	1
कुल बिक्रियां	वर्गमीटर	-	17,321	66,148	78,603
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-	100	382	454

106. यह नोट किया जाता है कि -

(क) चूंकि याचिकादाता ने अपना वाणिज्यिक उत्पादन अगस्त, 2014 में शुरू किया था, वर्ष 2014-15 के लिए याचिकादाता की क्षमता को 222,222 वर्गमीटर माना गया है जो कि चल रहे उत्पादन के दिवसों की संख्या का अनुपात है। तब से उसके उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्रियों की मात्रा में वृद्धि हुई है। तथापि, जब कि वर्ष 2015—16 तक उत्पादन और क्षमता उपयोग में वृद्धि हुई है, फिर भी जांच अवधि में उनमें गिरावट आई है, लेकिन जांच अवधि में बिक्रियों की मात्रा में वृद्धि हुई है।

(ख) चूंकि याचिकादाता ने अपना वाणिज्यिक उत्पादन अगस्त, 2014 में शुरू किया था, इन प्राचलों की तुलना, याचिकादाता द्वारा अपनी परियोजना रिपोर्ट में पहले लगाए गए अनुमानों के साथ की गई है। यह देखा गया है कि याचिकादाता ने अपनी सृजित क्षमताओं में से केवल एक तिहाई क्षमता को प्रयुक्त किया है। इसके अतिरिक्त एक तिहाई क्षमता को प्रयुक्त करने के बावजूद भी याचिकादाता द्वारा प्राप्त किया गया क्षमता उपयोग न केवल बहुत कम है, बल्कि पूर्ववर्ती वर्षों की तुलना में जांच अवधि के दौरान उसमें मामूली गिरावट भी आई है, जब कि सामान्यतया ऐसी आशा की जाती है कि नया संयंत्र बढ़ते उत्पादन और क्षमता उपयोग के स्तरों को प्राप्त कर लेगा। प्राधिकरण का कहना है कि यह उत्पाद एक आला उत्पाद है जो मूल्य संवेदनशील नहीं है बल्कि यह अधिक ग्राहक / ब्रांड उन्मुख है और प्रतिस्पर्धा और बाजार में स्थापित करने के लिए आमतौर पर अधिक समय लगता है। संयंत्र की बड़ी क्षमता को ध्यान में रखते हुए, इस तरह के आला मदों की बिक्री में समय लगता है, लेकिन याचिकाकर्ता पूरे मांग में 17% के शेयरों का प्रबंधन कर सकता है, पूरे देश में समान उत्पाद में अच्छी तरह से स्थापित विपणन चैनल की वजह से है।

- (ग) चूंकि याचिकादाता एक नया उत्पादक है, घरेलू उद्योग के उत्पादन और विक्रियों की तुलना, विचाराधीन उत्पाद की मांग और विचाराधीन उत्पाद के लिए मांग में प्रवृत्तियों के साथ की गई है। यह देखा गया है कि जबकि (1) घरेलू उद्योग के पास देश में उत्पाद की मांग से दुगुनी क्षमताएं विद्यमान हैं और (2) विचाराधीन उत्पाद की मांग ने वृद्धि दर्शाई है, घरेलू उद्योग की विक्री के बावजूद मांग का 17% का गठन किया गया है तथा यह है कि उतराई मूल्य घरेलू कीमत से काफी कम है। साथ ही घरेलू बाजार में उत्पाद की सीमित मांग होती है क्योंकि उत्पाद का एक निश्चित ग्राहक है।

**(ख) लाभप्रदता, निवेश पर प्रतिलाभ और नकदी लाभ**

107. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता, निवेश पर प्रतिलाभ और नकदी लाभ को नीचे तालिका में दर्शाया गया है:-

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच अवधि
घरेलू लाभ/हानि	लाख रुपए	-	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-	(100)	(196)	(242)
पीबीआईटी	लाख रुपए	-	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-	(100)	(209)	(291)
नकदी लाभ	लाख रुपए	-	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-	(100)	(203)	(267)
नियोजित पूंजी	लाख रुपए	-	***	***	***
नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ	%	-	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-	(100)	(128)	(168)

108. यह नोट किया जाता है कि -

- (क) याचिकादाता को समस्त क्षति अवधि के दौरान वित्तीय घाटे हुए हैं। जांच अवधि के दौरान उसके घाटों में अत्यधिक वृद्धि हुई है। जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पादन की विक्री पर घाटों में वृद्धि हुई है। यह नोट किया जाता है कि विक्रियों में वृद्धि होने के साथ घाटों में वृद्धि हुई है।
- (ख) घरेलू उद्योग को नकारात्मक ब्याज पूर्व लाभ, निवेश पर प्रतिलाभ और नकदी घाटे हो रहे हैं। नकदी घाटे और नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ की मात्रा अत्यधिक है।

**(ग) मांग में बाजार का हिस्सा**

109. विचाराधीन उत्पाद के लिए मांग में घरेलू उद्योग के बाजार के हिस्से को नीचे तालिका में दर्शाया गया है:-

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच अवधि
घरेलू उद्योग की विक्रियां	%	-	4.74	14.18	17.86
संबद्ध देशों से आयात	%	80.31	82.92	72.61	71.29
अन्य देशों से आयात	%	19.69	12.34	13.21	10.85

110. यह देखा गया है कि हालांकि घरेलू उद्योग के बाजार के हिस्से में वृद्धि हुई है, फिर भी वह (1) घरेलू उद्योग द्वारा सृजित की गई क्षमताओं और (2) संबंध आयातों द्वारा अधिग्रहीत बाजार के हिस्से की तुलना में बहुत कम है।

**(घ) रोजगार, उत्पादकता और वेतन**

111. क्षति अवधि के दौरान रोजगार, उत्पादकता और वेतन को नीचे तालिका में दर्शाया गया है:-

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच अवधि
रोजगार	संख्या	-	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-	100	166	178
वेतन	लाख रुपए	-	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-	100	248	287
उत्पादकता प्रति कर्मचारी	वर्गमीटर/संख्या	-	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-	100	163	146
उत्पादकता प्रति दिवस	वर्गमीटर/दिवस	-	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-	100	180	173

112. यह देखा गया है कि समस्त क्षति अवधि के दौरान रोजगार स्तर में वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग द्वारा अदा किए गए वेतन ने भी वृद्धि दर्शाई है। कुछ समय से घरेलू उद्योग की उत्पादकता में भी वृद्धि हुई है।

**(घ) माल सूचियां**

113. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के पास माल सूचियों की स्थिति नीचे तालिका में दर्शाई गई है:-

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच अवधि
प्रारंभिक स्टॉक	वर्गमीटर	-	***	***	***
अंत स्टॉक	वर्गमीटर	-	***	***	***
औसत स्टॉक	वर्गमीटर	-	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-	100	135	165

114. यह देखा गया है कि वर्ष 2015-16 में घरेलू उद्योग की माल सूचियों में वृद्धि हुई है। तथापि, जांच अवधि में उत्पादन घटने के फलस्वरूप मालसूचियों में कुछ गिरावट आई है। लेकिन जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के पास माल सूचियों में निरंतर वृद्धि हुई है।

**(च) संवृद्धि**

115. लाभ, निवेशों पर प्रतिलाभ, उत्पादन, क्षमता उपयोग और नकदी प्रवाह के संबंध में घरेलू उद्योग की संवृद्धि नकारात्मक रही है, जबकि बिक्रियों और बाजार के हिस्से के संबंध में संवृद्धि सकारात्मक थी। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि घरेलू उद्योग ने मात्र अगस्त, 2014 में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किया था, घरेलू उद्योग द्वारा लगाए गए अनुमानों की तुलना में इस अवधि में घरेलू उद्योग की संवृद्धि प्रतिकूल थी।

**(छ) पूंजीगत निवेश जुटाने की क्षमता**

116. याचिकादाता ने अभी हाल ही में नए निवेश किए हैं। नकरात्मक लाभप्रदता, नकदी प्रवाह, प्रतिलाभ और बड़े हुए घाटों से ऐसा पता चलता है कि इस चरण में पूंजीगत निवेश जुटाने की घरेलू उद्योग की क्षमता उपयुक्त नहीं हो सकती है।

**(ज) घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक**

117. याचिकादाता देश में विचाराधीन उत्पाद के लिए एक नया उत्पादक है यह ध्यान दिया जाता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री मूल्य विचाराधीन उत्पाद के लिए पहुंच मूल्य से अधिक है। यह भी उल्लेख किया गया है कि घरेलू उत्पादन की लगभग दो और आधा गुना बड़ी उत्पादन सुविधा का निर्माण कम क्षमता उपयोग पर उत्पादन की लागत में वृद्धि को बढ़ाता है।

**(झ) पाटन मार्जिन का परिमाण**

118. संबद्ध देशों से पाटन मार्जिन न केवल न्यूनतम से अधिक है, बल्कि पर्याप्त भी है। घरेलू उद्योग पर पाटन का प्रभाव अत्यधिक है।

**ब. क्षति पर निष्कर्ष**

119. क्षति अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद के आयातों में वृद्धि हुई है। याचिकादाता ने अभी हाल में विचाराधीन उत्पाद का वाणिज्यिक उत्पादन करना शुरू किया है और उसने देश में विचाराधीन उत्पाद की मांग से बहुत अधिक उत्पादन क्षमताएं स्थापित की हैं। इसके बावजूद पाटित आयातों के बाजार का हिस्सा न केवल बाजार के अधिकतर हिस्से को अधिग्रहीत किए हुए है, बल्कि बहुत अधिक भी है। कीमत कटौती अत्यधिक सकारात्मक है। आयातों के फलस्वरूप बाजार में कीमत ह्रास हुआ है। क्षति का मार्जिन सकारात्मक है।

120. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन में लाभ, नकदी लाभ और निवेश पर प्रतिलाभ जैसे प्राचलों के रूप में गिरावट आई है। पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि में घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में उत्पादन और क्षमता उपयोग के संबंध में गिरावट आई है। माल सूचियों में वृद्धि हुई है। उत्पादन और बिक्रियों में समग्र वृद्धि होने के बावजूद घरेलू उद्योग को घाटे हुए हैं। याचिकादाता द्वारा संयंत्र स्थापित करते समय लगाए गए पूर्वानुमानों की तुलना में क्षमताओं के उपयोग, उत्पादन, बिक्रियों, बाजार के हिस्से, लाभ, नकदी लाभ और निवेश पर प्रतिलाभ के रूप में घरेलू उद्योग का कार्य निष्पादन प्रभावित हुआ है। पाटन घरेलू उद्योग की अवस्थापना को मंद कर रहा है। इसके अतिरिक्त घरेलू उद्योग को पाटित आयातों के विद्यमान होने के कारण अपने अस्तित्व को बचाने के लिए आर्थिक क्षति हुई है।

121. इसके अतिरिक्त प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि यह आवश्यक नहीं है कि क्षति के सभी प्राचल गिरावट दर्शाएं। प्राधिकारी ने सभी क्षति प्राचलों पर विचार किया है और इसलिए यह निष्कर्ष दिया है कि पाटन के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

**ट. क्षति की मात्रा और क्षति मार्जिन**

122. प्राधिकारी ने यथा संशोधित अनुबंध-3 के साथ पठित पाटन-रोधी नियमावली में निर्धारित सिद्धांतों के आधार पर घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत का निर्धारण किया है। विचाराधीन उत्पाद की क्षति रहित कीमत का निर्धारण, जांच अवधि के दौरान उत्पादन की लागत से संबंधित सत्यापित सूचना/आंकड़ों को अपना करके किया गया है। घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत का निर्धारण संयंत्र-वार किया गया है और तदनुसार, भारित औसत क्षति रहित कीमत तय की गई है। क्षति मार्जिन का परिकलन करने के लिए प्रत्येक संबद्ध देश से पहुंच कीमत की तुलना करके भारित औसत क्षति रहित पर विचार किया गया है। क्षति रहित कीमत का निर्धारण करने के लिए क्षति अवधि में घरेलू उद्योग द्वारा प्रयुक्त सामग्री के बेहतर उपयोग पर विचार किया गया है। प्रयोज्यताओं के साथ भी इसी प्रकार का व्यवहार किया गया है। क्षति अवधि में उत्पादन क्षमता के बेहतर उपयोग पर विचार किया गया है। जांच अवधि में उत्पादन का परिकलन, बेहतर क्षमता उपयोग को ध्यान में रख कर किया गया है और प्रति यूनिट निश्चित लागत प्राप्त करने के लिए उसी उत्पादन पर विचार किया गया है। इस प्रकार यह सुनिश्चित किया गया है कि उत्पादन की लागत पर कोई असाधारण अथवा गैर-आवर्ती व्यय प्रभावित नहीं किया जाए। विचाराधीन उत्पाद पर नियोजित औसत पूंजी पर उचित प्रतिलाभ (कर पूर्व 22% की दर से) (अर्थात् औसत निबल निश्चित परिसम्पतियों जमा औसत भारित पूंजी), कर-पूर्व लाभ मंजूर किया गया है, ताकि क्षति रहित कीमत प्राप्त की जा सके, जैसा कि अनुबंध-3 में परिभाषित किया गया है और जिसका अनुपालन किया जा रहा है। इस प्रकार निर्धारित क्षति रहित कीमत की तुलना संबद्ध देशों से आयातों की पहुंच कीमत के साथ की गई है, ताकि क्षति मार्जिन का निर्धारण किया जा सके, जो निम्नानुसार है:-

क्रम संख्या	देश	उत्पादक	निर्यात	एनआईपी - अमरीकी \$/वर्गमीटर	पट्टांच मूल्य - अमरीकी \$/वर्गमीटर	क्षति मार्जिन - अमरीकी \$/वर्गमीटर	क्षति मार्जिन - %	क्षति मार्जिन सीमा - %
1	चीन	सभी उत्पादक	सभी उत्पादक	***	***	***	***	0-10
2	यूरोपीय यूनियन	यूएबी बोओईएन	यूएबी बोओईएन	***	***	***	***	नकारात्मक
3	यूरोपीय यूनियन	टार्केट पोलसका स्पे. जेडओओ	टार्केट हांगकांग	***	***	***	***	नकारात्मक
4	यूरोपीय यूनियन	सभी उत्पादक	सभी उत्पादक	***	***	***	***	40-50
5	इंडोनेशिया	सभी उत्पादक	सभी उत्पादक	***	***	***	***	0-10

#### ठ. कारणात्मक संबंध और अन्य कारक

123. आर्थिक क्षति के विद्यमान होने की जांच करने, घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों की मात्रा और कीमत प्रभाव, उसकी कम कीमत पर बिक्री होने और कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण के प्रभाव तथा भारतीय नियमों और पाटन-रोधी करार में सूचीबद्ध अन्य सूचक प्राचलों की जांच करने पर यह जांच की गई है कि क्या घरेलू उद्योग की क्षति के लिए पाटित आयातों से भिन्न कोई अन्य कारक भी जिम्मेदार हो सकते हैं। तदनुसार, निम्नलिखित प्राचलों की जांच की गई है:-

- (1) *संबद्ध देशों से भिन्न अन्य देशों से आयातों की मात्रा और मूल्य:* संबद्ध देशों से भिन्न अन्य देशों से आयातों की मात्रा अत्यधिक नहीं है क्योंकि या तो उसकी मात्रा न्यूनतम है या उनकी कीमतें अधिक हैं। तृतीय देशों से आयातों के कारण घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हो रही है।
- (2) *मांग में संकुचन अथवा खपत के पैटर्न में परिवर्तन:* प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तुओं की मांग में वृद्धि होने के बावजूद घरेलू उद्योग को अनप्रयुक्त क्षमता के कारण नुकसान हुआ है। बाजार में खपत के पैटर्न में ऐसा किसी भी प्रकार का कोई परिवर्तन नहीं हुआ है जिससे घरेलू उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता हो। मांग में संभावित संकुचन अथवा खपत के पैटर्न में परिवर्तन होने के कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है। हालांकि इस तथ्य को आंशिक रूप से जिम्मेदार ठहराया जा सकता है कि विचाराधीन उत्पाद एक 'आला उत्पाद' है।
- (3) *प्रोद्योगिकी में विकास:* किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने ऐसा कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है, जो दर्शाता हो कि प्रोद्योगिकी में विशेष परिवर्तन होने के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है। याचिकादाता ने विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन करने के लिए एक नया संयंत्र स्थापित किया है और ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है कि याचिकादाता द्वारा अपनाई गई प्रोद्योगिकी के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।
- (4) *व्यापारिक प्रतिबंधित पद्धतियां और विभिन्न स्रोतों से आपूर्ति के बीच प्रतिस्पर्धा:* प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तुएं भारत में किसी व्यापारिक प्रतिबंधित पद्धति के अधीन नहीं हैं। इसके अतिरिक्त किसी भी बाजार अर्थव्यवस्था में प्रतिस्पर्धा होना स्वाभाविक है, इसलिए ऐसी कोई पारस्परिक प्रतिस्पर्धा अथवा विभिन्न घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय स्रोतों से आपूर्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा, ऐसे किसी प्रभाव को प्रदर्शित नहीं करती है, जिसे घरेलू उद्योग को क्षति होने का कारण माना जा सकता हो।
- (5) *निर्यात-निष्पादन:* घरेलू उद्योग का विशेष निर्यात निष्पादन नहीं है। फिर भी घरेलू उद्योग के निष्पादन को घरेलू और निर्यात बाजार के लिए पृथक किया गया है। इसलिए निर्यात निष्पादन में कोई संभावित गिरावट, घरेलू उद्योग की क्षति का कारण नहीं हो सकती है।

124. कारणात्मक संबंध को प्रमाणित करने वाले कारक इस प्रकार हैं:-

- (क) पाटित आयातों के कारण कीमत में कटौती हो रही है, जो कि घरेलू उद्योग को उचित कीमते प्रभावित करने से रोक रही है।



- (ख) संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कीमत ह्रास और न्यूनीकरण के प्रभाव के फलस्वरूप घरेलू उद्योग को वित्तीय घाटे हुए हैं और इनके परिणामस्वरूप नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ और नकदी लाभ में गिरावट आई है।
- (ग) घरेलू उद्योग की संवृद्धि अनेक कीमत प्राचलों के रूप में नकारात्मक है। उसकी संवृद्धि विभिन्न मात्रात्मक प्राचलों के संबंध में अनुमानित स्तरों से बहुत कम है।
- (घ) संबद्ध देशों से आयातों के बाजार का हिस्सा अत्यधिक ऊंचे स्तर पर बना हुआ है।
- (ङ) पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्रियों की मात्रा के अनुमानित स्तर को प्राप्त नहीं कर सका है।
- (च) यहां तक कि उत्पादन इतना कम है कि याचिकादाता के पास माल सूचियां अभी भी उपलब्ध बनी हुई हैं।

125. जांच की कार्यवाही के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा एकत्र किए गए तथा विभिन्न स्रोतों से प्राप्त की गई सूचना के आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा यथा स्थापित अनिवार्य तथ्यों का प्रकटन दिनांक 31 जनवरी, 2018 के प्रकटन विवरण द्वारा कर दिया गया था ताकि विभिन्न हितबद्ध पक्षकार, निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा एकत्र किए गए तथ्यों पर अपनी टिप्पणियां देने में सक्षम हो सकें। इस प्रकटन विवरण से विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा इस जांच के विभिन्न पहलुओं पर प्राप्त हुई टिप्पणियों पर जितना प्रासंगिक समझा गया है, विचार किया गया है और तदनुसार उनका निदान इस अंतिम जांच परिणाम में किया गया है।

## **ड. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रकटन पश्चात विवरण संबंधी अनुरोध**

### **ड.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध**

126. घरेलू उद्योग ने अपने प्रकटन पश्चात अनुरोधों में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं। संक्षिप्तता के लिए घरेलू उद्योग द्वारा की गई टिप्पणियां, जहां तक वे पूर्व अनुरोधों की पुनरावृत्ति हैं और उनको ऊपर पहले ही ले लिया गया है, उन्हें यहां नहीं दोहराया नहीं गया है:

- (क) पाटन मार्जिन, उत्तरदाता निर्यातक के लिए अपनाई गई निर्यात कीमत का आधार, निर्यातकों का सत्यापन और निर्यातकों के साथ पत्र व्यवहार अन्य हितबद्ध पक्षकारों के साथ सभी पत्राचार की प्रति, सामान्य मूल्य के सिद्धांत, संबंधी कुछ अनिवार्य तथ्य, जिनके कारण टिप्पणियां करने के लिए प्रभावी अवसर प्रदान किए जाने चाहिए थे, नकार दिए गए हैं।
- (ख) प्राधिकारी अंतिम जांच परिणाम में कृपया नोट करें कि घरेलू उद्योग ने पहले ही इन ले वर्क वाले उत्पादों का उत्पादन किया है।
- (ग) प्राधिकारी ने प्राप्त होने वाले प्रोत्साहनों के संबंध में चीनी एवं मलेशियाई उत्पादकों द्वारा तथ्यों को छिपाने के संबंध में उठाए गए मुद्दे का समाधान नहीं किया है।
- (घ) यूनिलिन एसआरओ चेज गणराज्य, यूनिलिन बीबीबीए, बेल्जियम के एक संबंधित उत्पादक अर्थात् यूनिलिन एसआरओ चेज गणराज्य, जो कि यूरोपीय संघ में संबद्ध सामानों का एक उत्पादक भी है, ने वर्तमान जांच में भाग नहीं लिया है। इस प्रकार, यूनिलिन, बेल्जियम और यूनिलिन, मलेशिया का उत्तर रद्द किया जाना चाहिए।
- (ङ) याचिकाकर्ता ने मलेशिया से एक से अधिक निर्यातक की पहचान की थी और केवल एक निर्यातक ने उत्तर दिया। यह एक अवधारणा प्रतीत होती है कि मलेशिया से किए गए निर्यात की समग्रता उत्तरदाता निर्यातक से संबंधित है। तथापि, आयातों का अधिकतर भाग अन्य निर्यातकों द्वारा किए गए निर्यात दर्शाता है। यह रिकार्ड में रखे गए साक्ष्य द्वारा स्पष्ट रूप से सिद्ध होता है जो स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि ये कंपनियां अपना उत्पाद भारतीय बाजार में बेच रही हैं।
- (च) अतः याचिकाकर्ता निर्दिष्ट प्राधिकारी से अनुरोध करते हैं कि वे कृपया भारतीय सीमा शुल्क के आंकड़ों में सूचित किए गए आयात लेन-देनों का निर्यातक द्वारा सूचित किए गए निर्यात लेन-देनों से संबंध बनाएं और (i) यह सुनिश्चित करें कि इन लेन-देनों में मात्रा एवं मूल्य की तुलना कैसे है, (ii) केवल उन लेन-देनों को अलग करें जो निर्यातक से संबंधित हैं, जिनके लिए न्यूनतम पाटन मार्जिन निर्धारित किया गया है। उसके बाद ही निर्दिष्ट प्राधिकारी अन्य पक्षकारों द्वारा पाटित निर्यातों की मात्रा का मूल्यांकन कर सकते हैं।
- (छ) मलेशिया को एक संबद्ध देश के रूप में शामिल किया जाना चाहिए।
- (ज) पाटनरोधी शुल्क अमेरिकी डॉलर/किलोग्राम में व्यक्त पाटनरोधी शुल्क (शुल्क का निर्धारित स्वरूप) की निर्धारित मात्रा के रूप में लगाया जाए।
- (झ) प्राधिकारी शुल्क तालिका में यह विनिर्दिष्ट करें कि उस विचाराधीन उत्पाद पर सीमा शुल्क वर्गीकरण को ध्यान में न रखते हुए शुल्क लगता है जिसके तहत सामानों का आयात किया जा रहा है।

## ठ.2 निर्यातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

127. प्रकटन विवरण के उत्तर में निर्यातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित टिप्पणियां की गई हैं। संक्षिप्तता के लिए घरेलू उद्योग द्वारा की गई टिप्पणियां, जहां तक वे पूर्व अनुरोधों की पुनरावृत्ति हैं और उनको ऊपर पहले ही ले लिया गया है, उन्हें यहां नहीं दोहराया नहीं गया है:

- (क) ठोस लकड़ी वाले उत्पाद को शामिल नहीं किया जा सकता जब वह आवेदक द्वारा दिए गए आवेदन का भाग नहीं बनता।
- (ख) जिसका समाधान नहीं किया गया है, वह यह तथ्य है कि घरेलू उद्योग ने वुडन फ्लोरिंग की जांच के क्षेत्र में अपने को प्रतिबंधित किया है जो कि मिडिल लेयर के रूप में फाइबर बोर्ड (अर्थात् एचडीएफ अथवा एमडीएफ) से ही बनाया जाता है। यह आवेदन के अनुबंध-1.7 से किसी भी संदेह से परे है।
- (ग) प्रकटन विवरण में आवेदक द्वारा पत्र का उल्लेख कर शरारत को छिपाया गया है क्योंकि पीसीएन प्रणाली आवेदन में कुछ उत्पादों को हटाना स्वीकार करने को नकार नहीं सकता और यह कि पीसीएन नोटिस के उत्तर में भी कहीं भी हितबद्ध पक्षकारों से यह अपेक्षा नहीं की गई है कि वे उत्पाद के मिडिल लेयर (प्रमुख क्षेत्र) के लिए प्रयुक्त सामग्री के आधार पर सूचना प्रस्तुत करें।
- (घ) जांच की शुरुआत में उन उत्पादों को शामिल नहीं किया जा सकता जिनके लिए पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(3) के अनुसार आवेदक द्वारा लिखित आवेदन किया गया है।
- (ङ) वास्तविक लकड़ी न होने वाले द्विस्तरीय उत्पादों को बॉटम लेयर के रूप में शामिल करना विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र को बढ़ाने के समान भी होगा जिसके लिए स्वीकार्य रूप से कोई आवेदन दायर नहीं किया गया है।
- (च) डिजाइन किए गए उत्पाद विचाराधीन उत्पाद का भाग नहीं हैं और इस प्रकार उन उत्पादों का विनिर्माण घरेलू उद्योग द्वारा नहीं किया गया था/है। घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोधों से भी प्रकटन विवरण के पृष्ठ 9 पर पैरा xvi में उल्लेख पाने पर यह स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग ने इन ले वर्क वाले उत्पादों का उत्पादन नहीं किया है एवं बिक्री नहीं की है।
- (छ) घरेलू उद्योग ने जांच की अवधि में 15 एमएम चौड़ाई से अधिक के किसी उत्पाद का उत्पादन नहीं किया है, अतः उसे विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से बाहर रखा जाना चाहिए।
- (ज) वुडन टाइल घरेलू उद्योग द्वारा न तो विनिर्मित हैं और न ही इंजीनियर्ड फ्लोरिंग का उत्पाद हैं। प्राधिकारी की यह सतत परिपाटी रही है कि वे घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित न किए गए उत्पादों को अलग रखें।
- (झ) पृथक किए गए आयात आंकड़ों के अभाव में क्षति संबंधी मानदंडों के संबंध में कोई टिप्पणी नहीं दी जा सकती तथा उसे हितबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध कराया जाएगा।
- (ञ) एक मात्र उत्पादक बाजार आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर सकता तथा हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए इस मुद्दे का समाधान नहीं किया गया है।
- (ट) तथाकथित क्षति अनुपयुक्त क्षमताओं के कारण उच्च निर्धारित लागतों के कारण है।
- (ड) एक्सोटिक डेकर भारतीय बाजार में विचाराधीन उत्पाद की बिक्री 2007 से कर रहा है, जिस समय भारत में कोई अन्य कंपनी नहीं थी। अब चूंकि, एक उत्पादक आ गया है, अतः पाटन उचित विचार नहीं है।
- (ड) प्राधिकारी को इस बात को ध्यान में रखना चाहिए कि पाटनरोधी कानून किस प्रकार उत्पादों का संरक्षण करेंगे जो कि विचाराधीन उत्पाद में हैं, परंतु संबद्ध देश द्वारा घरेलू उद्योग से अधिक मूल्य के हैं।
- (ढ) जिन कंपनियों ने भारत में आपूर्ति भी नहीं की है, उनकी मार्जिन दर भारत में भारी हिस्से वाली कंपनियों की तुलना में अधिक है।
- (ण) विचाराधीन उत्पाद की तुलना आयात आंकड़ों से कुछ चुनिंदा किस्म की सामग्री से की गई है और उसे भ्रमित किया गया है।
- (त) कई आयातकों की तुलना में घरेलू आपूर्तिकर्ताओं की बिक्री पहले से ही अधिक है और हम ऐसी बड़ी कंपनी के साथ प्रतिस्पर्द्धा करने में सक्षम नहीं हैं।
- (थ) किसी बड़ी क्षमता के साथ संयंत्र स्थापित करना तर्कसंगत नहीं था जो कि भारत में मांग से अधिक का एक रास्ता है।
- (द) कई छोटे आयातकों और उनके कर्मचारियों के लिए यह अनौचित्यपूर्ण होगा, जो विचाराधीन उत्पाद के तहत सामग्री से अपनी आजीविका का निर्वाह करते हैं।
- (ध) घरेलू उद्योग के क्षति मानदंड केवल सकारात्मक प्रवृत्ति ही नहीं दर्शाते, अपितु काफी वृद्धि भी दर्शाते हैं।
- (न) घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा संबद्ध एवं अन्य आयातों के बाजार हिस्से में गिरावट की तुलना में बड़ा है।

- (प) व्यवहार्यता रिपोर्ट अवास्तविक है क्योंकि उसमें यह माना जाना चाहिए था कि घरेलू उद्योग तीन वर्षों के भीतर सम्पूर्ण भारतीय बाजार पर विजय प्राप्त कर लेगा।
- (फ) दूसरे वर्ष में भी क्षमता बढ़ गई थी जब उसका क्षमता उपयोग प्रथम वर्ष में केवल 12 प्रतिशत था।
- (ब) व्यवहार्यता रिपोर्ट में अन्य कारकों का भी पर्याप्त रूप से विश्लेषण नहीं किया गया है।

### 8.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

128. प्राधिकारी नोट करते हैं कि अधिकतर अनुरोध पुनरावृत्ति की प्रकृति के हैं और उनकी उपयुक्त रूप से एवं पर्याप्त रूप से पहले ही जांच कर ली गई थी तथा समुचित रूप से प्रकटन विवरण में उनका समाधान कर लिया गया है। उपर्युक्त जांच परिणाम यथा तथ्यतः हितबद्ध पक्षकारों के इन तर्कों से संबंधित हैं। इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधों की निम्नलिखित रूप में जांच की है:

- (क) अनिवार्य तथ्यों के प्रकटन के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाई गई चिंता के संबंध में यह नोट किया जाता है कि जांच की अवधि के दौरान उठाए गए अधिकतर संगत तथ्यों का इन जांच परिणामों में उपयुक्त स्थानों पर समाधान कर लिया गया है।
- (ख) विचाराधीन उत्पाद, "वीनीर्ड इंजीनियर्ड वुडन फ्लोरिंग" के रूप में इस जांच की शुरुआत की अधिसूचना में परिभाषित किया गया है, से संबंधित हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाई गई चिंता के संबंध में है जिसमें निम्नलिखित किस्म के फ्लोरिंग शामिल नहीं हैं:
  - (i) लेमिनेटेड फ्लोरिंग
  - (ii) लकड़ी से न बनाई गई फ्लोरिंग
  - (iii) फ्लोरिंग जिनमें वीनीर्ड टॉप लेयर नहीं है
  - (iv) सॉलिड वुड फ्लोरिंग
- (ग) "वीनीर्ड इंजीनियर्ड वुडन फ्लोरिंग" में विशेष रूप से लकड़ी की तीन परतें हैं अर्थात् "टॉप लेयर", "मिडिल लेयर" और "बॉटम लेयर" हैं। टॉप लेयर वास्तविक लकड़ी है जो आकर्षक लगती है (अपने कास्ट ढांचे के कारण) और उसमें समग्र निर्माण के लिए अतिरिक्त ताकत है। इसे लकड़ी की एक पट्टी, लकड़ी की दो पट्टियों अथवा लकड़ी की तीन पट्टियों का बनाया जा सकता है। मिडिल लेयर एक वास्तविक लकड़ी है, जो कि समग्र निर्माण का मुख्य भाग बनाता है। इसे या तो "ठोस लकड़ी" अथवा "फाइबर बोर्ड (एमडीएफ/एचडीएफ)" से बनाया जा सकता है। बॉटम लेयर वास्तविक लकड़ी होती है जो समग्र निर्माण को सहायता प्रदान करती है। विचाराधीन उत्पाद दो या तीन परतों का भी हो सकता है। प्रकटन विवरण में टिप्पणियों में अधिकतर हितबद्ध पक्षकारों ने यह उल्लेख किया है कि याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में विचाराधीन उत्पाद को परिभाषित करते समय तथा अनुबंध-1.7 में संबोधित करते हुए पीयूसी के लिए आयात डेटा संकलित करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली विस्तृत कार्यप्रणाली के बारे में बताते हुए यह उल्लेख किया है कि इस विवरण में पाइनुड जैसी लकड़ी हो सकती है और विचाराधीन उत्पाद की पट्टी यूनिट की संख्या जैसी विशिष्ट हो सकती है तथा प्रमुख किस्म या तो एचडीएफ अथवा एमडीएफ हो सकती है। इसके अतिरिक्त, यह भी उल्लेख किया गया था कि विचाराधीन उत्पाद फाइबर बोर्ड का प्रमुख भाग है। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रकटन विवरण संबंधी टिप्पणियों के संबंध में उठाए गए मुद्दों की जांच के आधार पर विचाराधीन उत्पाद को "वीनीर्ड इंजीनियर्ड वुडन फ्लोरिंग" बनाया गया है जिसकी विशेष रूप से लकड़ी की तीन परतें हैं अर्थात् "टॉप लेयर", "मिडिल लेयर" और "बॉटम लेयर" हैं। टॉप लेयर वास्तविक लकड़ी है जो आकर्षक लगती है (अपने कास्ट ढांचे के कारण) और उसमें समग्र निर्माण के लिए अतिरिक्त ताकत है। इसे लकड़ी की एक पट्टी, लकड़ी की दो पट्टियों और लकड़ी की तीन पट्टियों का बनाया जा सकता है। मिडिल लेयर, जो कि समग्र निर्माण का मुख्य भाग बनाता है और इसे "फाइबर बोर्ड (एमडीएफ/एचडीएफ)" का बनाया जा सकता है। बॉटम लेयर वास्तविक लकड़ी होती है जो समग्र निर्माण को सहायता प्रदान करती है। विचाराधीन उत्पाद दो या तीन परतों का भी हो सकता है। तदनुसार, संबद्ध देशों से आयात की मात्रा को इन जांच परिणामों में पाटन एवं क्षति विश्लेषण दोनों के निर्धारण के लिए माना गया है।
- (घ) जहां तक घरेलू उद्योग के इस आरोप का संबंध है कि चीनी और मलेशियाई प्राधिकारी संबद्ध सामानों के उत्पादकों और निर्यातकों को सब्सिडी दे रहे हैं, यह नोट किया जाता है कि इस वर्तमान जांच में पाटन प्रभाव, जिनसे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है, की जांच घरेलू उद्योग द्वारा दायर याचिका के आधार पर की गई है। तथापि, घरेलू उद्योग क्षति पहुँचाने वाली सब्सिडी, यदि इन स्रोतों से कोई हो, के समाधान के संबंध में अलग से आवेदन दायर कर सकता है।
- (ङ) जहां तक वर्तमान जांच में यूनिलिन एसआरओ चेज गणराज्य के भाग न लेने के संबंध में घरेलू उद्योग के आरोप का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि उन्होंने संबद्ध जांच में भाग नहीं लिया क्योंकि उन्होंने भारत को संबद्ध सामानों का निर्यात नहीं किया।
- (च) क्षति एवं पाटन के निर्धारण के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि सत्यापित सूचना को रिकार्ड में लिया गया है तथा पाटन एवं क्षति विश्लेषण के लिए आयातों की अपाटित मात्रा पर ही विचार किया गया है।

- (छ) जहां तक प्रकटन विवरण पर टिप्पणियां दायर करने के लिए दो सप्ताह का समय बढ़ाने के अनुरोध का संबंध है, यह अनुरोध किया जाता है कि ये पाटनरोधी जांचें समयबद्ध हैं और जांच की अवधि के दौरान उठाए गए मुद्दों का इन जांच परिणामों में संगत स्थानों पर पहले ही समाधान कर लिया गया है। समयबद्ध जांच के मद्देनजर प्राधिकारी ने प्रकटन विवरण पर टिप्पणियां दायर करने के लिए और समय बढ़ाने की स्वीकृति नहीं दी।
- (ज) जहां तक संबद्ध जांच में अनीका ग्लोबल द्वारा आयातित प्रश्नावली दायर करने का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि पूर्ण आयातक प्रश्नावली दायर नहीं की गई थी, तथापि, उनके द्वारा उठाए गए मुद्दों का इन जांच परिणामों में उपयुक्त स्थानों पर समाधान कर लिया गया है।
- (झ) जहां तक संयंत्र क्षमता, जो कि लगभग 10 लाख वर्ग मीटर है जबकि आयात आंकड़ों के अनुसार बाजार 4 लाख वर्ग मीटर में है, से संबंधित मुद्दे का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि सही-सही मूल्यांकन करने के लिए एनआईपी का निर्धारण अवास्तविक मूल्यांकन के कारण घरेलू उद्योग को किसी अनुचित लाभ से बचने के लिए सामान्यीकरण के बाद किया गया है। संयंत्र की भारी क्षमता तथा लागत एवं एनआईपी पर उसके संभावित प्रतिकूल प्रभाव के संबंध में यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने एनआईपी का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली, 1995 के अनुबंध-III में उल्लिखित सिद्धांतों के अनुसार किया है।
- (ञ) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रकटन विवरण संबंधी टिप्पणियों के संबंध में उठाए गए मुद्दों की जांच के आधार पर विचाराधीन उत्पाद को "वीनीड इंजीनियर्ड वूडन फ्लोरिंग" बनाया गया है जिसकी विशेष रूप से लकड़ी की तीन परतें हैं अर्थात् "टॉप लेयर", "मिडिल लेयर" और "बॉटम लेयर" हैं। टॉप लेयर वास्तविक लकड़ी है जो आकर्षक लगती है (अपने कास्ट ढांचे के कारण) और उसमें समग्र निर्माण के लिए अतिरिक्त ताकत है। इसे लकड़ी की एक पट्टी, लकड़ी की दो पट्टियों और लकड़ी की तीन पट्टियों का बनाया जा सकता है। मिडिल लेयर, जो कि समग्र निर्माण का मुख्य भाग बनाता है और इसे "फाइबर बोर्ड (एमडीएफ/एचडीएफ)" का बनाया जा सकता है। बॉटम लेयर वास्तविक लकड़ी होती है जो समग्र निर्माण को सहायता प्रदान करती है। विचाराधीन उत्पाद दो या तीन परतों का भी हो सकता है। तदनुसार, संबद्ध देशों से आयात की मात्रा को पाटन एवं क्षति विश्लेषण दोनों के निर्धारण के लिए माना गया है।

### निष्कर्ष

129. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दों, किए गए निवेदनों और मौखिक सुनवाई में व्यक्त किए गए विचारों की जांच करने तथा इस अंतिम परिणाम में प्राधिकारी के समक्ष रिकार्ड पर उपलब्ध कराए गए तथ्यों के आधार पर प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि –

- (1) भारत में विचाराधीन उत्पाद के निर्यात चीन जनवादी गणराज्य, यूरोपीय यूनियन और इंडोनेशिया से उसके सामान्य मूल्य से कम पर किए गए हैं जिसके फलस्वरूप पाटन हुआ है।
- (2) संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के पाटन के कारण घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति हुई है।
- (3) संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के पाटन के कारण आर्थिक क्षति हुई है।
- (4) यएबी बीओईएन, यूरोपीय संघ द्वारा आयातों से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है क्योंकि पाटन एवं क्षति मार्जिन दोनों नकारात्मक हैं।
- (5) टार्केट पोलसका स्पे. जेडओओ, पौलेंड (उत्पादक) और टार्केट, हांगकांग (निर्यातक) से आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है क्योंकि क्षति मार्जिन नकारात्मक है।
- (6) प्राधिकारी मलेशिया से अपाटित आयातों के मद्देनजर मलेशिया से संबद्ध सामानों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करना उपयुक्त नहीं समझते तथा एतद्वारा पाटनरोधी नियमावली के 11(ii) के साथ पठित नियम 14(ख), (ड) के अनुसार उसके विरुद्ध जांच को रद्द करते हैं।

### ब. भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्दे

130. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटन-रोधी शुल्कों का प्रयोजन सामान्यतया पाटन की अनुचित व्यावहारिक पद्धतियों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है, ताकि भारतीय बाजार में ऐसे खुले और उचित प्रतस्पर्द्धा का वातावरण बहाल किया जा सके, जो कि देश के सामान्य हित में हो। पाटन-रोधी उपाय करने से किसी भी तरह से संबद्ध देशों से आयात प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए इनसे उपभोक्ताओं को उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

131. यह माना जाता है कि पाटन-रोधी शुल्क लगाने से भारत में ऐसे उत्पाद की कीमत स्तर पर प्रभाव पड़ सकता है, जिसका विनिर्माण करने के लिए संबद्ध वस्तुओं का उपयोग किया जाता है और उसके परिणाम स्वरूप इन उत्पादों की सापेक्षिक प्रतिस्पर्धा क्षमता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है। घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कि प्रस्तावित शुल्क लगाने से उपभोक्ता पर तुच्छ लागत प्रभाव पड़ेगा। इसलिए पाटन-रोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी, विशेषकर यदि पाटन-रोधी शुल्क एक राशि तक सीमित रखा जाए, जो कि घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक हो। इसके विपरीत, पाटन-रोधी उपाय लागू करने से पाटन पद्धतियों से हुए अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग की गिरावट रुकेगी तथा संबद्ध वस्तुओं के उपभोक्तों के लिए व्यापक विकल्प की उपलब्धता बनाए रखने में मदद मिलेगी।

#### ण. सिफारिशें

132. हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए निवेदनों और उनमें उठाए गए मुद्दों तथा मौखित सुनवाई के दौरान व्यक्त किए गए विचारों की जांच करने और रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों पर विचार करने के बाद प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि:

- (1) चीन जनवादी गणराज्य, यूरोपीय यूनियन और इंडोनेशिया से भारत को विचाराधीन उत्पाद का निर्यात, सामान्य मूल्य से कम पर किया गया है, जिसके फलस्वरूप पाटन हुआ है।
- (2) घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से पाटित संबद्ध आयातों के कारण आर्थिक क्षति हुई है।
- (3) संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के कारण आर्थिक क्षति हुई है।

133. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह जांच शुरू की गई थी और इसकी सूचना सभी हितबद्ध पक्षकारों को दी गई थी तथा निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध के पहलुओं पर सार्थक सूचना प्रदान करने का पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। पाटन-रोधी नियमावली के अनुसार को पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध की जांच शुरू की गई थी और उसका संचालन किया गया था तथा सार्थक पाटन मार्जिन के साथ-साथ ऐसे पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति की पुष्टि हो जाने पर, प्राधिकारी का यह विचार है कि पाटन और क्षति के प्रतिकरण के लिए पाटन-रोधी शुल्क लगाए जाने की आवश्यकता है। इसलिए प्राधिकारी यह आवश्यक समझते हैं कि नीचे वर्णित रूप में और तरीके से संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयात पर निश्चयात्मक पाटन-रोधी शुल्क लगाया जाए।

134. प्राधिकारी द्वारा अपनाए जाने वाले कमतर शुल्क के नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी इस प्रकार निर्धारित पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन में से कम मार्जिन के बराबर निश्चयात्मक पाटन-रोधी शुल्क को लागू करने की सिफारिश करते हैं, ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर किया जा सके। तदनुसार, संबद्ध देश से मूल रूप से होने वाले अथवा किए जाने वाले निर्यात के लिए संबद्ध वस्तुओं के सभी आयातों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा नीचे तालिका में विनिश्चित राशि के बराबर पाटन-रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है:

#### शुल्क तालिका

क्र.सं.	उपशीर्ष	वस्तुओं का विवरण	मूल देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	माप का यूनिट	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	44091010 और 44092990	विनीर्ड इंजीनियर्ड वुडन फ्लोरिंग	यूरोपीय यूनियन	यूरोपीय यूनियन	यएबी वीओईएन	यएबी वीओईएन	शून्य	वर्ग मीटर	अमरीकी डालर
2.	44091010 और 44092990	विनीर्ड इंजीनियर्ड वुडन फ्लोरिंग	यूरोपीय यूनियन	हांगकांग	टार्केट पोलसका स्पे. जेडओओ,	टार्केट, हांगकांग	शून्य	वर्ग मीटर	अमरीकी डालर
3.	44091010 और 44092990	विनीर्ड इंजीनियर्ड वुडन फ्लोरिंग	यूरोपीय यूनियन	यूरोपीय यूनियन	कोई भी	कोई भी	6.91	वर्ग मीटर	अमरीकी डालर
4.	44091010 और 44092990	विनीर्ड इंजीनियर्ड वुडन फ्लोरिंग	यूरोपीय यूनियन	अन्य कोई देश जो पाटन-रोधी शुल्क के अध्येधीन नहीं है।	कोई भी	कोई भी	6.91	वर्ग मीटर	अमरीकी डालर

5.	44091010 और 44092990	विनीर्ड इंजीनियर्ड बुडन फ्लोरिंग	अन्य कोई देश जो पाटन-रोधी शुल्क के अध्यधीन नहीं है।	यूरोपीय यूनियन	कोई भी	कोई भी	6.91	वर्ग मीटर	अमरीकी डालर
6.	44091010 और 44092990	विनीर्ड इंजीनियर्ड बुडन फ्लोरिंग	इंडोनेशिया	इंडोनेशिया	कोई भी	कोई भी	1.21	वर्ग मीटर	अमरीकी डालर
7.	44091010 और 44092990	विनीर्ड इंजीनियर्ड बुडन फ्लोरिंग	इंडोनेशिया	अन्य कोई देश जो पाटन-रोधी शुल्क के अध्यधीन नहीं है।	कोई भी	कोई भी	1.21	वर्ग मीटर	अमरीकी डालर
8.	44091010 और 44092990	विनीर्ड इंजीनियर्ड बुडन फ्लोरिंग	अन्य कोई देश जो पाटन-रोधी शुल्क के अध्यधीन नहीं है।	इंडोनेशिया	कोई भी	कोई भी	1.21	वर्ग मीटर	अमरीकी डालर
9.	44091010 और 44092990	विनीर्ड इंजीनियर्ड बुडन फ्लोरिंग	चीन जनवादी गणराज्य	चीन जनवादी गणराज्य	कोई भी	कोई भी	0.56	वर्ग मीटर	अमरीकी डालर
10.	44091010 और 44092990	विनीर्ड इंजीनियर्ड बुडन फ्लोरिंग	अन्य कोई देश जो पाटन-रोधी शुल्क के अध्यधीन नहीं है।	चीन जनवादी गणराज्य	कोई भी	कोई भी	0.56	वर्ग मीटर	अमरीकी डालर
11.	44091010 और 44092990	विनीर्ड इंजीनियर्ड बुडन फ्लोरिंग	चीन जनवादी गणराज्य	अन्य कोई देश जो पाटन-रोधी शुल्क के अध्यधीन नहीं है।	कोई भी	कोई भी	0.56	वर्ग मीटर	अमरीकी डालर

135. इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ आयात का पहुँच मूल्य सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) के तहत सीमा शुल्क द्वारा निर्धारित मूल्यांकन योग्य मूल्य होगा और उसमें उक्त अधिनियम की धारा 3, 3क, 8ख, 9, 9क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सीमा शुल्क के सभी शुल्क शामिल होंगे।

136. केन्द्र सरकार द्वारा इसे स्वीकार कर लिए जाने के बाद इस अंतिम जांच परिणाम के विरुद्ध कोई अपील सीमाशुल्क अधिनियम के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जाएंगी।

सुनील कुमार, अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY****(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI- DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION****Final Findings****(Case No. O.I/08/2017)**

New Delhi, the 13th February, 2018

**Subject: Anti-dumping investigation concerning imports of Veneered Engineered Wooden Flooring originating in or exported from China PR, Malaysia, Indonesia and the European Union.**

**F. No. 14/34/2016-DGAD.**—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury Rules thereof, as amended from time to time (hereinafter referred to as the AD rules).

2. Whereas M/s Greenlam Industries Limited (hereinafter also referred to as the Petitioner or Applicant) has filed petition before the Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of injury) Rules, 1995 as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Rules) for imposition of Anti-dumping duty on imports of "Veneered Engineered Wooden Flooring " (hereinafter also referred to as the subject goods or PUC) from China PR, Malaysia, Indonesia and the European Union (hereinafter also referred to as the subject countries).
3. Whereas, the Authority, on the basis of sufficient evidence submitted by the petitioner, issued a Notification No.14/34/2016-DGAD dated 17<sup>th</sup> February, 2017, published in the Gazette of India, initiating the subject investigation in accordance with the Rule 5 of the above Rules to determine existence, degree and effect of the alleged dumping of the subject goods, originating in or exported from the subject countries, and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the alleged injury to the domestic industry.

**A. PROCEDURE**

4. The procedure described herein below has been followed with regard to the subject investigation:
  - i. The Designated Authority, under the above Rules, received a written petition from the petitioner on behalf of the domestic industry, alleging dumping of Veneered Engineered Wooden Flooring originating in or exported from the subject countries.
  - ii. Preliminary scrutiny of the application filed revealed certain deficiencies, which were subsequently rectified by the Petitioner. The Petitioner updated the petition, which was considered by the Authority for initiation of investigations. The application was, therefore, considered as duly documented.
  - iii. The Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the Petitioner to justify the initiation of the investigation, decided to initiate the investigation against imports of the subject goods from the subject countries.
  - iv. The Authority notified the Embassies of the subject countries in India about the receipt of the application before proceeding to initiate the investigation in accordance with Sub-Rule 5(5) of the AD rules.
  - v. The Authority issued a public notice dated February 17, 2017 published in the Gazette of India, Extraordinary, and initiating anti-dumping investigations concerning imports of the subject goods from the subject countries.
  - vi. The Authority forwarded a copy of the public notice to all known exporters (whose details were made available by the Petitioner) and industry association and gave them opportunity to make their views known in writing in accordance with the Rule 6(2) of the AD Rules.
  - vii. The Authority also forwarded a copy of the public notice to all known importers of the subject goods in India and advised them to make their views in writing within forty days from the date of the letter.

- viii. The Authority provided a copy of the non-confidential version of application to the known exporters and the Embassies of subject countries in accordance with Rule 6(3) of the AD Rules. A copy of the Application was also provided to other interested parties, wherever requested.
- ix. The Authority sent questionnaires to elicit relevant information to the following known producers/exporters in the subject countries in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:

SN	Name & Address Of Company	SN	Name & Address Of Company
<b>China PR</b>			
1.	Tomrich International Trading Limited, Shanghai, China PR	2.	Nanjing ETAI Trading Co Limited, Nanjing, China PR
3.	LinyiBaideli International Trade Co Ltd., Shandong, China PR	4.	Linyi Hongfu Timber Co Limited, Shandong, China PR
5.	Wenzhou Timber Group Co. Ltd., Zhejiang, China PR	6.	ShouguangGuihe Economic and Trade Co Limited, Shandong, China PR
7.	Kangton Industry, Inc, Shanghai, China	8.	Guangdong Weihua Holding Co., Ltd., Guangzhou Guangdong, China PR
9.	Linyi Baideli International Trade Co Ltd., Shandong, China PR	10.	Shouguang Wanda Wood Industry Co., Ltd., Shandong, China PR
11.	Yorking Hardwood, Foshan P.R. China	12.	Shuyang New Concept Wood Co., Ltd., Jiangsu, China PR
<b>Malaysia</b>			
13.	Ekowood Malaysia SdnBhd, Kuala Lumpur Malaysia	14.	B.K.B. Hevea Products Sdn. Bhd., Perak, Malaysia.
15.	ME Industries Sdn. Bhd. (140418-P), Selangor, Malaysia	16.	M/s Eco Floor Industries Sdn. Bhd., Shah Alam, Selangor Darul Ehsan, Malaysia
<b>Indonesia</b>			
17.	PT KaryaCiptaUnggul Nusantara, Jakarta Indonesia	18.	PT. Zenith Pratama Indah, Tangerang, Indonesia
19.	PT KeramindoMegah Pertiwi, Tangerang Indonesia	20.	PT Redtroindo Nusantara, Timur Indonesia
21.	PT. GemaGrahaSaranaTbk., Indonesia	22.	PT. Tunggal Nusantara, Indonesia.
23.	PT. Tirta Mahakam Resources, Tbk, Jakarta, Jakarta Raya, Indonesia	24.	Areta, Jakarta Raya, Indonesia.
<b>European Union</b>			
25.	AdmonterEine marke der, Austria	26.	Barlinek, Kielce, Poland
27.	Boen, Hartlebury Trading Estate, Hartlebury DY10 4JB, United Kingdom	28.	Havwoods Limited, Carnforth, Lancashire LA5 9FD
29.	Kahrs, Malmö, Sweden	30.	Listone Giordano , Italia
31.	Parador GMBH & Co. KG, Germany	32.	Parky Decospan NV, Belgium
33.	Pargo, Pergo (Europe) AB, Trelleborg, Sweden	34.	Tilo, Magetsham, Lohnsburg, Austria

5. In response, the following exporters/producers from the subject countries filed exporter's questionnaire response in the prescribed format:
- (i) Unilin (Malaysia) Sdn. Bhd, Malaysia
  - (ii) UNILIN BVBA, Belgium, European Union
  - (iii) Fujian Wuyishan Werner Green Industry Co. Ltd., China PR
  - (iv) Duraflor Werner GmbH, Germany, European Union
  - (v) Jiangsu Senmao Bamboo Wood Industry Co. Ltd., China PR
  - (vi) UAB BEON, Lithuania, European Union
  - (vii) Tarkett Polska Sp. Z.O.O, Poland, European Union
  - (viii) Tarkett, Hongkong



6. Questionnaires were sent to the following known importers/users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:

SN	Name & Address Of Company	SN	Name & Address Of Company
1.	Ply Point, Kozhikode, Kerala	2.	Label Sales Corpn, Cochin, Kerala
3.	Srivari Traders, Metupalayam Tamil Nadu	4.	Krishna Plywoods, Karur, Tamil Nadu
5.	Thamarapally Brothers, Ernakulam Kochi, Kerala	6.	Jacsons Veneers And Panels P.Ltd, Kochi, Kerala
7.	Kalinga Importers & Exporters Pvt. Ltd., Kaloore, Cochin, Kerala	8.	Victory Plywood Distributors, Kannur, Kerala
9.	Mathewsons Exports & Imports P.Ltd, Cochin, Kerala	10.	Feroke Boards Ltd, Malappuram, Kerala
11.	R.J.Metals, Cochin, Kerala	12.	CI Gupta Exports Limited, Moradabad, Uttar Pradesh, India
13.	Venugopala Slate Industries, Andhra Pradesh	14.	Spacewood Furnishers Pvt. Ltd., Hingna Road, Nagpur 44—16
15.	KuttyFlushdoors And Furniture Co. Pvt. Ltd., Chennai — 600107	16.	Association Of Furniture Manufacturers Of India (Afmi) Godrej & Boyce Mfg Co. Ltd, Mumbai 400079
17.	Indian Moulded Panel Shutters Manufacturers Association, New Delhi	18.	Balaji Impex, Masjid Bunder Mumbai — 400009, Maharashtra
19.	Koteshwari Slate Works, Andhra Pradesh	20.	Saikrupa Slate Works, Andhra Pradesh
21.	Vishwamitra Slate Works, Mattam, Cumbum Road, Markapur	22.	Pergo India Pvt Ltd, Greater Kailash-II
23.	Notion India Notion Gallery Noida, Noida	24.	Span Floors Pvt Ltd, Greater Kailash II, New Delhi, Delhi
25.	FcmI Pvt Ltd, New Delhi, Delhi	26.	Lotus Kaleen Pvt Ltd, Lajpat Nagar II, New Delhi, Delhi
27.	Options Unlimited, New Delhi, Delhi 110003	28.	Consolidated Carpets India Ltd, Jasola District Centre, Jasola, New Delhi, Delhi 110017
29.	Times Furnishing, Kolkata, West Bengal 700071	30.	Levana India Pvt Ltd, Alipore Road, Calcutta
31.	Bvg Floors, Sainik Farm, New Delhi, Delhi 110044	32.	Prism Woodworks Pvt Ltd, Mahalaxmi, Mumbai
33.	Ego Floors Pvt Ltd, Bengaluru, Karnataka	34.	Cosmo Floors, Kotturpuram, Chennai-600 085.

7. In response to the initiation notification, the following importers/users have responded and filed importer questionnaire response:

- i. Exotic Décor Pvt. Ltd. (Exotic),
- ii. Span Floors Pvt. Ltd.,
- iii. Lotus Kaleen PVT. Ltd.,
- iv. Consolidated Carpet Industries Ltd.,
- v. Options Unlimited,
- vi. Pergo India Pvt. Ltd.,
- vii. Classic Flooring & Interiors Pvt. Ltd.
- viii. Ego Flooring Pvt. Ltd.
- ix. Inovar Floors India Pvt. Ltd.,
- x. XYLOS Arteriors India Pvt. Ltd.
- xi. Prism Woodworks (India) Pvt. Ltd.
- xii. Symphony International
- xiii. FCML
- xiv. Anika Global

8. Apart from the above named importers, the following importers filed post hearing written submissions:
  - (a) Unique Flooring;
  - (b) Opulo India
  - (c) Venimadhav Traders
  - (d) Indiana International Corporation Flooring Pvt. Ltd. And
  - (e) Seth Enterprises
9. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties. Submissions made by all interested parties have been taken into account in present investigation.
10. Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis.
11. Further information was sought from the Petitioner and other interested parties to the extent deemed necessary.
12. The Designated Authority has also called the information from the interested parties including domestic industry regarding submission of their costing information on PCN basis in order to have fair comparison vide Notification dated July 28, 2017. An extension was also granted till August 18, 2017 to submit the information.
13. Verification of domestic industry was conducted to the extent considered necessary for the purpose of the present investigations.
14. The Non-injurious Price (hereinafter referred to as 'NIP') based on the cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) has been worked out so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry.
15. Spot verification was carried out at the premises of the following producers/ exporters in the subject countries:
  - (a) Unilin (Malaysia) Sdn. Bhd, Malaysia
  - (b) UNILIN BVBA, Belgium, European Union
  - (c) Fujian Wuyishan Werner Green Industry Co. Ltd., China PR
  - (d) Durafloor Werner GmbH, Germany, European Union
  - (e) Jiangsu Senmao Bamboo Wood Industry Co. Ltd., China PR
  - (f) UAB BEON, Lithuania, European Union
  - (g) Tarkett Polska Sp. Z.O.O, Poland, European Union
  - (h) Tarkett, Hongkong
16. Investigation was carried out for the period starting from October, 2015 to September, 2016 (12 months) (hereinafter referred to as the 'period of investigation' or the 'POI'). The examination of trends, in the context of injury analysis, covered the period from 2013-14, 2014-15, 2015-16 and the POI.
17. In accordance with Rule 6(6) of the Anti-Dumping Rules, the Authority provided opportunity to the interested parties to present their views orally in hearing held on November 28, 2017. Subsequently all the parties who had attended the oral hearing were advised to file written submissions of the views expressed orally. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and were advised to offer their rebuttals.
18. Request was made to the Director General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to provide the details of imports of subject goods for the past three years, including period of investigation, which was received by the Authority. The Authority has referenced the DGCI&S imports data for computation of the volume and value of imports and injury analysis.
19. During the course of investigation, it was found that the imports from Malaysia was undumped, therefore, the Authority has excluded the volume of imports from Malaysia while calculating its share in total imports from subject countries. In view of undumped imports from Malaysia, the Authority terminates the investigation against Malaysia. In view of this, the volume of imports from Malaysia has not been taken for the purpose of dumping and injury analysis. Therefore, in this investigation China PR, Indonesia and European Union now constitute as subject countries.

20. Based on the examination of comments on disclosure statement by the interested parties, the product under consideration has been construed as “*Veneered Engineered Wooden Flooring typically has three layers of wood viz. “Top Layer”, “Middle Layer” and “Bottom Layer”. Top Layer is real wood which gives attractive look (owing to its wooden texture) and additional strength to overall construction. It can be made of one strip of wood, two strips of wood or three strips of Wood. Middle Layer which forms core of the overall construction and it can be made of “fibre board (MDF/HDF)”. Bottom Layer is real wood which provides support to the overall construction. The PUC can however be of two or three layers also*”. Accordingly, volume of imports from subject countries has been considered for determination of both dumping and injury analysis in these findings.
21. The submissions made by the interested parties to the extent considered relevant by the Authority have been addressed in this final finding.
22. Exporters, producers and other interested parties who have neither responded to the Authority, nor supplied information relevant to this investigation have been treated as non-cooperative.
23. \*\*\*in this Final Finding represents information furnished by an interested party on confidential basis, and so considered by the Authority under the Rules.
24. Exchange rate for conversion of US\$ to RS is considered for the POI as Rs. 67.50 as per customs data.

## **B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE**

### **Submissions by the Domestic Industry**

25. The submissions made by domestic industry are as follows:
  - i. The product under consideration in the present petition is veneered engineered wooden flooring, excluding laminated flooring, flooring not made of wood, flooring not having veneered top layer and solid wood flooring.
  - ii. Wooden flooring typically has three layers of wood viz “Top Layer”, “Middle Layer” and “Bottom Layer” - (a) Top Layer is real wood which gives attractive look (owing to its wooden texture) and additional strength to overall construction. It can be made of 1 Strip of wood, 2 Strips of Wood or 3 Strips of Wood; (b) Middle Layer is real wood, which forms core of the overall construction. It can be made of either “solid wood” or “fibre board” and (c) Bottom Layer is real wood which provides support to the overall construction
  - iii. The top layer is always a veneer, of 1/2/3 strips. The middle and bottom layer can either be natural/real wood or engineered wood, such as solid wood, fibre board (including MDF or HDF), pine, plywood, rubber wood or bamboo.
  - iv. However, the PUC can be produced and sold as two layer product as well and there can be inlay work on the PUC. However, there were no imports of products containing description “inlay works”. Further, 2 & 3 layer accounts for 98% of the imports.
  - v. Veneered engineered wooden flooring is a real wood product. The top layer of wood called the veneer ranges from 0.6 mm to 6 mm thickness. However, the most popular thickness ranges from 0.6mm to 3mm which accounts for 93% of the total imports.
  - vi. Overall board thickness ranges from 8 mm to 25 mm while the most popular thickness is 10 mm to 15 mm, which accounts for about 85% of the imports. Due to its multiply structure the engineered wooden flooring is more suitable than solid wood and is less susceptible to shrinking and expanding with changes in temperature and humidity.
  - vii. The product concerned consists of two or more layers of wood adhered together to form a plank. It usually uses a thin layer (lamella) of a more expensive hardwood bonded to a core constructed from cheaper wood, HDF or Plywood.
  - viii. The most frequently used dimension for width and length of the PUC are 200mm to 210 mm and 1000mm to 2420 mm respectively. However, the length in general may vary from 490mm to 2500.
  - ix. Length upto 2420 accounts de-facto accounts of entirety of imports and 100-210 width accounts for 92 % of the imports.
  - x. Laminate flooring which is excluded from the scope of the PUC, is a multi-layer synthetic flooring product fused together with a lamination process.
  - xi. Hardwood flooring (solid wood floorings), which is also beyond the scope of the PUC, is made of planks milled from a single piece of timber. These floors have a thick wear surface.
  - xii. Flooring which are not made of wood are excluded from the scope of PUC. Typically, flooring made of stones (natural/engineered), concrete, tiles, resilient floors such vinyl’s, linoleum rubber, polymer, soft floors - carpets, rugs, high pressure laminate, compact laminate and glass are not considered as wooden floors.

- xiii. Flooring which do not have veneer as the top layer are beyond the scope of the PUC for the purpose of present investigations.
- xiv. As regards the contention of one of the interested parties regarding exclusion of (a) engineered Wooden Flooring having plywood as its base and (b) Veneered Engineered Wooden Flooring having real wood as the core (or middle layer) and not fibre board, the domestic industry submitted that it produces the subject goods having plywood as its base. The Middle layer of the product concerned can also be of Solid Wood, Fibre board (including MDF and HDF), Pine, Plywood, Rubber Wood, bamboo, etc.
- xv. Since it's a new producer of the subject goods, it would not have produced all the product types. The petitioner has focused its production on those types of the PUC which command majority of the market demand, considering that the petitioner is not able to establish itself fully even in these types. Demand for the PUC types not sold by the petitioner is only because of market demand for the petitioner's product and low market for these types.
- xvi. The domestic industry has produced the samples of the product concerned having inlay work.
- xvii. The domestic industry has produced the products having width exceeding 180mm, length exceeding 2100mm and thickness exceeding 14mm, in the period of investigation. The relevant evidences were placed on record.
- xviii. The petitioner has already produced the following product types for which the petitioner has not received any market demand and therefore has not been able to sell these types in the market for want of demand. Relevant documentary evidences of production have been provided by the petitioner:
- 4mm Top layer, Pine wood- Middle Layer 15 x 135 x 2100mm
  - 5mm Top layer, Pine wood- Middle Layer 16 x 135 x 2100mm
  - 3mm Top layer, Ply wood- Middle Layer 14 x 135 x 2100mm
  - 3mm Top layer, Pine wood- Middle Layer 15 x 300 x 2400mm
  - 6mm Top layer, Pine wood- Middle Layer 18 x 135 x 2400mm
  - 6mm Top layer, Ply wood- Middle Layer 18 x 135 x 2400mm
  - 6mm Top layer, Pine wood- Middle Layer 24 x 135 x 2400mm
  - 6mm Top layer, Ply wood- Middle Layer 24 x 135 x 2400mm
  - Design/inlay parquet 13 x 380 x 380mm
- xix. The domestic industry has submitted that though the subject goods are produced and sold in certain standard sizes but can be produced as per the requirement of customer and that the petitioner has so far produced product types which constitute almost 70-80% of the demand for the product in the country. Considering the nature of the product, it is obvious that there are certain standard "running" sizes and sometimes the consumers require specific types. Specific types are produced on the basis of demand.
- xx. The Designated Authority is requested to resort to sampling of product types in view of large number of product types involved. Considering various thickness of the product, veneer thickness, length, width, veneer type, there are a very large types of the PUC. However, select few types listed below command majority demand for the PUC.

	Popular/most frequently used dimension	
	Minimum	Maximum
Thickness of flooring	10	15
Thickness of top layer	0.6	3
Width	100	210
Length	1000	2420
Number of Layer	2	3

- xxi. Greenlam can produce the top layer from any variety of wood and can be of any thickness required in the market.
- xxii. It is not necessary that the petitioner provides an exhaustive account of all product types in its catalogues or websites. Catalogues or websites merely represents popular product range.

- xxiii. As regards the contention of one of the interested parties regarding bundling of veneers and parquet, the domestic industry submitted that no verifiable information has been provided to establish that the alleged difference means difference in cost of production to the extent that the same cannot be put under one category. The same has been done justifiably and therefore, are segregated on PCN basis.
- xxiv. The main function of the subject goods is to provide covering to a floor or over a surface of any other material which resembles or gives the impression of wood, etc. Typical applications of the goods concerned are in houses, offices, conference halls, malls, showrooms, indoor stadiums, hospitals, department stores, public buildings, hotels, boutiques and restaurants.
- xxv. As regards the contention of one of the interested parties that the production process employed by the applicant is different than that by parquet industry, the domestic industry submitted that there is no merit in the argument and it is exactly the same. Nevertheless, the petitioner has various certifications required for running the plant and manufacturing PUC viz FSC Certificate, ISO 14001, PEFC, ISO 9001 and OHSAS 18001:2007. The petitioner's product meets the European Union standards by doing in house testing.
- xxvi. As regards the contention of one the interested parties that the petitioner only assembles the constituents and prepares the end product, the domestic industry submitted that the product concerned is made by pressing a veneer layer on top of the core at temperature of 100-110 Degree C and at a specific pressure of around 10-20kg/m<sup>2</sup>. The layered plank is then cut to size as per the required length and width. The planks so produced then go through calibrating sanding and profiled in T&G or Click and Lock profile and then coated with UV lacquers for giving a long lasting finish and surface resistance properties like abrasion resistance, scratch resistance and impact resistance. The coated planks are then packed in corrugated boxes and then shrink wrapped and then shipped out to the customer as per the requirement.
- xxvii. There is no known difference in subject goods produced by the domestic industry and subject goods imported into India. Veneered engineered wooden flooring produced by the domestic industry and imported into India are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably.
- xxviii. Subject goods are classified under Chapter 44 of Customs Tariff Act, 1975 under sub-heading 44091010 and 44092990. However, the subject goods are also being imported under the following Customs Classification Codes: 44091090, 44092100, 44092910, 44129990, 44111300, 44111400, 44119219, 44119229, 44121000, 44123210, 44123290, 44129910, 44092990, 44182090, 44187100, 44187200, 44187900, 44189000, 44219070, 44219090. The customs classification is indicative only and is in no way binding on the scope of the proposed investigations. The product description shall prevail in all circumstances.

#### **Submissions made by the other interested parties**

26. The submissions made by other interested parties are as follows:

- (i) The price of product concerned varies depending on factors like manufacturing process, quality of wood, processing, designing, thickness and finishing etc.
- (ii) Veneers (below 2.5mm top layer) and Parquet (above 2.5 mm top layer) are commercially different and cannot be bundled as has been done by the petitioner

- (iii) Petitioner is generalizing everything as veneer engineered planks and has only 3 collections of plank: Abror, Pristine and Atmos whereas industry product line includes planks, patterns, herringbone, outdoor wood, Chevron, inlays, etc.
- (iv) The core of the imported product is birch wood or 7-9 mm of ply pasted together and that of petitioner is Medium Density Fibre Board or pine.
- (v) The bottom lawyer of imported products is Birch or fir and that of petitioner is normal ply or MDF.
- (vi) The production process of the petitioner is completely different from that by parquet industry.
- (vii) The Petitioner has limited certificates as compared to the others, which impacts the quality and also the price. Therefore, bundling of Veneers and Parquets is unfair.
- (viii) According to methodology used to compile import data used by the petitioner, it has itself sought the product exclusion for (a) engineered Wooden Flooring having plywood as its base and (b) Veneered Engineered Wooden Flooring having real wood as the core (or middle layer) and not fibre board should be appropriately reflected in the Final Findings.
- (ix) The designed products which need specific machinery (inlay products), products having width exceeding 180mm, length exceeding 2100mm and thickness exceeding 14mm should also be excluded from the purview of present investigations as such products are not manufactured by the domestic industry or were not manufactured by them during the POI.
- (x) The products actually manufactured and what is purportedly claimed to be manufactured by the petitioner is completely different. It manufactures the product only in a particular size, style and dimension as per its catalogue.
- (xi) The goods are heterogeneous in nature and are available to end users in different sizes, dimensions, texture and constituent material used.
- (xii) The top layer can be made from any variety of wood and can be of any thickness but this cannot be provided by the petitioner.
- (xiii) The thickness of the top layer/ Veneer layer in the subject good manufactured by the Petitioner is either 3 mm and/or 0.6 mm, whereas that of imported products could possibly be of any thickness.
- (xiv) The subject goods imported are of unique specifications such as the thickness of the top layer could be from 2mm to 6mm, etc, or the complete thickness of the subject goods could be anywhere between 10 to 24 mm, width ranging between 75 mm to 300 mm along with different lengths, and such specifications cannot be provided by the Petitioner.
- (xv) Petitioner uses only Pine core and HDF as its middle layer and by not using multilayer ply. The imported goods are of various other varieties of wood.
- (xvi) The subject goods imported and the ones being manufactured by the petitioner are different and do not fall within the scope of like products.
- (xvii) Process entailed by the petitioner is one whereby it only assembles the constituents and prepares the end product.
- (xviii) The Domestic Industry is maliciously trying to increase the scope of the Product under Consideration. It is submitted that the scope of the Product under Consideration is decided by the Authority at the time of initiation on the basis of the written application filed by the Domestic Industry.

#### **Examination by the Authority**

27. The product under consideration is "Veneered engineered wooden flooring" excluding following kind of floorings:
- a. laminated flooring,
  - b. flooring not made of wood,
  - c. flooring not having veneered top layer,
  - d. solid wood flooring

28. Veneered Engineered Wooden Flooring typically has three layers of wood viz "Top Layer", "Middle Layer" and "Bottom Layer". Top Layer is real wood which gives attractive look (owing to its wooden texture) and additional strength to overall construction. It can be made of one strip of wood, two strips of wood or three strips of Wood. Middle Layer is real wood, which forms core of the overall construction. It can be made of either "solid wood" or "fibre board (MDF/HDF)". Bottom Layer is real wood which provides support to the overall construction. The PUC can however be of two or three layers also.
29. Veneered engineered wooden flooring is a wood product. The top layer of wood called the veneer ranges from 0.5 mm to 6 mm thickness. Overall board thickness ranges from 8 mm to 25 mm. Due to its multiply structure the engineered wooden flooring is more suitable than solid wood and is less susceptible to shrinking and expanding with changes in temperature and humidity.
30. The PUC is normally produced and sold in certain standard sizes and specifications. It can, however, be produced in different sizes to meet the requirements of customer. Different product types can be categorized on the basis of different sizes (veneer thickness, board thickness, length, width) and specifications of the wood (pine, oak, teak, walnut etc).
31. As regards the contention of the interested parties regarding exclusion of products having inlay work, the Authority notes that import data does not specifically show import of this type of product. Petitioner is a new producer of the PUC in the Country and is establishing itself in the market. Domestic Industry, being a new industry, do not produce each and every kind of product falling within the veneered engineered wooden flooring rather producing the product having its demand.
32. As regards the contention of the interested parties regarding exclusion of the products having width exceeding 180mm, length exceeding 2100mm and thickness exceeding 14mm, the Authority notes that the domestic industry has produced these products in the period of investigation and has the technology to produce all required size based on the demand and customer's requirement. Since, this being the customized product, the producer is in a position to undertake all kind of sizes along with thickness and breadth based on the emerging demand of the product. Based on the examination of issues raised by the interested parties, it is noticed that the exclusion as such by sizes alone may not be justified and appropriate in view of the petitioner being the new producer and in a position to undertake production of any kind of wooden flooring since the technology being used by the domestic industry is similar to that of the foreign producers. It is further noted that none of the interested party could otherwise substantiate with facts regarding the exclusion sought, apart from the exclusion which the authority has otherwise undertaken at the time of initiating this anti-dumping investigation.
33. The Authority notes that there exists no reason and evidence to believe that the subject product with different dimensions cannot be produced by the domestic industry with its existing facilities if there is a requirement to produce the product with different dimensions. No additional manufacturing facilities are required to be added within the existing facilities to produce products with different variety of woods and dimensions. The Authority further notes that the current manufacturing status of the domestic industry does not demonstrate that the domestic industry is not commercially capable to produce the subject goods with different dimensions or variety of wood. The product can be tailor made as per the requirement of the market and the domestic industry is capable of supplying subject products in future when there are orders for the same and also fair play is established. The product manufactured by the petitioner constitutes like article to the subject goods being imported into India from the subject countries.
34. It is pertinent to note that under the law, the domestic industry is required to produce and sell like article to the imported product. As per Rule 2(d) of the Rules a product which has characteristics closely resembling those of the articles under investigation form part of "like article". Absence of identical article from the domestic industry does not ipso facto mean that the said type should be excluded from the scope of the PUC.
35. In view of the heterogeneity of the product, the authority notes that the PUC is a "Veneered engineered wooden flooring" and is a flooring whose top layer is a veneer or wood and the middle layer can be either of natural wood or engineered wood (HDF/MDF). Further, depending upon consumer requirements, it can be produced in varied veneer, thickness (of board or veneer), length, width, etc. These differences in different types of the PUC, however, do not render the PUC as such a heterogeneous product that the same are classified as dislike product. However, considering that the different types having different costs and resultantly prices, the Authority devised a PCN system, which was notified to all interested parties vide communication dated July 28, 2017. During the course of investigation the authority segregated the PUC in different types based on following PCN system to ensure fair comparison for the purpose of the determination of dumping and injury analysis.

Parameter		PCN Digit	Explanation		
<b>1) Thickness Board</b>		XXX	Thickness of board usedFor each thickness, actual thickness can be used in PCN.		
SN	Thickness	Code	SN	Thickness	Code
1	8.00	080	17	14.20	142
2	9.00	090	18	14.50	145
3	9.50	095	19	15.00	150
4	9.80	098	20	16.00	160
5	10.00	100	21	17.00	170
6	10.20	102	22	17.50	175
7	10.50	105	23	18.00	180
8	10.60	106	24	19.00	190
9	11.00	110	25	19.50	195
10	11.50	115	26	20.00	200
11	12.00	120	27	20.50	205
12	12.50	125	28	21.00	210
13	12.70	127	29	22.00	220
14	13.00	130	30	22.50	225
15	13.50	135	31	24.00	240
16	14.00	140	32	25.00	250

2. Wood (Species)		XX	Type of wood/species used		
			For each type of wood, unique two words would be used to define.		
SN	Wood Types	Code	SN	Wood Types	Code
1	Oak	OK	25	Allegro	AL
2	Walnut	WA	26	Cherry	CH
3	Bamboo	BO	27	Black	BL
4	Kayu Kuku	KK	28	Ebony	EB
5	Teak	TK	29	Elm	EL
6	Maple	MA	30	Hamberger	HA
7	Merbau	ME	31	Hickory	HI
8	Jatoba	JA	32	Jarrah	JH
9	Beech	BE	33	Jupiter	JU
10	Sapele	SA	34	Kosso	KO



11	Composite	CO	35	Lapacho	LO
12	Acacia	AC	36	Larch	LA
13	Sucupira	SU	37	Monpar	MO
14	Beech Sylvaket	BS	38	Musterfacher	MU
15	Hevea	HE	39	Parquet	PA
16	Ash	AS	40	Pine	PI
17	Doussie	DO	41	Red Beech	RB
18	Mahogany	MG	42	Rosewood	RW
19	Iroko	IR	43	Santos	SN
20	Herringbone	HB	44	Saw White	SW
21	Birch	BI	45	Terra	TE
22	Antique Carapathians	AN	46	Tiger Wood	TW
23	Wenge	WE	47	Unica	UN
24	Smoked	SM	48	Others(pls specify)	OT

36. While Authority deliberating on the PUC, notes that the product under consideration in this investigation is Veneered engineered wooden flooring and the following are beyond the scope of the PUC,

- (i) Laminated or laminate flooring whose top layer are neither veneer nor wood.
- (ii) Flooring which does not contain wood in any form and which also have a material other than wood.
- (iii) Flooring not having veneered or bamboo or decorative inlays as top layer are also beyond the scope of the PUC. Decorative inlays are done on the veneers, and therefore flooring with decorative inlays on veneer are within the scope of the PUC. However, floorings with decorative inlays on a product other than veneer are beyond the scope of the PUC.
- (iv) Single block/layer solid wood flooring does not have veneer at its top, thus, such floorings are beyond the scope of the PUC.

37. Based on the examination of comments on disclosure statement by the interested parties, the product under consideration has now been construed as “*Veneered Engineered Wooden Flooring typically has three layers of wood viz "Top Layer", "Middle Layer" and "Bottom Layer". Top Layer is real wood which gives attractive look (owing to its wooden texture) and additional strength to overall construction. It can be made of one strip of wood, two strips of wood or three strips of Wood. Middle Layer which forms core of the overall construction and it can be made of "fibre board (MDF/HDF)". Bottom Layer is real wood which provides support to the overall construction. The PUC can however be of two or three layers also*”. Accordingly, volume of imports from subject countries has been considered for determination of both dumping and injury analysis in these findings.

### C. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY & STANDING

38. Rule 2 (b) of the AD rules defines domestic industry as under:

*“(b) “domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers”.*

39. The application was filed by Greenlam Industries Limited who is the sole producer of the subject goods in the Country.

**Submissions by the Domestic Industries**

40. The submissions made by the domestic industry are as follows:

- i. The petitioner is the sole producer of the subject goods in India, therefore, the petitioner alone constitutes a major proportion of Indian production of the subject goods in terms of rules.
- ii. The petitioner has imported insignificant quantities of the product concerned from Sweden which amounts to 0.33% of total imports of the product entering India, 0.27% of demand in India, 0.37% of capacity of the petitioner (one shift) and 1.76% of production.
- iii. The Petitioner is not related to any exporter or producer of the product under consideration from the subject countries.
- iv. The petitioner has sufficient standing and constitutes domestic industry within the meaning of the Rules.

**Submissions made by the other interested parties**

41. The submissions made by opposing interested parties are as follows:

- i. The petitioner, being an importer from Sweden, cannot be considered as domestic industry.

**Examination by the Authority**

42. The present application was filed by M/s Greenlam Industries Ltd., the only domestic producer of the product under consideration and provided detailed information in the anti-dumping investigation. The Authority determined at the stage of initiation that the petitioner, the sole producer of the subject good, satisfies requirement of standing under the Rules and the Petitioner constituted domestic industry within the meaning of the Rules.
43. As regards the import being made by the Domestic Industry, the Authority notes that the contention of the interested parties, is devoid of any merit as the imports effected by the Applicant were to the extent of 1229 SQM is insignificant vis a vis the market size of 461,459 SQM.
44. The production of the petitioner alone constitutes 100% of Indian production. Accordingly, after careful examination of the legal provisions and facts of the case, the Authority, holds that the applicant constitutes eligible domestic industry within the meaning of Rule 2 (b) of the Anti-Dumping Rules and the application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 (3) of the Rules supra.

**D. ISSUES RELATING TO CONFIDENTIALITY****Submissions by the Domestic Industries**

45. The submissions made by domestic industry are as follows:

- i. The petitioner has claimed only such information as confidential, the confidentiality of which has been permitted under the rules and as per consistent practice of the Authority.
- ii. The petitioner has provided non confidential version of the application in sufficient detail. No interested party has been able to point out any specific instance of information which has been claimed confidential and confidentiality of which is not justified under the rules.
- iii. Information such as the project report is highly business sensitive document and cannot be disclosed to the parties.
- iv. None of the exporters has provided the non-confidential version which is an exact replica of their confidential version. They have kept all the volume related information confidential. They have also not provided any statement of claim of confidentiality. Further, the responses are in violation of the specific guidelines issued by the Designated Authority with regard to the procedure to be followed for filing of non-confidential version of the exporter's questionnaire responses. Therefore, the submissions of all the exporters and producers from the subject countries should be disregarded and deny them the individual treatment.

**Submissions made by the other interested parties**

46. The various submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties during the course of the present investigation with regard to confidentiality and considered relevant by the Authority are as follows:
- i. Feasibility study has been kept confidential which serves as basis for the establishment of the domestic industry as material retardation has been claimed.
  - ii. The Petitioner has claimed excessive confidentiality and filed incomplete petition. In response to Section-VI (Costing Information) of the Application the Petitioner has not furnished any information at all.

**Examination by the Authority**

47. The Authority made available non confidential version of the information provided by various interested parties to all interested parties through the public file containing non-confidential version of evidences submitted by various interested parties for inspection as per Rule 6(7).
48. The various submissions made by the interested parties during the course of the present investigation with regard to confidentiality and considered relevant by the Authority, were examined. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis was directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority made available the non-confidential version of the evidences submitted by various interested parties in the form of public file.
49. The interested parties have raised arguments with regard to confidentiality of information. The Authority notes that the confidentiality claims of the interested parties are consistent with the practice being generally followed by the Authority. Wherever possible, the interested parties have provided non confidential version of the information.

**E. MISCELLANEOUS ISSUES****Submissions by the Domestic Industry**

50. The submissions made by the domestic industry are as follows:
- i. Claims of the European and Indonesian Embassy should be disregarded as they have failed to participate in the present investigation within the time limits prescribed and have made a presence in the present investigations for the first time in oral hearing which is after 285 days of initiation of the present investigation.
  - ii. Anti-dumping measures don't result in giving monopoly to the sole producer in the importing country rather it tries to curb a foreign unfair trade practice. The imports from other suppliers including those from the subject countries are not prevented from competing in the Indian market. It established fair competition in the market.
  - iii. There is no demand and supply gap in India. The petitioner holds a capacity of 1 million sqm. as against established Indian demand so far in the region of 0.5 million sqm.
  - iv. The Authority should not accept responses of Chinese and Malaysian exporters and producers as they have failed to discharge their obligation by providing correct and certified information. The respondents have conveniently omitted to provide any information as to the incentives in the form of subsidy received by them by their respective governments which are amongst one of the major reason for low priced imports
  - v. Quality of subject goods of Domestic Industry is at par with any of the goods imported into India. In any case none of the parties concerned has substantiated their claim with evidences; therefore, the Authority should not accept these baseless claims.
  - vi. It is incorrect to state that consumers do not bother about the price of like articles before taking decision to either import or purchase from domestic industry.

- vii. One of the respondents i.e. Durafloor Werner GmbH from Germany claims itself to be an exporter. However, from its website, it seems that it is a manufacturer of the PUC also. Thus, the response should be rejected.
- viii. There is no mandatory requirement under the law for the adoption of DGCI&S data for the purpose of filing petition. The Authority may adopt DGCI&S data for the purpose of its finding in the anti-dumping investigation.
- ix. The petitioner has provided all relevant information, including the project report, and the Authority has found it appropriate to initiate the investigations.
- x. Regarding the segregated data, the petitioner has already submitted a soft copy of the non-confidential version of the petition, which contained transaction wise data of import of subject goods.
- xi. In the present case, since the petitioner is the new producer, it would gradually produce most of the products related with the product under consideration, in the process of establishing itself.

#### **Submissions made by the other interested parties**

51. The submissions made by the other interested parties are as follows:

- i. Contention of the petitioner regarding rejection of submission of EU commission is baseless and devoid of any legal or factual merit. The time limit is to file questionnaire responses by the producers/exporters and not to make other submissions, for that matter by embassies. Reliance is placed upon Rule 6 of the Rules, Article 6.2 of the Anti-Dumping Agreement, finding in the anti-dumping investigation concerning Linear Alkyl Benzene' originating in or exported from Iran, Qatar and China PR.
- ii. The contention of the Domestic Industry that exporters who had participated in the investigation only accounts for 10% of the total exports and therefore, their data should be rejected considering them inadequate, is against all logic and without any legal backing.
- iii. The petitioner is trying to create monopoly, on the products it doesn't even manufacture and to prevent consequent rise of good competition in the market.
- iv. The domestic industry has not substantiated its claims regarding non-disclosure of benefits by Malaysian / Chinese exporters / producers. Assuming but not accepting, if the respondents are getting benefits, the domestic industry should file an application for anti-subsidy application.
- v. DGAD is not relying on IBIS data in all its proceedings and hence the Domestic Industry may please be asked to revise their application as per DGCI&S import data.
- vi. Petitioner has made false statements to initiate the proceedings. There is no dumping of PUC and hence, the present proceedings are without jurisdiction. As enshrined in Rule 5, the present initiation has not passed both the necessary conditions i.e. accuracy, adequacy and sufficiency of evidence. Thus, the present proceedings are not maintainable.
- vii. The Authority may kindly direct the petitioner to provide the soft copy of the data as received from the source and the segregated data.
- viii. In its submission of 21 April 2017, the Commission had already identified several significant shortcomings in the initiation of the case, which are again confirmed. The Commission requests the investigating authorities to perform an in-depth analysis of the assumptions and forecasts therein. An in-depth analysis is also necessary to assess the impact of other factors on the situation of the domestic industry as well as its current position of "monopoly" in the Indian market.
- ix. Seeking a blanket anti-dumping duty over the subject goods appears to be a tactic entailed by the petitioner to gain control over the market and oust all competition.
- x. Even if the domestic industry captures 100% market share in Indian demand, it would not be able to achieve more than 45% of their capacity utilization.

#### **Examination by the Authority**

52. The submissions made by the interested parties and considered relevant, are addressed by the Authority as below:

- i. As regards the monopoly issues, the authority notes that anti-dumping duty is to ensure fair trade and provide a level-playing field to the domestic industry. It is neither a measure to restrict import nor to cause an unjustified increase in cost of products. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duty is not to give protection to the domestic industry rather to provide level playing field and plug the injurious effect if any due to dumping.
- ii. With regard to demand and supply gap issues, the Authority notes that there is no such gap since the domestic industry has sufficient capacity available with them. Further, the anti-dumping measures don't prohibit imports rather it ensures level playing field and to bring fair competition in the market

- iii. In relation to the allegation of the Domestic Industry that Chinese and Malaysian Authorities are giving subsidy to the producers / exporters of the subject goods, it is noted that in this present investigation, the dumping effects which may lead to the injury to the domestic industry has been examined based on the petition filed By the domestic industry. However domestic industry may file separate application to address the subsidy causing injury, if any from these sources.
- iv. In relation to issues relating to quality, it is noted that quality *per-se* is not an issue in the anti-dumping investigations. It is also noted that they have a strong customer base in India, establishing that their goods are at par with the imported goods. In any case, none of the interested party has provided any material evidence to substantiate their claim that the quality of Domestic Industry is not good or acceptable.
- v. With regard to issue of suppression of facts by Durafloor, the Authority notes that during the course of verification, only the verified information has been taken on board in this investigation.
- vi. It is noted that during the course of investigation, the Authority has relied on transaction wise import data from DGCI&S and the same have been considered in this investigation.
- vii. As regards the allegation that initiation is on wrong premise, the Authority notes that the initiation is done on the basis of prima facie evidences/facts provided by the Domestic Industry. Subsequently, the verified information were considered for proceeding in this AD investigation.

#### **F. DETERMINATION OF NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN**

53. The Authority sent questionnaires to the known exporters from the subject countries, advising them to provide information in the form and manner prescribed. The following producers and exporters from the subject country filed the prescribed questionnaire responses.

- i. Unilin (Malaysia) Sdn. Bhd, Malaysia
- ii. Fujian Wuyishan Werner Green Industry Co. Ltd., China PR
- iii. Jiangsu Senmao Bamboo Wood Industry Co. Ltd., China PR
- iv. UAB BEON, Lithuania, European Union
- v. Tarkett Polska Sp. Z.O.O, Poland, European Union
- vi. UNILIN BVBA, Belgium, European Union
- vii. Durafloor Werner GmbH, Germany, European Union
- viii. Tarkett, Hongkong

#### **Views of the Domestic Industry**

54. The following are the submissions made by the domestic industry during the course of the present investigation and considered relevant by the Authority:

- i. Market economy status cannot be granted unless the responding exporters satisfy each & every of the following conditions:
  - a) Market economy status cannot be given in a situation where one of the major shareholders is a State owned/controlled entity
  - b) Market economy status cannot be given unless the responding Chinese exporters establish that the prices of major inputs substantially reflect market values.
  - c) Market economy treatment must be rejected in such situations where Chinese exporters are unable to establish that their books are consistent with International Accounting Standards (IAS). The requirement on insisting compliance with International Accounting Standards is to ensure accuracy and adequacy of revenues and expenses, assets and liabilities expressed in the annual report.
  - d) Market economy status cannot be granted unless the responding Chinese exporters pass the test in respect of each and every parameter laid down under the rules. While one parameter is sufficient to establish existence of injury, failure to pass one single parameter is sufficient to reject the claim of market economy status.

- e) It is not for the Authority to establish that the responding companies are operating under market economy environment and are entitled for market economy treatment. But it is for the responding Chinese exporters to establish that they are operating under market economy conditions.
- f) Market economy status cannot be granted unless the responding company and its group as a whole make the claim. If one or more companies forming part of the group have not filed the response, market economy status must be rejected.
- g) In a situation where the current shareholders have not set up their production facilities themselves but have acquired the same from some other party, market economy status cannot be granted unless process of transformation has been completely established through documentary evidence.
- ii. It has been submitted that the normal value for China in such a case can be determined only in accordance with the provisions of para 7 of the Annexure I to Anti-dumping Rules in view of the aforementioned facts and circumstances.
- iii. The domestic industry was not in a position to get any documentary evidence or reliable information with regard to domestic prices in China nor was the same available in the public domain. The applicant, therefore, only for the purpose of initiation, constructed the normal value for China after following the principles of conservatism and as per the practice of the DGAD.
- iv. The normal value in China can thus be determined on the basis of (a) import price from third country into India, (b) selling price in India, and (c) cost of production in India, duly adjusted, including selling, general and administrative expenses and profit. It is also submitted that since these options for determination of normal value are available, the Designated Authority may not kindly consider "any other basis" because this is required to be applied only when other basis listed under the law cannot be applied.
- v. The normal value has been constructed for China PR. The domestic industry costs have been taken to construct normal value and reasonable profit margin has been considered. Given that the Petitioner is operating its plant at very low level, the Petitioner has considered consumption norms for raw materials & utilities as per projections.
- vi. Efforts were also made to find out the normal value in EU, Indonesia and Malaysia. However, for lack of information, the normal value has been constructed for all exporters/producers from each of the subject countries based on raw material prices and consumption norms of the domestic industry, Power rate of respective subject country, optimum conversion costs, selling, general & administrative expenses of domestic industry and reasonable profit margin.
- vii. The petitioner has made submissions and claims on normal value as per the best available information available to it. The Authority may appropriately adopt the methodology to determine normal value.
- viii. The Chinese producers should be treated as companies operating under non-market economy environment and normal value determined on the basis of Para 7 of Annexure-I till such time the investigation period includes the period upto Dec., 2016 as the important parameters and factors considered in an antidumping investigation such as, dumping margin, injury margin, de-minimis volume, etc pertains to the period of investigation.
- ix. All interested parties had sufficient opportunity to assist the authority in providing relevant facts. None of the exporters/producers have filed the market economy treatment questionnaire issued by the Authority.
- x. One of the related producers of Unilin BVBA, Belgium i.e. Unilin SRO Czech Republic who is also a producer of the subject goods in European Union has not participated in the present investigations. Thus, the response of Unilin, Belgium and Unilin, Malaysia should be rejected.
- xi. One of the respondent i.e. Duraflor Werner GmbH from Germany claims itself to be an exporter. However, from its website, it seems that it is a manufacturer of the PUC also. Relevant evidence are placed on record. The exporters had intentionally withheld the information from the Authority only with malafide intention to impede the investigation.
- xii. The export price is constructed based on the information available from the import data after making due adjustment based on the best available information with the industry to make it comparable with normal value.

#### **Views of other interested parties**

55. The submissions made by the opposing interested parties are as follows:

- i. The normal price is available readily by making trade enquiries. One such sample is put on record by FCML along with certain letters from foreign suppliers.

- ii. Applicant, himself being an importer and having offices in different countries is very well aware of the normal price but has not put them on record in order to fall back on artificially constructed normal price.
- iii. The applicant ought to be directed to produce the quotations from the foreign manufacturers.
- iv. Since Article 15(b) of Chinese Accession protocol has expired on 11th December, 2016, China PR should be treated as a market economy country.
- v. The entity of Unilin situated in Czech has not exported the subject goods to India and therefore, they have not participated in the current investigations. Reference is made to the final findings in 'All Fully Drawn or Fully Oriented Yarn / Spin Draw Yarn / Flat Yarn of Polyester (non textured and non-POY) and other yarns' from China PR and Thailand [F. No. 15/03/2014-DGAD dated 22.9.2015], the Authority had not taken any adverse inference to that exporter whose related party had not filed the response on the ground that they have not exported the subject goods to India.
- vi. The Authority had already visited Dura Floor Werner and verified the information submitted by it.

#### **Examination by the Authority**

- 56. Based on the examination of comments on disclosure statement by the interested parties, the product under consideration has now been construed as "*Veneered Engineered Wooden Flooring typically has three layers of wood viz "Top Layer", "Middle Layer" and "Bottom Layer". Top Layer is real wood which gives attractive look (owing to its wooden texture) and additional strength to overall construction. It can be made of one strip of wood, two strips of wood or three strips of Wood. Middle Layer which forms core of the overall construction and it can be made of "fibre board (MDF/HDF)". Bottom Layer is real wood which provides support to the overall construction. The PUC can however be of two or three layers also*". Accordingly, volume of imports from subject countries has been considered for determination of both dumping and injury analysis in these findings.
- 57. In view of the product under consideration now construed, the cooperative exporters from China PR, EU & Malaysia i.e. Fujian Wuyishan Werner Green Industry Co. Ltd., China PR, Jiangsu Senmao Bamboo Wood Industry Co. Ltd., China PR, Unilin BVBA, Belgium, Durafloor Werner GmbH, Germany and Unilin (Malaysia) Sdn. Bhd., Malaysia will not be considered for the purpose of dumping determination.

#### **A) Normal Value**

##### **I. CHINA PR**

- vii. The Authority notes that the relevant provisions laid down under Annexure I to the Antidumping Rules with regard to "Market Economy Treatment" are as follows;

*[8. (1) The term "non-market economy country" means any country which the designated authority determines as not operating on market principles of cost or pricing structures, so that sales of merchandise in such country do not reflect the fair value of the merchandise, in accordance with the criteria specified in sub-paragraph (3).*

*(2) There shall be a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as, a non-market economy country for purposes of an anti-dumping investigation by the designated authority or by the competent authority of any WTO member country during the three year period preceding the investigation is a nonmarket economy country.*

*Provided, however, that the non-market economy country or the concerned firms from such country may rebut such a presumption by providing information and evidence to the designated authority that establishes that such country is not a non-market economy country on the basis of the criteria specified in sub-paragraph (3).*

(3) *The designated authority shall consider in each case the following criteria as to whether:*

*(a) the decisions of the concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;*

*(b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;*

*(c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and*

*(d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate:*

*Provided, however, that where it is shown by sufficient evidence in writing on the basis of the criteria specified in this paragraph that market conditions prevail for one or more such firms subject to anti-dumping investigations, the designated authority may apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 instead of the principles set out in paragraph 7 and in this paragraph].”*

*[(4) Notwithstanding, anything contained in sub-paragraph (2), the designated authority may treat such country as market economy country which, on the basis of the latest detailed evaluation of relevant criteria, which includes the criteria specified in sub paragraph (3), has been, by publication of such evaluation in a public document, treated or determined to be treated as a market economy country for the purposes of anti-dumping investigations, by a country which is a member of the World Trade Organization].”*

viii. The Authority also notes that Article 15 of China’s Accession Protocol provides as follows:

*“Article VI of the GATT 1994, the Agreement on Implementation of Article VI of the General Agreement on Tariffs and Trade 1994 (“Anti-Dumping Agreement”) and the SCM Agreement shall apply in proceedings involving imports of Chinese origin into a WTO Member consistent with the following:*

*(a) In determining price comparability under Article VI of the GATT 1994 and the Anti-Dumping Agreement, the importing WTO Member shall use either Chinese prices or costs for the industry under investigation or a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China based on the following rules:*

*(i) If the producers under investigation can clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to the manufacture, production and sale of that product, the importing WTO Member shall use Chinese prices or costs for the industry under investigation in determining price comparability;*

*(ii) The importing WTO Member may use a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China if the producers under investigation cannot clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to manufacture, production and sale of that product.*

*(b) In proceedings under Parts II, III and V of the SCM Agreement, when addressing subsidies described in Articles 14(a), 14(b), 14(c) and 14(d), relevant provisions of the SCM Agreement shall apply; however, if there are special difficulties in that application, the importing WTO Member may then use methodologies for identifying and measuring the subsidy benefit which take into account the possibility that prevailing terms and conditions in China may not always be available as appropriate benchmarks. In applying such methodologies, where practicable, the importing WTO Member should adjust such prevailing terms and conditions before considering the use of terms and conditions prevailing outside China.*



- (c) *The importing WTO Member shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (a) to the Committee on Anti-Dumping Practices and shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (b) to the Committee on Subsidies and Countervailing Measures.*
- (d) *Once China has established, under the national law of the importing WTO Member, that it is a market economy, the provisions of subparagraph (a) shall be terminated provided that the importing Member's national law contains market economy criteria as of the date of accession. In any event, the provisions of subparagraph (a)(ii) shall expire 15 years after the date of accession. In addition, should China establish, pursuant to the national law of the importing WTO Member, that market economy conditions prevail in a particular industry or sector, the non-market economy provisions of subparagraph (a) shall no longer apply to that industry or sector."*
58. Article 15 implies that provisions of one of the subparagraphs shall expire in 15 years from the date of China's Accession. The provisions of this paragraph expired on 11<sup>th</sup> December, 2016. Since the factum of dumping causing injury to the domestic industry is established based on investigation period, the conditions prevalent during the investigation period alone is relevant, appropriate and necessary for the purpose of present investigation. The Period of Investigation (POI) for the purpose of the present review is September, 2015 to October, 2016. Since the subparagraph of Article 15 was in existence during the period of investigation, the Authority may use a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China if the producers under investigation cannot clearly show that market economy conditions prevailed in the industry producing the like product with regard to manufacture, production and sale of that product.
59. The Authority notes that two of the producers/exporters from China PR have responded but did not export the PUC to India during the POI. Since, no other producers/exports in the present investigation from China PR have claimed market economy treatment for determination of normal value in terms of Para-6 of Annexure-1 to the Rules, under this circumstance, the Authority is not in a position to apply Para 8 of Annexure 1 to the Rules to the Chinese producers/exporters and the Authority has to proceed in accordance with Para 7 of Annexure - I to the Rules supra.
60. The Authority notes that for determination of normal value based on third country cost and prices, the complete and exhaustive data on domestic sales or third country export sales, as well as cost of production and cooperation of such producers in third country is required. No such information with regard to prices and costs prevalent in these markets have been provided either by the applicant or by the responding exporters, nor any publicly available information could be accessed, nor the responding Chinese companies have made any claim with regard to an appropriate market economy third country. Therefore, the Authority proceeds to construct the normal value based on any other reasonable basis.

**a) Normal Value for all producers/exporters in China PR**

61. The Authority notes that no other producers/exporters from China PR, apart from these two cooperative exporters, who have not exported the PUC, have responded to the Authority in the present investigation. For all the producers/exporters in China, the Authority has determined the weighted average normal value as per facts available as \*\*\* US\$/SQM.

**ii. EUROPEAN UNION**

**a) Tarkett Polska Sp. Z.O.O**

62. The authority notes that Tarkett Polska Sp. Zoo has submitted the exporters' questionnaire response claiming to be a producer of subject goods and informed that it has exported the subject goods through its related entity namely Tarkett Hong Kong, situated in Hong Kong. The authority notes that Tarkett Polska has submitted details of domestic sales in Appendix-1. However, the product sold in domestic market does not meet the sufficiency test of 5%, accordingly, the Authority has determined the Normal Value based on the information available with the Authority as \*\*\* US\$/SQM.

**b) UAB BOEN**

63. The Authority notes that UAB BOEN (“BOEN”) has submitted the Exporters’ Questionnaire response claiming to be a producer and exporter of the subject goods in European Union and informed that it has exported the subject goods directly to India. The response filed by BOEN, has been examined for the purpose of determination of normal value. It is noted that the company is producing various types of product concerned. The company has provided consolidated cost, however, product-wise was not provided. Accordingly, the Authority has determined the normal value as \*\*\* US\$/SQM.

**c. Normal Value for other producers/exporters in European Union**

64. The Authority notes that no other producers/exporters from EU have responded to the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative producers/exporters in EU, the Authority has determined the normal value based on facts available as \*\*\* US\$/SQM.

**iii. Indonesia****Normal Value for producers/exporters in Indonesia**

65. None of the producers/exporters from Indonesia filed the response to questionnaire, therefore, the Authority treated them as non-cooperative. In view of no cooperation from the producers/exporters from Indonesia, the Authority is not able to determine individual dumping margin for producers/exporters and is constrained to proceed with the principles of best available information with regard to determination of dumping margin. In view of non-cooperation of the exporters, the Authority determined normal value as per facts available in terms of Rule 6(8) of the Rules. Accordingly, Normal value has been determined as \*\*\* US\$/SQM.

**B) Determination of Export Price****i. China PR****Export Price for all producers/exporters in China PR**

66. The Authority notes that since none of producers/exporters from China have responded to the Authority in the present investigation. For all the producers/exporters in China, the Authority has determined the net export price as per facts available as \*\*\*US\$/SQM.

**ii. European Union****a) Tarkett, Hong Kong:**

67. The Authority notes that Tarkett Hong Kong (THK) has exported the goods produced by Tarkett Polska during the POI. THK has reported a total export of 5910.80 SQM in their Appendix-2 and claimed adjustments on account of inland freight, ocean freight, insurance bank charges and SGA and same have been allowed after due verification. Accordingly, the weighted average net export price determined as \*\*\*US\$ / SQM.

**a) UAB BOEN**

68. The Authority notes that BOEN has exported the subject goods to India during the POI directly. The company has reported a total export of 23166.17 SQM in their Appendix-2 and claimed adjustments on account of inland freight, ocean freight, insurance, SGA, and bank charges and same have been allowed after due verification. Accordingly, the weighted average net export price determined as \*\*\* US\$ / SQM.

**b) Export Price for other producers/exporters in EU**

69. The Authority notes that since no other producers/exporters from EU have responded to the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative producers/exporters in EU, the Authority has determined the net export price as per facts available as \*\*\* US\$/SQM.

**iii. Indonesia**

70. None of the producers/exporters from Indonesia filed response to the questionnaire. Therefore, the Authority treated them as non-cooperative. In view of no cooperation from the producers/exporters from Indonesia, the Authority has determined net export price as per facts available in terms of Rule 6(8) of the Rules as \*\*\* US\$/SQM.

**C) Determination of Dumping Margin**

71. The Authority notes since the entire volume of imports from Malaysia is found to be unrumpled and they have not exported the PUC as construed post-disclosure therefore, dumping determination has not been carried out for other producers/exporters from Malaysia.

72. Based on normal value and export price determined as above, the dumping margin for producers/exporters from subject countries has been determined by the Authority and the same is as follows:

S. No.	Country	Producer	Exporter	Normal Value - US\$/Sqm	Export price - US\$/Sqm	Dumping Margin - US\$/Sqm	Dumping Margin - %	Dumping Margin Range-%
1	China PR	Any	Any	***	***	***	***	10-20
2	EU	UAB BOEN	UAB BOEN	***	***	***	***	(10-20)
3	EU	Tarkett Polska Sp. ZOO	Tarkett Hong Kong	***	***	***	***	20-30
4	EU	Any other than the producers at Sl. No. 2 & 3	Any other than the exporters at Sl. No. 2 & 3	***	***	***	***	70-80
5	Indonesia	Any	Any	***	***	***	***	0-10

**G. METHODOLOGY FOR INJURY ASSESSMENT AND EXAMINATION OF INJURY AND CAUSAL LINK****INJURY DETERMINATION****G.1 Injury Examination****Views of the Domestic Industry**

73. The following are the injury related submissions made by the domestic industry during the course of the present investigation and considered relevant by the Authority:

- i. Petitioner has commenced the commercial production in August 2014 and thus, the Designated Authority may consider (a) actual performance so far to establish effect of dumping, (b) potential situation in order to establish threat of injury and (c) whether dumping of the product under consideration is materially retarding the establishment of the domestic industry in India.
- ii. It is not a precondition to consider performance of the domestic industry over a three years or longer period in order to assess the material injury, threat of material injury or material retardation as has been done by the Authority in anti-dumping investigation concerning Elastomeric Filament Yarn from China PR, South Korea, Taiwan and Vietnam wherein performance of domestic industry increased in most of the injury parameters but the authority had held that the domestic industry suffered injury.

- iii. The petitioner is suffering material retardation in terms of low production as compared to the projections as it is currently operating on one shift basis only and not on three shift basis, the inventories are piling up, is not able to sell its products and the profitability parameters have remained negative since commencement of the production.
- iv. The present case is justifiable for cumulative assessment as the dumped subject goods from the subject countries not only directly compete with each other's but also as with the like goods offered by the domestic industry in the Indian market.
- v. The domestic industry is suffering material injury due to the presence of dumped imports.
- vi. The Authority found the prima facie evidence of injury in the initiation notification after noting the contentions of domestic industry regarding material injury and material retardation. Thus, it cannot be said that the initiation was to assess material injury.
- vii. The demand of the product under consideration has increased significantly in comparison to the base year.
- viii. The subject imports have increased significantly in absolute terms from the base year to the POI.
- ix. The market share of the subject imports in total imports coming into India has increased from base year to the POI and holds 95% share in total imports.
- x. The subject countries hold about 78% share in demand against 17% held by the domestic industry. The imports have increased even when the petitioner has commenced commercial production with a capacity of 1 million sqm, as against demand of 454,825 sqm.
- xi. There is significant price undercutting during the POI.
- xii. The subject imports have depressing effects on the prices of the domestic industry.
- xiii. The domestic industry is operating at meagre capacity utilization of 20.98%; on single shift basis and is not able to go for two/three shift basis because of dumping.
- xiv. The sales of the domestic industry though have increased but the same is very less as compared to the capacity with the domestic industry.
- xv. The petitioner is not getting orders to sell the product because of dumping of subject goods from the subject countries due to which it is not able to produce and sell a reasonable volume in the domestic market. Resultantly, the petitioner has been forced to suspend the production too frequently which further results in low capacity utilization.
- xvi. The production in last two quarters of the period of investigation has declined.
- xvii. The inventories are piling up.
- xviii. The petitioner has suffered financial losses throughout the injury period and the same has increased significantly during the period of investigation. The losses on sale of PUC increased by 142% in investigation period as compared to the base year and 46% as compared to previous year.
- xix. The domestic industry is suffering negative profits before interest, return on investment and cash losses.
- xx. Despite increase in production and sales, losses suffered by the domestic industry have increased, whereas the same should have declined and the domestic industry should have been earning profits.
- xxi. Market share of the domestic industry though have increased but is very less as compared to that held by the subject imports. Though before the commencement of production by the petitioner, the demand was met by the imports but now even when the petitioner has come into existence, the domestic industry could not get its projected share in demand, despite the fact that domestic industry is having significant capacities.
- xxii. Employment and wages are not reflective of the adverse effects of the dumping on the domestic industry, as these factors are governed by overall operations of the company and the economy.
- xxiii. Productivity per day has increased in the injury period following the movement of production but the same is at very low due to dumped imports.
- xxiv. Growth with regard to profits, return on investments and cash flow has been adversely affected in the proposed period of investigation, as compared to the projections.
- xxv. The benchmark for the Indian producer's prices is the import prices from subject countries. There is no viable substitute to this product. The demand for the product has increased. It is thus evident that the only factors responsible for the domestic industry prices are the import prices of the product from subject countries and the cost of production of the domestic industry.
- xxvi. Two forms of injury i.e. material injury and material retardation can co-exist. The Rules imply that if one form of injury is not found, the other form of injury must be examined. "Or" has to be read as "and", if more than one form of injury exists.

- xxvii. The Authority has time and again found the co-existence of material injury and material retardation as has been done in the investigations concerning Induction Hardened Forged Steel Roll from Russia, Ukraine and Korea RP, PVC Flex Films originating in or exported from China PR, 1,1,1,2,-Tetrafluoroethane or R-134a of all types originating in or exported from China PR and Japan and O- Acid originating in or exported from China PR.
- xxviii. In the anti-dumping investigations concerning D(-) Para Hydroxy Phenyl Glycine Methyl Potassium Dane Salt originating in or exported from China PR and Singapore and D(-) Para Hydroxyl Phenyl Glycine Base originating in or exported from China PR and Singapore, the Authority found the existence of all three forms of injury i.e. material retardation, material injury and threat of injury. Reliance is also placed on finding in EU Japanese Dynamic Random Access Memory (DRAMs) case (Regulation (EEC) 165/90, OJ L20, 25.1.90).
- xxix. The examination of material injury can be done by considering Annexure-II and since petitioner has some history of production and sale, the same may be considered in determining whether the petitioner has suffered material injury. Further, comparison of parameters laid down in Annexure-II with the projected performance as per project report shows material retardation.
- xxx. Imports are leading to material retardation. The petitioner has so far suffered a loss of Rs. 65-70 crores as of now in an investment of 120 crores. The performance of the domestic industry so far clearly shows that despite short period, the performance of the domestic industry has deteriorated. If a new industry is facing injury, it follows that it is getting materially retarded.
- xxxi. The domestic industry had commenced the commercial production in August, 2014 and the period of investigation in the present investigation is October, 2015 to September, 2016. There is no reason why it cannot be termed as nascent stage of business. The domestic industry has made its claims on the basis of law and legal reasoning.
- xxxii. The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry. The law doesn't say that the economic parameters necessarily show decline. The word "evaluation" doesn't mean "demonstration" and "existence". Such evaluation will definitely be different for each case as per the situation of the concerned industry. Reliance is placed on decision in EC — Bed Linen (Article 21.5 — India).
- xxxiii. As against the contentions of the interested parties, production, capacity utilisation have declined in investigation period as compared to previous year; losses shows continued increase over the entire period; inventories shows increase as compared to base year; growth shows negative in respect of production, utilisation, profits, cash flow and ROI
- xxxiv. As regards the contention of one of the interested parties that production and sales volume has grown by 160% and 350% respectively, the domestic industry submitted that the interested parties have shown the increase in absolute terms in POI as compared to 2014-15 period which is the time when the domestic industry had commenced the commercial production. The production should also be compared with the capacity available with the domestic industry which is running on single shift basis only due to dumping and then the actual capacity set up by the domestic industry.
- xxxv. As regards the contention of one of the interested parties that there is no price undercutting by EU imports, that the EU imports accounted for 20% of demand in POI while those from China were 2.5 times higher in the POI, that volume of imports from EU, Malaysia and Indonesia has gone down, the domestic industry submitted that this issue is irrelevant when the present investigation is justified for cumulative assessment.
- xxxvi. The EU commission has not established as how this price difference has led to significantly different conditions of competition between the domestic and imported product and inter-se between imported products. All the conditions required for cumulative assessment are met.
- xxxvii. The reduction in prices was due to the fact that the domestic industry was not able to sell its product in view of dumping.
- xxxviii. The reduction in cost was not due to decline in input cost but due to increase in production and increase in fixed costs. Thus, decline in costs is due to decline in conversion costs.
- xxxix. The increase in revenue, as mentioned in the audit report of petitioner, cannot eclipse the fact that the petitioner had been suffering losses during the injury period.

- xl. As regards the contention of one of the interested parties that the capital employed of the Domestic Industry is fluctuating due to the inapt decision of increasing the capacity of the Domestic Industry every year, the domestic industry submitted that the capacity of the domestic industry has always been constant. Since it started commercial production in August, 2014, the capacity is 222,222 sqm otherwise the annual capacity is 333,333 sqm (one shift basis).
  - xli. The demand for the product under consideration justifies the capacity installed by the domestic industry.
  - xliv. As per the Recommendation by the Committee on Anti-Dumping Practices (c) the period of data collection for injury investigations normally should be at least three years, unless a party from whom data is being gathered has existed for a lesser period, and should include the entirety of the period of data collection for the dumping investigation. Thus, in the present investigation, the data is available from the date of commencement of commercial production and the same has been taken into consideration.
74. The domestic industry submitted as follows as regard to the causal link:
- i. The imports from countries other than the subject countries are not significant.
  - ii. Demand for the product under consideration during period of investigation is quite significant and hence, is not a cause of the injury to the domestic industry.
  - iii. The other known factors viz. export performance, technology, performance of the other products of the company, trade restrictive practices listed in the anti-dumping agreement or in the Rules have not caused injury to the domestic industry.
  - iv. Price undercutting being caused by the dumped imports is preventing the domestic industry from charging a fair price.
  - v. The price depression effect of dumped imports from subject countries has resulted in significant financial losses to the domestic industry.
  - vi. Significant financial losses has led to deterioration in return on capital employed and cash profits;
  - vii. The growth of the domestic industry is negative in terms of a number of price parameters. Growth is far below projected levels in respect of various volume parameters.
  - viii. Market share of the imports from subject countries remained at a very significant level.
  - ix. The domestic industry could not achieve the expected level of production, capacity utilization and sales volumes due to dumped imports.
  - x. Even when the production is so low, the inventories with the petitioner are piling up.
  - xi. Since the domestic industry has started offering the product under consideration in the market from August, 2014, the prices fixed by the domestic industry were benchmarked to the import prices.
  - xii. As regards the contention of one of the interested parties that the injury, if any, caused to the domestic industry is due to impact of startup cost, the domestic industry has no reservation regarding adjustments for start-up costs.
  - xiii. As regards the contention of one of the interested parties that the injury, if any, caused to the domestic industry is due to unrealistic analysis of market, the petitioner has already put on record the project report which shows that it has conceived a viable project. The capacity set up by the petitioner is in line with the present demand of the product in the country which is likely to show an increase in future.
  - xiv. As regards the contention of one of the interested parties that the injury, if any, caused to the domestic industry is due to lack of know-how and reputation, the petitioner is a well-known name in the country has network of 14,000 dealers/distributors and hence, cannot be a reason of injury to the domestic industry when the name of Chinese producers who has sold the highest volume is not known.

#### **Submissions made by the other interested parties**

75. The following are the injury related submissions made by the other interested parties during the course of the present investigation and considered relevant by the Authority
- i. The claim raised by the domestic industry is of material retardation. However, domestic industry started operations in August 2014, i.e. only a year before the POI, when it was at an early stage of establishment.
  - ii. The import volume from subject countries has increased but the same is in view of increase in demand and decrease in imports from other countries.

- iii. The volume of imports from Malaysia, Indonesia and EU has gone down.
- iv. The trend of price from subject countries and domestic industry has been reducing from 2013-14 to POI. This reduction in prices may be due to reduction in the prices of raw material and reduction of the cost.
- v. The capacity, production and capacity utilization have increased during the period of investigation and Production and sales volume has grown by 160% and 350% respectively.
- vi. The Domestic Sales is in line with the increase in the production.
- vii. Though imports have increased but so has the demand and domestic industry's market share. Market share of imports have decreased.
- viii. Inventories have fallen.
- ix. There is no price undercutting by EU imports. As per petitioners' own claim, price undercutting has fallen drastically since the petitioner has started its production.
- x. Price undercutting is not a factor of injury by itself.
- xi. Domestic Industry has not given any information regarding price underselling.
- xii. The imported goods being very expensive cannot have the effect of depressing the domestic prices.
- xiii. Export price of EU has always been higher than other imports and thus, are not competing with those imported from other subject countries.
- xiv. EU imports should not be cumulated with imports from other sources.
- xv. The condition of the petitioner has improved during the POI regarding losses and is picking up the momentum.
- xvi. The cost has reduced by 40% in POI as compared to base year 2013-14, however, selling price has reduced by only 20%. The petitioner has exhausted the profit under some other heads of expenses within the organization.
- xvii. The Capital Employed of the Domestic Industry is fluctuating due to the inapt decision of increasing the capacity of the Domestic Industry every year.
- xviii. The petitioner is a new entrant in the market, recently incurred a capital expenditure of 120 cores, and is showing a ROCE as 17% (according to annual report).
- xix. Petitioner is growing at a healthy rate of 292% according to its annual report. Net revenue, according to the Annual report of 2015-2016, for veneer and allied products has increased by 40%.
- xx. Sales, production and revenue have risen by 292%, 170% and 234% respectively (as per Annual Report).
- xxi. As per Audit Report of M/s. Greenlam Industries Ltd., the revenue from Veneer and Allied Products has increased during the year 2016 as compared to 2015.
- xxii. In the petition, the petitioner has included the self-imports from the subject countries while computing the injury to the domestic industry. In such case, the injury claimed is flawed.
- xxiii. The domestic industry has established abnormally high capacities.
- xxiv. Injury, if any, is account of their inefficiencies and mismanagement which is apparent from the fact that they have established the production capacity at much larger scale than the total demand in the country, defying the marketing logic.
- xxv. The Domestic Industry is trying to mislead the Authority by submitting that the imports are cheaper as compared to their selling price. The Domestic Industry is comparing the incomparable which is evident from the scope of the Product under Consideration as defined in the petition and the methodology of the segregation of data as provided in the application.
- xxvi. The decision of the Authority to initiate the investigation is based on low production, sales, capacity utilization and market share. As per Annexure II, all the parameters relied upon by the Authority for the purpose of initiation, have to necessarily show a "decline". It is not sufficient if the said factors are claimed to be "low".

- xxvii. Two forms of injury i.e. material retardation to the establishment of the industry and material injury cannot co-exist as the use of the word “or” in Section 9B and Rule 11 signifies that the Authority has the power to address either the “material injury” or “material retardation”.
- xxviii. “Injury” presumes that the industry is already established while “material retardation” deals with a situation where the industry is in the process of establishing itself.
- xxix. The claim that Annexure II refers to all types of injury, is completely misplaced. The combined reference to “injury” is only in the context of the procedure to be followed for any type of injury. The two terms can be used interchangeably even for the purpose of Section 9B and Rule 11, where the distinction is absolutely clear.
- xxx. The Domestic Industry has miserably failed to make out a case of “material retardation to the establishment of the industry” even on legal or factual premise.
- xxxi. The case of the Domestic Industry does not even fall under the category where the Domestic Industry has not commenced the commercial production or they are in the nascent stage of business.
- xxxii. No industry can logically claim material retardation when it is an established fact that they have been in commercial production for over about 2 years and have admittedly already acquired around 17% of the total domestic demand.
- xxxiii. As per “Draft Consolidated Chair Texts of the Anti-dumping and SCM Agreements”, which has also been relied upon by the petitioner, the provision of material retardation cannot be invoked where admittedly the industry has been in commercial production for over 2 years.
- xxxiv. While the initiation notification after quoting the claim of the domestic industry for material retardation went on to initiate the investigation for ‘injury to the domestic industry’. The Designated Authority being a quasi-judicial body cannot go beyond the purview of the initiation notification published and served upon the parties to the investigation.
- xxxv. There is no “decline” in any of the factors relied upon by the Authority. Thus, the legal requirement of “adequacy and accuracy” as well as of “sufficiency” fails completely.
- xxxvi. As imported goods are more expensive than the domestic products, there is no correlation between the alleged injury and the imports.
- xxxvii. There are other factors responsible for situation of domestic industry such as impact of start-up costs, unrealistic analysis of market and unrealistic expectation of profits in so less time and lack of know-how and reputation.
- xxxviii. The reason for the increase of imports from subject countries from 2013 to 2016 is not dumping, but the rapid growth of the demand in Indian market following the fast development of downstream industry.

#### **Examination by the Authority**

- 76. The Authority has taken note of the submissions made by the interested parties and the Authority has examined the injury- both material injury and material retardation to the establishment of the domestic industry in accordance with the Anti-dumping Rules and considering the submissions made by the interested parties.
- 77. As regards the contention that initiation notification does not mention ‘material retardation’ as reflective of injury to the domestic industry, the Authority notes the para 14 of the initiation notification reads as follows:

*“The applicant has claimed that the domestic industry has suffered material injury from dumped imports as shown by various parameters..... The applicant has also claimed that dumping of the product under consideration is materially retarding the establishment of domestic industry. The production, sales, capacity utilization and market share of the domestic industry is quite low considering the demand for the product in the Country and considering that the domestic industry commenced commercial production sometime back. There is sufficient prima facie evidence of injury being suffered by the domestic industry caused by alleged dumped imports from the subject countries to justify initiation of antidumping investigations.*



78. It is noted that the notice of initiation referred to both form of injury - material injury as well as material retardation. As regards the contention that the petitioner's business is not in nascent stage, the Authority notes that the domestic industry commenced its production of the subject goods in August, 2014 only and despite reporting capacity on one shift basis (as against three shift basis working for which capacities have been installed), the capacity utilization of the domestic industry is quite low. The domestic industry is not able to operationalize its production on three shift basis and utilising production capacities to the extent the petitioner had envisaged while setting up the plant based on its projection.
79. As regards the contention that the imports increased because of increase in demand, the Authority notes that the imports increased even when the domestic industry is admittedly holding capacities far beyond the domestic demand and able to produce and sell the product of types which commands majority of the demand. There was no domestic producer of the subject goods in India till 2014, hence the entire demand was being met by imports. The domestic industry has installed significant capacities; but it has not been able to reach the target levels of capacity utilization, as a result thereof, its capacity utilization has been dismally low.
80. As regards the contention of the other interested parties that the economic parameters of the domestic industry have improved during the POI as compared to previous period; the Authority notes that the performance of the domestic industry has been examined over the period of its existence. Accordingly any producer required to take steps to improve its performance as regards its production and sales over the period. As a result thereof, the capacity utilization gradually improved. However, the capacity utilisation remained at abysmally low level, if the capacities installed by the domestic industry are considered. Thus, the increase in production and sales over the injury period is reflective of the efforts made by the domestic industry to establish itself in the market, even though it had suffered losses.
81. It is seen that the information filed by the domestic industry shows that its performance has deteriorated over the injury period. While there are no specific rules on the methodology to be adopted for evaluation of material retardation of the establishment of a domestic industry, the authority has examined the performance of the domestic industry over the period of its existence and has compared its actual performance with the expected performance while setting up the plant. In this case, the Applicant has made efforts to establish itself in respect of the subject goods in India, as would be apparent from the fact that the Plant has been installed and considerable investment has taken place; but before viable commercial production could take place to the extent projected/planned, however, dumped imports have not allowed them to utilize its capacity even in the existing demand. In the circumstances, the Authority has examined whether 'injury' to the domestic industry has been caused and establishment of the domestic industry has been retarded.
82. As regards the contention that material retardation and materials injury cannot co-exist, the Authority notes that there is no bar under the law for examination of more than one form of injury. The authority has been examining both material injury and material retardation to establishment of the domestic industry in those cases where the domestic industry does not have performance over a longer period and the domestic industry has set up production facilities in recent period. The authority has been examining performance of the domestic industry to the extent of its existence and comparing the performance of the domestic industry with the projected performance.
83. As regards the contentions that the EU imports accounted for 20% of demand in POI while those from China were 2.5 times higher in the POI, that volume of imports from EU, Malaysia and Indonesia has gone down, the Authority notes that decreased volume of imports from Indonesia, Malaysia and EU does not mean that these would not have caused injury to the domestic industry. The authority has examined injury to the domestic industry cumulatively from subject countries as per Annex II of the AD Rules. During the course of investigation, it was found that the imports from Malaysia was undumped, therefore, the Authority has excluded the volume of imports from Malaysia while calculating its share in total imports from subject countries. In view of undumped imports from Malaysia, the Authority terminates the investigation against Malaysia. In view of this, the volume of imports from Malaysia has not been taken for the purpose of dumping and injury analysis. Therefore, in this investigation China PR, Indonesia and European Union now constitute the subject countries.

#### **Cumulative Assessment**

84. Para (iii) of Annexure II of the Anti-dumping Rules provide that in case where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigations, the Authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that:
  - a) the margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent (or more) of the import of like article or where the export of individual countries is less than three percent, the imports collectively account for more than seven percent of the import of like article and.
  - b) Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.

85. The Authority notes that:

- a) The subject goods are being dumped into India from subject countries. The margins of dumping from each of the subject countries are more than the de minimis limits prescribed under the Rules.
- b) The volume of imports from each of the subject countries is individually more than 3% of total volume of imports.
- c) Cumulative assessment of the effects of imports is appropriate as the exports from the subject countries not only directly compete inter se but also with the like articles offered by the domestic industry in the Indian market.

86. In view of the above, the Authority considers that it would be appropriate to assess injury to the domestic industry cumulatively from exports of the subject goods from the subject countries.

87. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “.... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....”. In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the Anti-dumping Rules.

88. The submissions made by the domestic industry and other interested parties during the course of investigations with regard to injury and causal link and considered relevant by the Authority are examined and addressed as below.

#### **G ii. Volume Effect of Dumped Imports on the Domestic Industry**

##### **(a) Assessment of Demand/Apparent Consumption**

89. The Authority has taken into consideration, for the purpose of the present investigation, demand or apparent consumption of the product in India as the sum of domestic sales of the Indian Producers and imports from all sources. The demand so assessed shows increase over the injury period, as is given in the table below. The demand has increased during the period of investigation as compared to the base year.

Particular	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI
<b>Demand in India</b>					
Domestic Industry Sales	Sqm	-	17,321	64,753	78,584
Imports from Subject countries	Sqm	247,480	302,964	331,445	313,622
China PR	Sqm	144,500	225,889	192,366	199,792
Indonesia	Sqm	11,592	7,829	19,631	17,657
EU	Sqm	91,388	69,246	119,448	96,173
Imports from Other Countries	Sqm	60,687	45,096	60,293	47,749
Total Demand/consumption	Sqm	308,167	365,381	456,490	439,954

**(b) Import Volumes from subject countries**

90. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in imports from subject countries, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. The volume of imports of the subject goods from the subject countries has been analyzed as under:

Particular	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI
Import Volume					
Subject countries	Sqm	247,480	302,964	331,445	313,622
China PR	Sqm	144,500	225,889	192,366	199,792
Indonesia	Sqm	11,592	7,829	19,631	17,657
EU	Sqm	91,388	69,246	119,448	96,173
Other Countries	Sqm	60,687	45,096	60,293	47,749
Total Imports	Sqm	308,167	348,060	391,737	361,371

91. It is seen that imports of the subject goods from the subject countries in absolute terms have increased over the injury period. The imports from the subject countries have shown growth during the period of investigation as compared to the base year. In fact, the subject imports have increased throughout the injury period except a marginal decline in the period of investigation.

**(c) Subject Country Imports in relative terms**

Particular	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI
Share of Subject Countries Imports in relation to					
Total imports in India	%	80.31%	87.04%	84.61%	86.79%
Demand in India	%	80.31%	82.92%	72.61%	71.29%
Production	%	-	1125.52%	455.15%	448.45%
Domestic Sales	%	-	1749.14%	511.86%	399.09%

92. It is seen that as a result of commencement of production by the domestic industry, share of the dumped imports from subject countries have increased in relation to total imports entering India. However, share of the subject imports have decreased during the injury period in relation to Indian demand, production and domestic sales of the domestic industry.

**(d) Share of subject imports in total imports**

Particular	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI
Market Share In imports					
Subject countries	%	80.31	87.04	84.61	86.79
China PR	%	46.89	64.90	49.11	55.29
Indonesia	%	3.76	2.25	5.01	4.89
EU	%	29.66	19.89	30.49	26.61
Other Countries	%	19.69	12.96	15.39	13.21

93. It is seen that the share of dumped imports from subject countries in imports of the product under consideration in India has increased over the injury period. The share of imports from subject countries in total imports is around 87% during the period of investigation which is significant.

**(e) Market Share in Demand**

94. Considering imports from various sources and sales of the domestic industry, market share of subject imports in demand in India was examined. The Authority notes that the market share of the subject imports has decreased over the injury period. However, even when the capacities with the domestic industry are higher than the demand in the Country, imports continue to hold majority market share and stood at significant 71% during the POI.

Particular	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI
<b>Market Share In Demand</b>					
Domestic Industry Sales	%	-	4.74	14.18	17.86
Imports from Subject countries	%	80.31	82.92	72.61	71.29
China PR	%	46.89	61.82	42.14	45.41
Indonesia	%	3.76	2.14	4.30	4.01
EU	%	29.66	18.95	26.17	21.86
Imports from Other Countries	%	19.69	12.34	13.21	10.85

**H. Price Effect of Dumped Imports on the Domestic Industry**

95. With regard to the effect of the dumped imports on prices, it is required to be analyzed whether there has been a significant price undercutting by the alleged dumped imports as compared to the price of the like products in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices or prevent price increases, which otherwise would have occurred in the normal course. The impact on the prices of the domestic industry on account of the dumped imports from subject countries has been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis, the cost of production, net sales realization (NSR) and the non-injurious price (NIP) of the domestic industry have been compared with weighted average landed cost of imports of the subject goods from the subject countries.

**a) Price Undercutting**

96. For the purpose of price undercutting analysis the net selling price of the domestic industry has been compared with the landed value of imports from the subject countries. While computing the net selling price of the domestic industry all taxes, rebates, discounts and commissions have been deducted and sales realization at ex works level is determined for comparison with the landed value of the dumped imports. Accordingly the undercutting effects of the dumped imports from the subject countries work out as follows:

Particulars	Unit	China PR	EU	Indonesia	Subject Countries
Landed Value	Rs./SQM	1,300	1,535	1,389	1,374
Net Sales realization	Rs./SQM	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs./SQM	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	% Range	35-45	25-35	30-40	30-40

97. Price undercutting from the subject countries are positive and significant.

**Price undercutting by cooperative Exporters**

S N	Countr y	Produce r	Exporter	NSR - US\$/Sq m	Landed Value - US\$/Sq m	Price Undercuttin g - US\$/Sq m	Price Undercuttin g - %	Price Undercuttin g Range- %
1	EU	UAB BOEN	UAB BOEN	***	***	***	***	Negative
2	EU	Tarkett Polska Sp. Zoo	Tarkett Hong Kong	***	***	***	***	Negative

98. It is noted that the price undercutting from UAB BOEN, EU and Tarkett Polska Sp. Zoo, Poland (producer) and Tarkett, Hongkong (exporter) is negative.

**b) Price Suppression and Depression**

99. In order to determine whether the dumped imports are suppressing or depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred in normal course, the changes in the costs and prices over the injury period, were compared as below:

Particular	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI
Cost of Sales - Domestic	Rs per Sqm	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	-	100	62	61
Selling price - Domestic	Rs per Sqm	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	-	100	84	80
Landed Value from Subject Countries	Rs per Sqm	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	118	102	94

100. From the above, it is noted that the selling price of the domestic industry is much below the cost of domestic industry during the entire injury period. The landed value of imports from the subject countries has decreased during the period of investigation as compared to the previous year and the base year also. The exporters from the subject countries have been selling the subject goods below the cost and selling price of the domestic industry throughout the injury period. While the cost of production of the domestic industry were quite high in 2014-15 due to initial commencement of production and very low level of production, the same declined as the production increased. However, the selling price remained much below the cost of production and the landed price of imports remained significantly below the selling price of the domestic industry.

**c) Price Underselling**

101. The non-injurious price (NIP) of the domestic industry has been determined and compared with the landed value of the subject goods to arrive at the extent of price underselling. The NIP of the product under consideration has been determined by adopting the verified information/data relating to the cost of production for the period of investigation. Since the petitioner has commenced commercial production only in 2014 with one shift working, the actual level of capacity utilisation being very low, 100% capacity utilisation considering one shift operation has been adopted. As per project report the optimum capacity is assessed to 800000 sq. metres. But the company in its Annual Report of 2015-16 stated that the Company can produce 1000000 sq. metres. The analysis shows that during the period of investigation, the landed value of subject imports were below the non-injurious price of the domestic industry, as can be seen from the table below, demonstrating positive price underselling effect:

Price Underselling	Units	China PR	Indonesia	EU
Non-Injurious Price	US\$ per Sqm	***	***	***
Landed Value	US\$ per Sqm	***	***	***
Price underselling	US\$ per Sqm	***	***	***
Price underselling	%	***	***	***
Price underselling	Range %	1-10	1-10	45-55

**a) Price underselling by cooperative Exporters**

SN	Country	Producer	Exporter	NIP - US\$/Sqm	Landed Value - US\$/Sqm	Under selling - US\$/Sqm	Under selling - %	Under selling Range-%
1	EU	UAB BOEN	UAB BOEN	***	***	***	***	Negative
2	EU	Tarkett Polska Sp. Zoo	Tarkett Hong Kong	***	***	***	***	Negative

102. It is noted that the price underselling from UAB BOEN & Tarkett Polska Sp. Zoo, Poland (producer) and Tarkett, Hongkong (exporter) from EU is negative.

**I. Economic Parameters of the Domestic Industry**

103. Annexure II to the Anti-dumping Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the Anti-dumping Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.

104. The Authority has examined the injury parameters objectively taking into account various facts and arguments made by the interested parties in their submissions.

**(a) Production, Capacity, Capacity Utilization and Sales**

105. Capacity, production, capacity utilization and sales of the domestic industry over the injury period is given in the following table:-

Particular	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI
Capacity (single shift)	Sqm	-	222,222	333,333	333,333
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	-	100	150	150
Production	Sqm	-	26,918	72,821	69,935
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	-	100	271	260
Capacity Utilization	%	-	12.11%	21.85%	20.98%
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	-	100	180	173
Domestic Sales	Sqm	-	17,321	64,753	78,584
<i>Trends</i>	<i>Indexed</i>	-	100	374	454

106. It is noted that:

- Since the petitioner has started its commercial production in August, 2014, the capacity of the petitioner for 2014-15 has been considered as 222,222 SQM proportionate to the number of days of plant running. The production, capacity utilization and sales volume though have increased over the period. However, whereas production and capacity utilisation increased till 2015-16, the same declined in POI, whereas sales volumes increased in the POI also.
- Since the petitioner commenced commercial production only in August, 2014, these parameters have been compared with the projections earlier drawn by the petitioner in its project report. It is seen that the petitioner has deployed its capacities only to the extent of 1/3<sup>rd</sup> of the capacities created by the petitioner. Further, despite having deployed only 1/3<sup>rd</sup> capacity, the capacity utilisation achieved by the petitioner is not only quite low, but also marginally declined in POI as compared to preceding year, whereas it is normally expected that a new plant shall achieve rising production and capacity utilisation levels. Authority notes that this product being a Niche product which is not price sensitive rather it is more customer/ brand oriented and to compete and establish in a market generally takes longer time. In view of the huge capacity of plant, sales of such Niche item takes time

however, the petitioner could manage the shares of 17% in total demand, is due to well established marketing channel in the similar product in the entire country.

- c) Since the petitioner is a new producer, the production and sales of the domestic industry were compared with the demand for the PUC and trends in the demand for the PUC. It is seen that whereas (i) the domestic industry is holding capacities which are twice the demand for the product in the Country, (ii) the demand for the PUC has shown increase, sales of the domestic industry constituted 17% of demand in spite of the fact that the landed price is much lower than the domestic price. Also in the domestic market the product is having limited demand as the product is meant for a certain class of customer.

**(b) Profitability, return on investment and cash profits**

107. Profitability, return on investment and cash profits of the domestic industry over the injury period is given in the table below:-

Particular	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI
Profit/loss - Domestic	Rs. Lacs	-	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	-	(100)	(196)	(242)
PBIT	Rs. Lacs	-	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	-	(100)	(209)	(291)
Cash Profit	Rs. Lacs	-	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	-	(100)	(203)	(267)
<i>Capital Employed</i>	Rs. Lacs	-	***	***	***
ROCE	%	-	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	-	(100)	(128)	(168)

108. It is noted that:

- a) Petitioner has suffered financial losses throughout the injury period. Losses increased significantly in POI. The losses on sale of PUC increased during investigation period. It is noted that with increase in sales, losses increased.
- b) The domestic industry is suffering negative profits before interest, return on investment and cash losses. The extent of cash loss and negative ROI is significant.

**(c) Market Share in Demand**

109. Market share of the domestic industry in demand for the product under consideration is given in the table below:

Particular	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI
Domestic Industry Sales	%	-	4.74	14.18	17.86
Imports from Subject countries	%	80.31	82.92	72.61	71.29
Imports from Other Countries	%	19.69	12.34	13.21	10.85

110. It is seen that market share of the domestic industry though increased, the same is very low as compared to (i) capacities created by the domestic industry and (ii) market share held by the subject imports.

**(d) Employment, productivity and wages**

111. Employment, productivity and wages over the injury period is given in the table below:

Particular	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI
Employment	Nos	-	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	-	100	166	178
Wages	Rs. Lacs	-	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	-	100	248	287
Productivity per employee	Sqm/Nos.	-	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	-	100	163	146
Productivity per day	Sqm/day	-	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	-	100	180	173

112. It is seen from that the employment level has increased throughout the injury period. Wages paid by the domestic industry also have shown increase. Productivity of the domestic industry has increased over the period.

**(e) Inventories**

113. Inventory position with the domestic industry over the injury period is given in the table below:

Particular	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI
Opening Stock	Sqm	-	***	***	***
Closing Stock	Sqm	-	***	***	***
Average stock	Sqm	-	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	-	100	135	165

114. It is seen that the inventories with the domestic industry increased in 2015-16. However, due to reduced production in POI which has led to some decline in inventories. However, inventories with the domestic industry during the investigation period continued to be higher.

**(f) Growth**

115. Growth of the domestic industry with regard to profits, return on investments, production, capacity utilisation and cash flow has been negative, whereas the growth with regard to sales and market share was positive. Considering that the domestic industry commenced commercial production only in August, 2014, the growth of the domestic industry over the period was adverse as compared to projections drawn by the domestic industry.

**(g) Ability to Raise Capital Investments**

116. The petitioner has made fresh investment very recently. The negative profitability, cash flows, return, increased losses indicate that the ability of the domestic industry to raise capital investment may not be appropriate at this stage.



**(h) Factors affecting domestic prices**

117. The petitioner is a new producer for the PUC in the Country. It is noted that the selling price of domestic industry is higher than the landed value for the product under consideration. It is also further noted that the creation of huge production facility which is almost two and half times of the domestic demand aggravated the cost of production at lower capacity utilization.

**(i) Magnitude of dumping margin**

118. The dumping margin from the subject countries are not only more than de-minims but also substantial. The impact of dumping on the domestic industry is significant.

**J. Conclusion on injury**

119. Imports of the PUC have increased over the injury period. The petitioner has commenced commercial production for the PUC very recently and has set up production capacities which are far higher than demand for the PUC in the Country. Despite this, the market share of dumped imports has been not only hold majority share but also quite significant. Price undercutting is significantly positive. Imports have led to price depression in the market. The margin of injury is positive.
120. Performance of domestic industry deteriorated in respect of parameters such as profit, cash flow and return on investment over injury period. Performance of the domestic industry deteriorated in the investigation period as compared to preceding year in respect of production and capacity utilisation. Inventories have increased. Despite overall increase in production and sales, losses were suffered by the domestic industry. The performance of domestic industry has been affected in terms of utilization of capacities, production, sales, market share, profits, cash profits and ROI as compared to the projections earlier drawn by the petitioner while setting up the plant. Dumping is materially retarding the establishment of domestic industry. Further, the domestic industry suffered material injury to the extent of its existence due to presence of dumped imports.
121. The Authority further notes that it is not necessary that all parameters of injury need to show deterioration. The Authority has considered all injury parameters and thereafter has concluded injury to the domestic industry due to dumping.

**K. MAGNITUDE OF INJURY AND INJURY MARGIN**

122. The Authority has determined Non Injurious Price for the domestic industry on the basis of principles laid down in anti-dumping Rules read with Annexure III, as amended. The NIP of the product under consideration has been determined by adopting the verified information/data relating to the cost of production for the period of investigation. The PCN wise NIP has been considered for comparing the landed price from each of the subject countries for calculating injury margin. For determining NIP, the best utilisation of the raw materials by the domestic industry over the injury period has been considered. The same treatment has been done with the utilities. The best utilisation of production capacity over the injury period has been considered. The production in POI has been calculated considering the best capacity utilisation and the same production has been considered for arriving per unit fixed cost. It is ensured that no extraordinary or non-recurring expenses were charged to the cost of production. A reasonable return (pre-tax @ 22%) on average capital employed (i.e. Average Net Fixed Assets plus Average Working Capital) for the product under consideration was allowed as pre-tax profit to arrive at the NIP as prescribed in Annexure-III and being followed by the Authority. The PCN wise non-injurious price so determined has been compared with the landed prices of imports from the subject countries to determine the injury margin as follows;

S. No.	Country	Producer	Exporter	NIP - US\$/Sqm	Landed Value - US\$/Sqm	Injury Margin - US\$/Sqm	Injury Margin - %	Injury Margin Range- %
1	China PR	Any	Any	***	***	***	***	0-10
2	EU	UAB BOEN	UAB BOEN	***	***	***	***	Negative
3	EU	Tarkett Polska Sp. Zoo	Tarkett Hong Kong	***	***	***	***	Negative
4	EU	Any other than at Serial No. 2 & 3	Any other than at Serial No. 2 & 3	***	***	***	***	40-50
5	Indonesia	Any	Any	***	***	***	***	0-10

#### L. Causal Link and other factors

123. Having examined the existence of material injury, volume and price effects of dumped imports on the prices of the domestic industry, in terms of its price underselling and price suppression, and depression effects, other indicative parameters listed under the Indian Rules and Agreement on Anti-Dumping have been examined to see whether any other factor, other than the dumped imports could have contributed to injury to the domestic industry. Accordingly, the following parameters have been examined:
- Volume and value of imports from countries other than the Subject Countries- Imports from countries other than the subject countries are not significant in volumes as either the volume is de-minimis or the price is higher. Imports from third countries are not causing any injury to the domestic industry.
  - Contraction of demand or Changes in the pattern of consumption- The Authority notes that despite increased demand for the subject goods in the country, the domestic industry has suffered from unutilized capacity. The market has not undergone any change in the pattern of consumption in such a manner as would have adversely impacted the domestic industry. Possible contraction of demand or changes in the pattern of consumption has not caused injury to the domestic industry. However this could be partly attributed to the fact that PUC is 'Niche' Product.
  - Development in Technology- None of the interested parties has furnished any evidence to demonstrate significant changes in technology that could have caused injury to the domestic industry. The petitioner has set up a new plant for production of the PUC and there is no evidence that the technology adopted by the petitioner could be a cause of injury to the domestic industry.
  - Trade restrictive practices and competition between supplies from various sources- The Authority notes that the subject goods are not subjected to any trade restrictive practices in India. Moreover, apart from the competition that is obvious in any market economy, no inter se competition or competition between supplies from various domestic and international sources exhibit any such impact that could be construed as injurious to the domestic industry.
  - Export performance- The domestic industry does not have significant export performance. In any case, performance of the domestic industry has been segregated for domestic and export market. Therefore, any possible decline in export performance is not a cause of injury to the domestic industry.
124. Factors establishing causal link:-
- Price undercutting being caused by the dumped imports is preventing the domestic industry from charging a fair price.
  - The price suppression and depression effect of dumped imports from subject countries have resulted in financial losses to the domestic industry and it has led to deterioration in return on capital employed and cash profits;
  - Market share of the imports from subject countries remained at significant level.

- d. The domestic industry could not achieve the expected level of production, capacity utilization, and sales volumes due to dumped imports.
  - e. Even when the production is so low, the inventories with the petitioner are still available.
125. The essential facts gathered by the Designated Authority during the course of the investigation, and as established by the Designated Authority on the basis of information received from various sources were disclosed vide disclosure statement dated 31<sup>st</sup> of January, 2018, in order to enable the various interested parties to offer their comments on the facts gathered by the Designated Authority. Based on the comments received on various aspects of the investigation thereof from the interested parties to this disclosure statement to the extent they are relevant has been considered and addressed accordingly in this final finding.

## **M. POST DISCLOSURE STATEMENT SUBMISSIONS BY THE INTERESTED PARTIES**

### **L.1 Submissions by Domestic Industry**

126. The domestic industry, in its post disclosure submissions has submitted as follows. For the sake of brevity, comments made by the domestic industry, to the extent they are reiterations of the earlier submissions and already dealt with hereinabove, have not been repeated hereunder:

- (a) Certain essential facts, relating to dumping margin, basis of export price adopted for responding exporter, verification of exporters and communications with the exporters have not been disclosed, copy of all communications with the other interested parties, normal value methodology, due to which an effective opportunity to make comments has been denied.
- (b) The Authority may kindly note in the final findings that the domestic industry has already produced the products having inlay work.
- (c) The Authority has not addressed the issue raised about suppression of facts by Chinese and Malaysian producers regarding receiving incentives.
- (d) Unilin SRO Czech Republic One of the related producers of Unilin BVBA, Belgium i.e. Unilin SRO Czech Republic who is also a producer of the subject goods in European Union has not participated in the present investigations. Thus, the response of Unilin, Belgium and Unilin, Malaysia should be rejected.
- (e) The petitioner had identified more than one exporter from Malaysia and only one exporter has responded. It appears to be a presumption that the entirety of the exports made from Malaysia pertains to the responding exporter. However, a major portion of the imports represents exports made by other exporters. This gets clearly established by evidence put on record which clearly shows that these companies are selling their product in the Indian market.
- (f) The petitioner therefore requests the Designated Authority to kindly correlate the import transactions reported in Indian customs data with the export transactions reported by the exporter and (i) ascertain how the volume and value compares in these transactions, (ii) exclude only those transactions which pertains to the exporter for whom de-minimus dumping margin has been determined. Only thereafter the Designated Authority can assess the volume of dumped exports by other parties.
- (g) Malaysia should be included as one of the subject countries.
- (h) Anti-dumping duty may be imposed as fixed quantum of anti-dumping duty (fixed form of duty), expressed in US\$/kg.
- (i) The Authority may specify in the Duty Table that the product under consideration attracts duty, regardless of the customs classification under which the goods are being imported.

### **L.2 Submissions by exporters and other interested parties**

127. Following comments have been made by the exporters and other interested parties, in response to the disclosure statement. For the sake of brevity, comments made by the parties, to the extent they are reiterations of the earlier submissions and already dealt with hereinabove, have not been repeated hereunder:

- (a) Products containing solid wood core cannot be included when it does not even form a part of the application by the applicant.
- (b) *What has remained unaddressed is the fact that the Domestic Industry itself has restricted the scope of the investigation to the wooden flooring which is made of only fibre board (i.e., HDF or MDF) as the middle layer. This is clear beyond any doubt from Annexure 1.7 of the application.*
- (c) *The disclosure statement seeks to cover up the mischief of the applicant by referring the letter as PCN system cannot override the admission of exclusion of certain products in application and that even the response to PCN notice nowhere requires the interested parties to submit information on the basis of material used for the middle layer (the core) of the product.*
- (d) *Initiation cannot cover products for which no written application has been made by the applicant in terms of Rule 5(3) of the Anti-dumping Rules.*

- (e) Inclusion of the two-layer products not having real wood as bottom layer will also be tantamount to increasing the scope of the PUC for which admittedly no application has been filed.
- (f) Designed products are not part of product under consideration as such products were/are not manufactured by the Domestic Industry. Even from the submissions of the Domestic Industry, finding mention at para xvi on page 9 of the disclosure statement, it is clear that Domestic Industry has not produced and sold products having inlay work.
- (g) Domestic Industry has not produced any product above the width of 15 mm in the POI, the same should be kept out of the scope of the product under consideration.
- (h) Wooden tiles are neither a product of engineered flooring nor manufactured by the Domestic Industry. It has been the consistent practice of the Authority to exclude the products not manufactured by the Domestic Industry.
- (i) No comments can be offered on the injury parameters in the absence of segregated import data and the same shall be made available to the interested parties.
- (j) A sole producer cannot cater the needs of the market and this issues raised by the interested parties remains unaddressed.
- (k) The alleged injury is due to the high fixed costs due to unutilized capacities.
- (l) Exotic Décor has been selling the PUC in Indian market since 2007 when there was no other company in India. Now since one producer has come up, dumping is not a reasonable consideration.
- (m) The Authority should take into consideration as how would the anti-dumping law would protect the products which are under PUC, but of higher value then the domestic industry by subjective countries.
- (n) The companies who have not even supplied into India has more margin range as compared to the ones who have a major share in India.
- (o) PUC has been compared to some selective kind of material from the import data and the same has been manipulated.
- (p) Sales of the domestic suppliers against many importers are already high and we are unable to compete with such a large company.
- (q) It was illogical to set up a plant with a huge capacity which is way more than the demand in India.
- (r) It would be unjustified to several small importers and their employees, who survive their livelihood of the material which is under PUC.
- (s) The injury parameters of domestic industry not only show a positive trend but significant increase also.
- (t) Market share of DI has increased as against decrease in market share of subject and other imports.
- (u) The feasibility report is unrealistic as it must have assumed that the domestic industry would conquer the whole Indian market within three years.
- (v) The capacity was increased in the second year even when its capacity utilization was only 12% in the first year.
- (w) The other factors have not been adequately analyzed in the feasibility report.

### **L.3 Examination by the Authority**

128. The Authority notes that most of the submissions are repetitive in nature and were already examined suitably, adequately and appropriately addressed earlier in the disclosure statement. The findings above ipso facto deals with these arguments of the interested parties. Further, the authority has examined submissions of interested parties herein below:

- (a) With regard to the concern raised by the interested parties concerning disclosure of essential facts, it is noted that most of the facts relevant and raised during the course of investigation, have been addressed at appropriate places in these findings.
- (b) With regard to the concern raised by the interested parties concerning product under consideration which is defined in the initiation notification as, "Veneered engineered wooden flooring" excluding following kind of floorings:
  - i. laminated flooring,
  - ii. flooring not made of wood,
  - iii. flooring not having veneered top layer,
  - iv. solid wood flooring.

- (c) Veneered Engineered Wooden Flooring typically has three layers of wood viz "Top Layer", "Middle Layer" and "Bottom Layer". Top Layer is real wood which gives attractive look (owing to its wooden texture) and additional strength to overall construction. It can be made of one strip of wood, two strips of wood or three strips of Wood. Middle Layer is real wood, which forms core of the overall construction. It can be made of either "solid wood" or "fibre board (MDF/HDF)". Bottom Layer is real wood which provides support to the overall construction. The PUC can however be of two or three layers also. In comments to the disclosure statement, most of the interested parties have stated that the petitioner while defining the product under consideration in their petition and addressing it at Annexure 1.7 concerning detailed methodology used to compile import data for PUC, has stated that the description may contain such wood like pine wood and other such specification like number of strips unit to PUC and the type of core could be either HDF or MDF. It was further stated that the PUC has a core of fibre board. Based on the examination of the issues raised by the interested parties on comments to the disclosure statement, the product under consideration has now been construed as "*Veneered Engineered Wooden Flooring typically has three layers of wood viz "Top Layer", "Middle Layer" and "Bottom Layer". Top Layer is real wood which gives attractive look (owing to its wooden texture) and additional strength to overall construction. It can be made of one strip of wood, two strips of wood or three strips of Wood. Middle Layer which forms core of the overall construction and it can be made of "fibre board (MDF/HDF)". Bottom Layer is real wood which provides support to the overall construction. The PUC can however be of two or three layers also*".
- (d) With regard to the allegation of the Domestic Industry that Chinese and Malaysian Authorities are giving subsidy to the producers / exporters of the subject goods, it is noted that in this present investigation, the dumping effects which may lead to the injury to the domestic industry has been examined based on the petition filed by the domestic industry, however domestic industry may file separate application to address the subsidy causing injury, if any from these sources.
- (e) With regard to the allegation of domestic industry concerning non-participation of Unilin SRO Czech Republic in the present investigation, it is noted that they did not participate in the subject investigation as they have not exported the subject goods to India.
- (f) With regard to determination of injury and dumping, the Authority notes that verified information has been taken on board and only undumped volume of imports has been considered for dumping and injury analysis.
- (g) As regards the request for extension of two week time for filing the comments on the disclosure statement, it is noted that these anti-dumping investigations are time bound and the issues raised during the course of investigation have already been addressed at relevant places in these findings. In view of time bound investigation, the authority did not grant further extension for filing comments on disclosure statement.
- (h) As regards the filing of importer's questionnaire by Anika Global in the subject investigation, it is noted complete importer questionnaire was not filed, however, the issues raised by them have been addressed at appropriate places in these findings.
- (i) As regards, the issue concerning plant capacity which is about ten lakhs sqm whereas the market as per import data is under four lakhs sqm, it is noted that in order to have the fair assessment, the NIP has been arrived after normation in order to avoid any undue advantage to the domestic industry because of unrealistic capacity assessment. With regard to huge capacity of the plant and its possible adverse impact on the cost and NIP, it is noted that the authority has determined NIP as per principles outlined in Annexure-III of the Anti-Dumping Rules, 1995.
- (j) Based on the examination of comments on disclosure statement by the interested parties, the product under consideration has now been construed as "*Veneered Engineered Wooden Flooring typically has three layers of wood viz "Top Layer", "Middle Layer" and "Bottom Layer". Top Layer is real wood which gives attractive look (owing to its wooden texture) and additional strength to overall construction. It can be made of one strip of wood, two strips of wood or three strips of Wood. Middle Layer which forms core of the overall construction and it can be made of "fibre board (MDF/HDF)". Bottom Layer is real wood which provides support to the overall construction. The PUC can however be of two or three layers also*". Accordingly, volume of imports from subject countries has been considered for determination of both dumping and injury analysis.

**Conclusions**

129. After examining the issues raised, submissions made and view expressed in oral hearing, by the interested parties and facts made available before the Authority as recorded in this finding, the Authority concludes that:
- I. The product under consideration has been exported to India from China PR, EU and Indonesia below its normal value, resulting in dumping.
  - II. The domestic industry has suffered material injury due to dumping of the product under consideration from the subject countries.
  - III. The material injury has been caused by the dumped imports from the subject countries.
  - iv. Imports by UAB Boen, EU, has not caused injury to the domestic industry, since both the dumping and injury margins are negative.
  - v. Imports from Tarkett Polska Sp.Zoo, Poland (producer) and Tarkett, Hongkong (exporter) has not caused injury to the domestic industry since, the injury margin is negative.
  - vi. The Authority in view of the undumped imports from Malaysia does not consider it appropriate to recommend levy of an Antidumping Duty on the subject goods from Malaysia and hereby terminates the investigation against it in accordance with Rule 14(b), (e) read with 11(ii) of AD Rules.

**N. Indian Industry's Interest & Other Issues:**

130. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic industry by the unfair trade practices of dumping, so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.
131. It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product manufactured using the subject goods and consequently might even have some influence on relative competitiveness of these products. The domestic industry submitted that imposition of proposed duty shall have insignificant cost implications for the consumer. Therefore, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of the wider choice to the consumers of the subject goods.

**O. Recommendations**

132. After examining the submissions made by the interested parties and issues raised therein; and considering the facts available on record, the Authority concludes that:
- i. The product under consideration has been exported to India from subject countries below their normal values.
  - ii. The domestic industry has suffered material injury.
  - iii. Material injury has been caused by the dumped imports of subject goods from subject countries, except the imports from UAB Boen, EU and Tarkett Polska Sp. Zoo, Poland (producer)/ Tarkett, Hongkong (exporter).
133. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the domestic industry, exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspects of dumping, injury and the causal link. Having initiated and conducted investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the AD Rules and having established positive dumping margins as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of definitive anti-dumping duty is required to offset dumping and consequent injury. Therefore, the Authority considers it necessary to recommend imposition of definitive anti-dumping duty on imports of the subject goods from subject countries in the form and manner described hereunder.
134. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the lesser of the margin of dumping and the margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, definitive antidumping duty as per amount specified in the table below is recommended to be imposed from the date of the Notification to be issued by the Central Government, on all imports of the subject goods originating in or exported from subject countries.

**Duty Table**

Sl. No. (1)	Sub-heading (2)	Description of Goods (3)	Country of Origin (4)	Country of Export (5)	Producer (6)	Exporter (7)	Amount (8)	Unit (9)	Currency (10)
1	44091010 and 44092990	Veneered Engineered Wooden Flooring	European Union	European Union	UAB BOEN	UAB BOEN	Nil	Sqm	US\$
2	44091010 and 44092990	Veneered Engineered Wooden Flooring	European Union	Hong Kong	Tarkett Polska Sp. Zoo	Tarkett, Hong Kong	Nil	Sqm	US\$
3	44091010 and 44092990	Veneered Engineered Wooden Flooring	European Union	European Union	Any	Any	6.91	Sqm	US\$
4	44091010 and 44092990	Veneered Engineered Wooden Flooring	European Union	Any country other than those subject to Anti-dumping Duty	Any	Any	6.91	Sqm	US\$
5	44091010 and 44092990	Veneered Engineered Wooden Flooring	Any country other than those subject to Anti-dumping Duty	European Union	Any	Any	6.91	Sqm	US\$
6	44091010 and 44092990	Veneered Engineered Wooden Flooring	Indonesia	Indonesia	Any	Any	1.21	Sqm	US\$
7	44091010 and 44092990	Veneered Engineered Wooden Flooring	Indonesia	Any country other than those subject to Anti-dumping Duty	Any	Any	1.21	Sqm	US\$
8	44091010 and 44092990	Veneered Engineered Wooden Flooring	Any country other than those subject to Anti-dumping Duty	Indonesia	Any	Any	1.21	Sqm	US\$

9	44091010 and 44092990	Veneered Engineered Wooden Flooring	China PR	China PR	Any	Any	0.56	Sqm	US\$
10	44091010 and 44092990	Veneered Engineered Wooden Flooring	Any country other than those subject to Anti- dumping Duty	China PR	Any	Any	0.56	Sqm	US\$
11	44091010 and 44092990	Veneered Engineered Wooden Flooring	China PR	Any country other than those subject to Anti- dumping Duty	Any	Any	0.56	Sqm	US\$

135. Landed value of imports for the purpose of this Notification shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and includes all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the said Act.

136. An appeal against the order of the Central Government arising out of this finding shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

SUNIL KUMAR, Addl. Secy. & Designated Authority